RNI नं. : 7387/63
वर्ष : 62 अंक : 18
मुद्रण तिथि : 29-30 दिसंबर 2024
मूल्य : ₹10/- पृष्ठ संख्या : 76
डाक प्रेषण तिथि : 29 दिसंबर 2024-01 जनवरी 2025
डाक पंजीयन संख्या : BIKANER/022/2024-26
ISSN : 2456-611X
Office Posted at R.M.S., Bikaner

राम चमकते भानु समाना

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ का मुखपत्र

श्रमणोपासक

समाचार

पाक्षिक

महत्तम महापुरुष परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

दीक्षा सुवर्ण दिवस :
माघ सुदी 12 संवत् 2081, 9 फरवरी 2025, नोखामंडी

आचार्य पद :
कार्तिक बदी 3 संवत् 2056, उदयपुर

युवाचार्य पद :
फाल्गुन सुदी 3 संवत् 2048, बीकानेर

दीक्षा :
माघ सुदी 12 संवत् 2031, देशनोक

जन्म :
चैत्र सुदी 14 संवत् 2009, देशनोक

संघ शिखर सदस्य

श्री शांतिलाल जी सांड
बेंगलुरु
MID No. : 189067

श्री विमल जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 127238

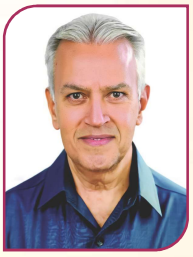

श्री रिद्धकरण जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 111161

श्री जयचंदलाल जी डागा
बीकानेर
MID No. : 108244

श्री सोमप्रकाश जी नाहटा
सूरत
MID No. : 126222

श्रीमती मंजू जी शाह (बोहरा)
पिपलिया कलां
MID No. : 128972

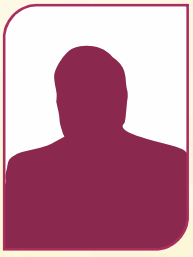

स्व. श्री मूलचंद जी डागा
बीकानेर
MID No. : 187427

समता मनीषी
स्व. श्री उमरावमल जी बम्ब, टोंक
MID No. : 121469

स्व. श्री विजयचंद जी डागा
बीकानेर
MID No. : 120472

श्री माणकचंद जी नाहर
उदयपुर
MID No. : 107109

श्रीमती कुमुद विमल जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 127237

श्री दिनेश जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 111134

श्री पंकजराज जी शाह (बोहरा)
पिपलिया कलां
MID No. : 128966

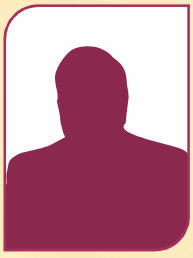

गुप्त
छत्तीसगढ़
MID No. : 197441

श्री सुरेश जी दक
मैसूर
MID No. : 129730

संघ महाप्रभावक सदस्य

श्री शांतिलाल जी डागा
कोलकाता
MID No. : 188697

श्री उत्तमचंद जी रांका
जयपुर
MID No. : 111353

स्व. श्री रावतमल जी संचेती
गंगाशहर
MID No. : 123813

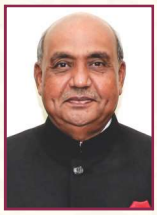

श्री सोहनलाल जी पोखरना
चित्तौड़गढ़
MID No. : 135732

श्री अनिल जी सिपानी
बेंगलुरु
MID No. : 127002

श्री जयचंदलाल जी मरोटी
देशनोक/कोलकाता
MID No. : 114715

श्री शांतिलाल जी बच्छावत
सूरत
MID No. : 194606

श्री राजमल जी पंवार
कानवन
MID No. : 113094

श्रीमती संतोष देवी मोदी
भिलाई
MID No. : 135692

श्री कमल जी बैद
मुंबई
MID No. : 141022

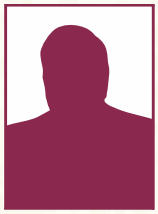

श्री विजय जी (कमला देवी)
गोलछा, बीकानेर
MID No. : 127729

श्रीमती कमला उत्तम जी
कोठारी, बेंगलुरु
MID No. : 112429

श्रीमती मनोरमा देवी बैद
रायपुर
MID No. : 138223

श्रीमती कुसुम जी टंच
बदनावर
MID No. : 160383

चतुर्थ चरण

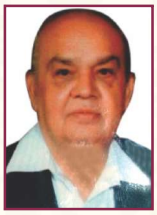

श्री प्रकाश जी कांकरिया
इंदौर
MID No. : 194512

स्व. श्रीमती सरोज देवी
सुराणा, बेरला
MID No. : 195647

श्री बसंतलाल जी कटारिया
रायपुर
MID No. : 137280

श्रीमती गुलाब देवी भंसाली
कोलकाता
MID No. : 129491

श्री सोहनलाल जी रांका
ब्यावर
MID No. : 138078

कार्यसमिति (10 जनवरी 2016) के अनुसार

तृतीय चरण ✻ श्री अनिल कुमार जी गोलछा-सिलचर ✻ श्री प्रकाशचंद जी कोठारी-अमरावती ✻ श्रीमती कमला देवी संचेती-देशनोक/दिल्ली ✻ श्री सुंदरलाल जी बोथरा-मुंबई ✻ श्री गोपालचंद जी खिंवसरा-बेंगलुरु ✻ स्व. श्री बापूलाल जी कोठारी-उदयपुर ✻ श्री दिलीप जी पगारिया-जावरा ✻ श्री प्रेमचंद जी व्होरा-बदनावर ✻ श्रीमती मधुलता जी लोढ़ा-डोंगरगाँव ✻ श्री दिलीप जी ओस्तवाल-कलंगपुर ✻ श्रीमती ज्ञान कँवर जी ओस्तवाल-ब्यावर ✻ श्री प्रकाशचंद जी श्रीश्रीमाल-हैदराबाद ✻ श्री निर्मल जी खिंवसरा-ब्यावर ✻ श्री भीखमचंद जी ओस्तवाल-कलंगपुर ✻ श्री कँवरलाल जी देशलहरा-गुंडरदेही ✻ श्री अखराज जी ओस्तवाल-भिलाई ✻ श्रीमती सुंदर बाई कोटड़िया-कोंडागाँव ✻ श्री महेंद्र जी सोनावत-भीनासर ✻ श्री सुंदरलाल जी पींचा-गुवाहाटी

द्वितीय चरण ✻ श्री तेज कुमार जी तातेड़-इंदौर ✻ श्री पूनमचंद जी भूरा-भीलवाड़ा ✻ श्री बसंतीलाल जी चंडालिया-चित्तौड़गढ़ ✻ श्रीमती इंद्रा बाई धाड़ीवाल-रायपुर ✻ श्रीमती सुनीता जी मेहता-बेलगाँव ✻ श्री राजकुमार जी बाफना-हरदा ✻ श्री विजय कुमार जी मुणोत- हैदराबाद ✻ श्री चेतन कुमार जी हिंगड़-ब्यावर ✻ श्री अभय कुमार जी भंडारी-जावरा ✻ श्री निहालचंद जी कोठारी-ब्यावर ✻ श्री झंवरलाल जी कुम्मट-सिलचर ✻ श्री प्रकाशचंद्र जी चपलोत-निम्बाहेड़ा ✻ श्रीमती कमला कँवर जी कोठारी-चेन्नई ✻ श्रीमती इंद्रा बाई गुणधर-संबलपुर ✻ श्री उदयराज जी पारख-रायपुर ✻ श्री प्रेमचंद जी कोठारी-चेन्नई ✻ श्री पीयूष जी बैद-कोलकाता ✻ श्री विमलचंद जी सुराणा-गीदम ✻ श्री अरुण जी मालू-कोलकाता

प्रथम चरण ✻ स्व. श्रीमती सूरजा देवी बरड़िया-सिलचर ✻ श्री मनोज कुमार जी संचेती-बेलगाँव ✻ श्री मुन्नालाल जी पँवार-कानवन ✻ श्री भागचंद जी सिंघी-जोधपुर ✻ श्री सुधीर जी जैन-पिपलिया मंडी ✻ श्री विनोद जी मिन्नी-कोलकाता ✻ श्रीमती सुधा जी भंसाली-कोलकाता ✻ गुप्त-बंगईगाँव ✻ श्री अमरचंद जी बैद-नोखा ✻ श्री जीवनलाल जी गोखरू-कानवन ✻ श्री सुगनचंद जी धोका-चेन्नई ✻ श्रीमती राजरानी जी रजत जी मूथा-जयपुर ✻ श्री किरणचंद जी गुलगुलिया-चिकमगलूर ✻ श्रीमती गुलाब देवी बोथरा-पंचकुला ✻ श्री लीला देवी बंब-चेन्नई ✻ श्री पूनमचंद जी सुराणा-सूरतगढ़ ✻ श्रीमती जमना देवी लुणावत-नोखागाँव ✻ श्री पदम जी बाँठिया-चेन्नई ✻ श्री संजय जी मालू-कोलकाता ✻ श्री कांतिलाल जी छाजेड़-रतलाम ✻ श्री जयंतीलाल जी गाँधी-अंकलेश्वर ✻ श्री प्रकाश जी गाँधी-अंकलेश्वर ✻ श्री गौतम जी गाँधी-अंकलेश्वर ✻ श्री भागीचंद जी डागा-कोलकाता ✻ श्री अजीत जी कांकरिया-सूरत

रचनाएँ आमंत्रित

500-1000 शब्द सीमा

आप संघ के मुखपत्र के नियमित पाठक हैं यह हमारे लिए हर्ष का विषय है। श्रमणोपासक के प्रत्येक माह के धार्मिक अंक विभिन्न विषयों पर आधारित होते हैं। विशिष्ट पाठकों, लेखकों व अन्य जनों के लिए श्रमणोपासक गुरु गुणानुवाद का विशेष अवसर उपस्थित कर रहा है। श्रमणोपासक के **अक्टूबर 2024 धार्मिक अंक** से **मार्च 2025 धार्मिक अंक** तक के सभी प्रकाशन **आचार्य भगवन् के गुणों, विशेषताओं, साधना व संयमी जीवन, संघ के प्रति आचार्य भगवन् का चिंतन, संघ समर्पणा क्यों आवश्यक, महत्तम आरोग्यम्** पर आधारित रहेंगे। उपर्युक्त विषयों पर आधारित रचनाएँ आप सभी से सादर आमंत्रित हैं। चूँकि महत्तम शिखर वर्ष गतिमान है, अत: हम सभी को महत्तम महापुरुष के गुणों का बखान कर कर्मनिर्जरा करने एवं उन गुणों को आत्मसात करने का अपूर्व अवसर उपलब्ध हुआ है। हम सभी अपने गुरु के गुणानुवाद कर इस अवसर का लाभ उठावें।

इन विषयों पर आलेख के साथ-साथ आप अपने अनुभव एवं संस्मरण भी भिजवा सकते हैं। श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा साधुमार्गी परिवारों को जारी M.I.D. (ग्लोबल कार्ड) नं. हो तो उसका उल्लेख अवश्य ही करें। उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त अन्य विषयों पर भी आपकी रचनाओं का सहर्ष स्वागत है। आप अपनी रचनाएँ दिए गए मोबाइल व वॉट्सएप्प नंबर या ईमेल द्वारा भी भेज सकते हैं। - श्रमणोपासक टीम

9314055390

news@sadhumargi.com

विहार सेवा संयोजन सदस्य संक्षिप्त परिचय

जावद। **सुश्राविका निर्मला देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री आनंदीलाल जी कांठेड़ देव, गुरु, धर्म के प्रति विशेष आस्थावान हैं। आप धार्मिक एवं सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहती हैं। प्रतिदिन देवसी व रायसी प्रतिक्रमण का लक्ष्य रखती हैं। आपने ओली जी पूर, 11, 9, 8, 5, अनेक तेला आदि तप से जीवन सजाया हुआ है। आपकी एवं संपूर्ण कांठेड़ परिवार की आचार्य श्री रामेश की पूर्ण समर्पणा है।

दुर्ग। **सुश्राविका ढेला बाई** धर्मपत्नी स्व. श्री महावीरचंद जी संचेती नित्य लगभग 6 सामायिक का लक्ष्य रखती हैं। आपके बड़े स्नान, रात्रि भोजन का त्याग एवं धोवन पानी सेवन के प्रत्याख्यान हैं। अनुकूलता अनुसार उपवास, बेला, तेला, एकासना, आयंबिल आदि तप-त्याग करते हैं। आप श्री रामसौरभ मुनि जी म.सा. एवं साध्वी श्री सुवृष्टि श्री जी म.सा. की संसारपक्षीय माताजी हैं। संघ एवं शासन सेवा में आप सदैव अग्रणी रहती हैं।

मानकाचर। **सुश्रावक सुनील जी** सुपुत्र स्व. श्री उदयचंद जी-स्व. श्रीमती संपत देवी बोथरा का व्यक्तित्व धर्म एवं सेवाभावों से लक्षित हैं। आपकी आचार्य श्री रामेश की अनन्य श्रद्धा भावना है। आपने अठाई, 9, 11, 15 उपवास आदि तपस्याएँ कर जीवन सजाया है। विशिष्ट प्रतिभा के धनी सुनील जी संघ एवं शासन सेवा को सर्वोपरि मानते हैं। संपूर्ण बोथरा परिवार की दृढ़ समर्पणा अनुकरणीय है।

गंगाशहर। **सुश्राविका माणक देवी** धर्मपत्नी संपतलाल जी भंसाली का जीवन सरलता एवं सौम्यता से ओत-प्रोत था। आपने माता-पिता से प्राप्त संस्कारों की धरोहर को पाथेय बनाकर उसे और अभिवृद्धित किया। आप आचार्य श्री रामेश के प्रति पूर्ण आस्था व श्रद्धा रखते हुए प्रतिदिन 4-5 सामायिक का लक्ष्य रखती थीं। धर्म के प्रति आपका विशेष अनुराग था। सादा जीवन उच्च विचार से प्रेरित आपका व्यक्तित्व अन्यों के लिए प्रेरणीय था।

खरियार रोड। **सुश्रावक राजू जी** सुपुत्र नेमीचंद जी-अमृत देवी सांखला सदैव ही सेवा कार्यों में अग्रणी रहते हैं। आपका संपूर्ण परिवार सामायिक, स्वाध्याय के साथ धर्माराधना में रत रहता है। आप छत्तीसगढ़-ओड़िशा अंचल के राष्ट्रीय मंत्री पद पर सेवाएँ दे चुके हैं एवं वर्तमान इस अंचल के दानपेटी योजना के संयोजक के रूप में सेवारत हैं। चारित्रात्माओं की सेवा में आपकी अग्रणी भूमिका रहती है।

// जय महावीर //

// जय गुरु नाना //

// जय गुरु राम //

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

राम चमकते भानु समाना

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

द्वारा सामाजिक कार्य की शृंखला में प्रस्तुत है

हर एक जीवन में चमके सितारे,
आओ बाँटें खुशियों के पिटारे।

खुशियों का पिटारा

(जनवरी-फरवरी-मार्च)

आप सभी से निवेदन है कि अपने-अपने क्षेत्रों की रिपोर्ट बनाकर अवश्य भेजें।

भोजन/गर्म कपड़े/कंबल/स्टेशनरी
अन्य वस्तुएँ वितरण करना

:: अनुक्रमणिका ::

रुक्मिणी विवाह..... 08
ज्ञान सार : श्रीमद् भगवतीसूत्र..... 10
श्रमणोपासक हेडलाइंस..... 12
गुरुचरण विहार समाचार..... 13
अपने आचार्यदेव को जानें..... 27
विविध समाचार..... 30
विविध भेंट मार्फत..... 47
विनम्र श्रद्धांजलि..... 57
श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति..... 60
श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ..... 63
चारित्रात्माओं की विहारचर्या..... 64

सुविचार

आत्म-आलोचना

जीवों को सताया मैंने, असत्य सहारा लिया।
अस्तेय गँवाया प्रभो! ब्रह्म में न ध्यान है।।
श्रमण बना मैं पर, परिग्रह छूटा नहीं।
गुण नहीं कण किंतु मण अभिमान है।।
कथनी व करनी में, अंतर सौ कोस रखा।
कालग्रासी शरीर का, हरदम भान है।।
प्रभु वीर साखी से ही, गौतम आलोचना ये।
आत्मशुद्धि करने से, बने भगवान हैं।।

साभार – वीर कहे गौतम से

चिंतन

मनुहार से न आए मस्ती

–परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

एक पौधे को देख रहा हूँ। उस पर अनेक फूल लगे हुए हैं। फूलों से भीनी-भीनी गंध उठ रही है। इतने में एक भ्रमर उधर आ गया। गुँजार करता हुआ फूल पर बैठा। पराग ले मस्त हो गया। वहाँ से उड़ता है, गुँजार करता हुआ अन्य फूल पर बैठा। इसी प्रकार वह फूलों पर बैठता रहा, उड़ता रहा। अपनी मस्त तान में गुँजार करता रहा। उसे देख सहज ही अनुचिंतन स्फूर्त होता है कि यह भ्रमर कितना मस्त है। फूल पर बैठता है तो फूल की शोभा में भी वृद्धि हो जाती है। फूल की भी वृद्धि ही नहीं होती भंवरा भी अपने हाल में मस्त हो जाता है। उसके आनंद का, मस्ती का अंदाजा पाना कठिन है। साधु को भी भ्रमर की तरह भिक्षाचरी पर ही निर्भर होना चाहिए। उसी में उसे मस्ती आ सकती है। वह जब भिक्षार्थ गृहस्थ के घर में प्रविष्ट होगा तो उससे उस घर की भी शोभा में भी वृद्धि होगी। भारतीय संस्कृति ने **'अतिथि देवो भवः'** कहा है। अतिथि देव होते हैं। देव तुल्य होते हैं। देव के आगमन से घर का दिव्य बन जाना स्वाभाविक है। अतिथि से एक तरफ गृहस्थ का घर पवित्र हो जाता है तो दूसरी ओर साधु गृहस्थ के निमित्त बने हुए भोजन में से थोड़ा-थोड़ा ग्रहण करता हुआ अपनी संयम-यात्रा को बिना किसी व्यवधान के आगे बढ़ाने में समर्थ हो पाता है। साधु स्वयं श्रम करके भिक्षा लाता है। दोषों का परिहार करते हुए भिक्षा लेता है। इससे उसे अत्यंत आनंद का अनुभव होता है। उस समय उसे जो संयम की मस्ती चढ़ती है, वह अद्भुत होती है। उसके आनंद, मस्ती को मापा जाना शक्य नहीं है। किंतु यदि साधु थोड़ा भी मन कमजोर कर ले, आधाकर्मी आदि दोषों से दूषित आहार ग्रहण कर ले तो उसकी वह मस्ती बरकरार नहीं रह सकती। गृहस्थ का मन भी वैसा उत्फुल नहीं हो सकता। इसलिए कह सकते हैं- साधक तुम्हारी मस्ती किसी पर आधारित नहीं है। तू स्वयं ही उसका आयतन है। वह मस्ती पूर्ण रूप से तुम्हारे अधिगत है।

20.03.2016, फाल्गुन शुक्ल 12, रविवार

साभार- आरोह

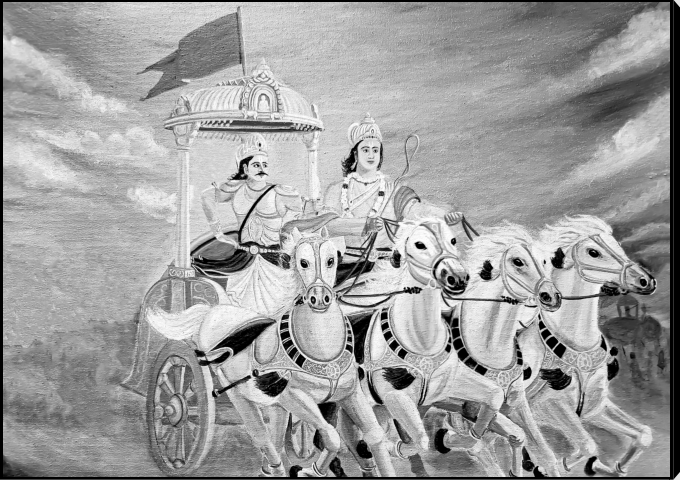

धर्मदेशना

रुक्मिणी विवाह

कृष्णागमन

29-30 नवंबर 2024 अंक से आगे...

–परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री जवाहरलाल जी म.सा.

इस प्रकार अनुकूल-प्रतिकूल विचार करते रुक्मिणी ने सोचा कि मैं कृष्ण के आने, न आने के विषय में इतने संदेह में क्यों पड़ रही हूँ। मैं अपने कृत कर्म से ही निश्चय क्यों न कर लूँ कि श्रीकृष्ण आएँगे या नहीं? यदि मैंने दुष्कर्म किए होंगे तब तो श्रीकृष्ण आ ही कैसे सकते हैं? मुझे अपने दुष्कर्मों का फल भोगना ही पड़ेगा और यदि मैंने दुष्कर्म नहीं किए तो फिर श्रीकृष्ण को अवश्य ही आना होगा। अपने कार्यों की आलोचना करने पर मुझे अपना भविष्य आप ही मालूम हो जाएगा।

रुक्मिणी अपने पापों की आलोचना करने लगी। वह कहने लगी कि जहाँ तक मुझे याद है, मैंने जान-बूझकर कभी किसी निरपराधी जीव को नहीं सताया। कभी झूठ का प्रयोग नहीं किया। कभी किसी की चीज नहीं चुराई। ये तो बड़े-बड़े पाप हुए। लोग इन बड़े पापों पर ध्यान देते हैं, परंतु उन छोटे पापों पर ध्यान नहीं देते जो वैसे तो छोटे कहलाते हैं, परंतु वास्तव में परंपरा से इन बड़े अपराधों से भी भयंकर होते हैं। मैं उन छोटे अपराधों की भी आलोचना करके देखती हूँ कि मुझसे ऐसे पाप भी हुए हैं या नहीं!

मैंने अतिथि का कभी भी अनादर नहीं किया। उनको भोजन कराने के पश्चात् ही भोजन करती रही और शक्तिभर उनकी सेवा भी करती रही। मेरे यहाँ से कभी कोई भिक्षुक निराश भी नहीं गया। मैं याचक को सदा संतुष्ट ही करती रही हूँ। मैंने अपने पाले हुए पशु-पक्षियों को केवल सेवकों के ही भरोसे कभी नहीं छोड़ा, उनके खानपान और उनकी सेवा-सुश्रूषा की देखभाल स्वयं करती रही हूँ। मैंने भोजन में भी कभी भेदभाव नहीं किया। जो भोजन मैंने किया, वही अतिथि और आश्रित सेवकों को भी कराया। यह नहीं किया कि मैंने स्वयं तो अच्छा भोजन किया हो और अतिथि या आश्रित सेवकों को वह अच्छा भोजन नहीं कराया हो। मैंने दूसरों के सामने कोई भी वस्तु उन्हें दिए बिना खाने का पाप कभी नहीं किया। मैं जो भी वस्तु खाती हूँ वह उस समय वहाँ उपस्थित सेवक आदि लोगों को भी देती हूँ। अकेली कभी नहीं खाती। मैंने कभी किसी के भोजन, आजीविका अथवा आर्थिक लाभ के कार्यों में विघ्न डालने का पाप नहीं किया। खाने-पीने या पहनने की वस्तुओं का मैंने कभी ऐसा संग्रह भी नहीं किया, जो मेरे पास तो पड़ा-पड़ा नष्ट हो और दूसरे लोग उसके अभाव में कष्ट पाएँ। मैंने अपने सेवकों के साथ सदा मनुष्यता का ही व्यवहार किया है। उन्हें आत्मीयजनों के समान मानकर सदा संतुष्ट करती रही हूँ। उनसे कोई अपराध होने पर भी मैं न तो उन्हें कठोर दंड देती हूँ, न ही ताड़ना करती हूँ। मैंने न तो उनको ऐसी प्रतिज्ञा में ही बाँधा है जिसके कारण वे अनैतिक आचरण करें तथा न अपने कार्य के लिए उन्हें अनैतिक आचरण करने को विवश ही किया और न कभी उनसे निकृष्ट सेवा ही कराई। इस प्रकार इस जन्म में तो मैंने ऐसा कोई पाप नहीं किया जिसके कारण मैं कृष्ण-दर्शन से वंचित रहूँ। हाँ, पूर्वजन्म के पाप उदय हों और इस कारण श्रीकृष्ण मेरी खबर न लें तो यह बात दूसरी है।

द्वारका के मार्ग पर अश्रुपूर्ण नेत्र गड़ाए रुक्मिणी इसी प्रकार का ध्यान कर रही थी। कभी-कभी बुआ उसका ध्यान भंग करते हुए कहती—"रुक्मिणी! जरा धैर्य धर और विश्वास रख। विश्वास बिना कोई भी कार्य सफल नहीं होता। एकदम से निराश मत हो। आस्तिक लोग अंत समय तक निराश नहीं होते। कुशल से पत्र पाते ही कृष्ण कुण्डिनपुर के

लिए चल पड़े होंगे। वे अविलंब आ ही रहे होंगे। उनका गरुड़ध्वज रथ कहीं मार्ग में ही होगा। वे शरणागत रक्षक हैं। शरणागत की रक्षा करना उनका धर्म है। वे अपने इस धर्म को कदापि कलंकित नहीं होने देंगे।''

बुआ रुक्मिणी को इस प्रकार समझा रही थी और रुक्मिणी आँखों से जलधारा बहाती हुई द्वारका के मार्ग की ओर देख रही थी कि सहसा रुक्मिणी की वाम भुजा फड़की। इस शुभ शकुन से रुक्मिणी के हृदय को कुछ शांति मिली। इतने में ही उसकी दृष्टि एक रथ की ध्वजा पर पड़ी। उसने बुआ से कहा—''बुआ, देखो तो वह क्या दिखाई दे रहा है? क्या किसी रथ की ध्वजा है या मुझे भ्रम हो रहा है?'' रुक्मिणी के कहने से बुआ ने द्वारका के मार्ग की ओर देखा और वह रुक्मिणी से कहने लगी—''हे रुक्मिणी! अब तू चिंता छोड़कर प्रसन्न हो। वह देख श्रीकृष्ण ही आ रहे हैं। यह गगनस्पर्शी गरुड़ चिन्ह अंकित ध्वजा उन्हीं के रथ की है। दूसरे किसी के रथ की ध्वजा पर गरुड़ का चिन्ह नहीं है।''

बुआ की बात सुनकर रुक्मिणी के हृदय में अत्यधिक प्रसन्नता हुई। फाँसी पर चढ़े हुए व्यक्ति को जीवित रहने की विश्वासपूर्ण आशा हो जाने पर जो प्रसन्नता होती है, उस प्रसन्नता की तुलना तो उसी की प्रसन्नता से की जा सकती है। यह बात रुक्मिणी की प्रसन्नता के लिए भी है। उसने एक बार ध्वजा को गहरी दृष्टि से देखा और उसे बुआ के कथन पर विश्वास हो गया। अब तो उसकी प्रसन्नता का कहना ही क्या था! वह आँखों के आँसू पोंछकर रथ की ओर देखने लगी। उस गरुड़ ध्वजा वाले रथ को कुण्डिनपुर की ओर आते देखकर उसे अपनी रक्षा की पूर्ण आशा हो गई। उसने देखा कि रथ में एक पीतांबरधारी पुरुष बैठा है और उसके पास ही वह ब्राह्मण भी बैठा है, जो मेरा पत्र लेकर गया था। अब उसे पूर्ण विश्वास हो गया कि इस रथ में श्रीकृष्ण ही हैं, जो कुशल के साथ मेरी रक्षा करने के लिए आए हैं। बुआ ने भी यह विश्वास करने में उसकी सहायता की।

रुक्मिणी ने देखा कि वह रथ आते-आते जंगल में ही रुक गया। उसमें से उतरकर वृद्ध कुशल नगरी की ओर आ रहा है और रथ प्रेमदा बाग की ओर जा रहा है। वह बुआ को लेकर प्रसन्न होती हुई अपने महल में आई। अब उसे कुशल की प्रतीक्षा थी। इसी बीच में रुक्मिणी के मन में एक और संदेह हुआ। वह बुआ से कहने लगी—''बुआ! मेरी रक्षा के लिए श्रीकृष्ण आए तो हैं, परंतु वे तो अकेले ही दिख पड़ते हैं और यहाँ इन दुष्टों की बहुत ही अधिक सेना है। इस टिड्डीदल जैसी अपार सेना से वे अकेले युद्ध करके मेरी रक्षा कैसे कर सकेंगे? सेना ने सारे नगर को घेर रखा है। इस सारी सेना को जीतकर वे महल तक कैसे पहुँच सकेंगे? कहीं मुझ दुष्टा के कारण उनके प्राण संकट में नहीं पड़ जाएँ।''

यह कहती-कहती रुक्मिणी फिर दुःखित हो गई। उसकी आँखों से आँसू गिरने लगे। रुक्मिणी की आँखों से आँसू पोंछती हुई बुआ कहने लगी—''रुक्मिणी! तुझे जो चिंता हुई है, उसका तो अर्थ होता है कि या तो तू कृष्ण के बल-पराक्रम को समझ ही नहीं पाई या तुझे उनके बल-पराक्रम पर विश्वास नहीं है। तू जरा धैर्य रख। देख तो सही कि श्रीकृष्ण शिशुपाल और रुक्म की सेना को किस प्रकार परास्त करके तेरी रक्षा करते हैं। अधिकांश सेना तो उनके पांचजन्य शंख की ध्वनि से भयभीत होकर ही भाग जाएगी। फिर जब वे सुदर्शन चक्र को हाथ में लेकर घुमाएँगे, तब पृथ्वी पर कौन ऐसा है, जो उस चक्र के तेज के सम्मुख ठहर सके? कौन ऐसा वीर है, जो उनके सारंग धनुष से निकले हुए बाण का आघात सह सके? किस जननी ने ऐसा वीर पैदा किया है, जो कौमुदी गदा का प्रहार रोके? अकेले कृष्ण ही असंख्य सेना से युद्ध कर सकते हैं। फिर भी संभव है कि पीछे दूसरे यादव भी आते हों। जरा ठहरो तो। घबराती क्यों हो? कुशल को तो आने दो।''

बुआ रुक्मिणी को समझा चुकी थी कि इतने में कुशल भी आ गया। कुशल को देखते ही रुक्मिणी उसके पाँवों में गिर पड़ी। वह कुशल के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना चाहती थी, परंतु हर्षावेश में उसके मुँह से एक शब्द भी नहीं निकल सका। कुशल ने रुक्मिणी को उठाते हुए कहा—''राजकुमारी ठहरो, यह विलंब करने का अवसर नहीं। अब विलंब अवांछनीय है। विलंब करने से हित की हानि होगी। मैं तुमसे यह कहने आया हूँ कि श्रीकृष्ण नगर के बाहर तक आ गए हैं। उनका रथ उसी प्रेमदा बाग में है जहाँ के लिए राजभगिनी ने कहा था। बलदेव जी भी साथ हैं। अब मैं जाता हूँ। यहाँ अधिक ठहरने से किसी को संदेह हो जाएगा और कार्य में बाधा आ खड़ी होगी।''

साभार– श्री जवाहर किरणावली-5 (रुक्मिणी-विवाह)

– क्रमशः

श्रीमद् भगवतीसूत्र प्रश्नमाला

संकलनकर्ता -
कंचन कांकरिया, कोलकाता

29-30 नवंबर 2024 अंक से आगे...

ज्ञान का वर्णन शतक 8 उद्देशक 2

पूर्वापर संबंध – ज्ञान के ही भेदों का वर्णन किया जा रहा है। इस उद्देशक के मूल पाठ में श्रीमद् नंदीसूत्र का अतिदेश (भोलावण) किया गया है, तदनुसार प्रस्तुत वर्णन है।

आहारक

प्र.2584 आहारक-अनाहारक जीवों के ज्ञान-अज्ञान का वर्णन कीजिए।

उत्तर

1. आहारक में 5 ज्ञान 3 अज्ञान की भजना।
2. अनाहारक में मनःपर्यवज्ञान को छोड़कर शेष 4 ज्ञान 3 अज्ञान की भजना।

(मनःपर्यवज्ञान परभव में साथ नहीं जाता इसलिए वे अनाहारक नहीं होते।)

काल

प्र.2585 ज्ञानी के ज्ञान की स्थिति का वर्णन कीजिए।

उत्तर ज्ञानी के ज्ञान की स्थिति दो प्रकार की है। यथा–

1. **सादि सपर्यवसित –** आदि अंत सहित। जिसका सम्यक् ज्ञान, मिथ्यात्व के उदय के कारण नष्ट हो जाता है, वह सादि सपर्यवसित कहलाता है। इसकी स्थिति जघन्य अंतर्मुहूर्त, उत्कृष्ट 66 सागर झाझेरी है।
2. **सादि अपर्यवसित –** आदि सहित अंत रहित। जिसके सम्यक् ज्ञान का कभी अंत नहीं आता, वह सादि अपर्यवसित कहलाता है। इसकी स्थिति नहीं है क्योंकि केवलज्ञान नष्ट नहीं होता।

प्र.2586 पाँचों ज्ञान की स्थिति लिखिए।

उत्तर

1-2. मति-श्रुतज्ञान की स्थिति जघन्य अंतर्मुहूर्त, उत्कृष्ट 66 सागर झाझेरी।

3. अवधिज्ञान की स्थिति जघन्य एक समय (मृत्यु होने पर अथवा अन्य कारणों से), उत्कृष्ट 66 सागर झाझेरी।
4. मनःपर्यवज्ञान की स्थिति जघन्य एक समय (काल करने की अपेक्षा), उत्कृष्ट देशोन क्रोड पूर्व।
5. केवलज्ञान की स्थिति सादि अपर्यवसित (सादि अनंत) होती है, क्योंकि केवलज्ञान प्राप्त हो जाने के बाद वह कभी जाता नहीं है, सदाकाल रहता है।

प्र.2587 मृत्यु के अलावा अवधिज्ञान एक समय बाद किस कारण से नष्ट होता है?

उत्तर विवेचन में उल्लेख है कि विभंगज्ञान, अवधिज्ञान रूप परिणत होकर एक समय बाद नष्ट हो सकता है।

प्र.2588 अज्ञानी के अज्ञान की स्थिति का वर्णन कीजिए।

उत्तर अज्ञान की स्थिति 3 प्रकार की है। यथा–

1. **अनादि-अपर्यवसित :** अनादिकाल से अज्ञानी है और अनंतकाल तक अज्ञानी ही रहते हैं, अभव्य जीव।

2. **अनादि-सपर्यवसित :** अनादिकाल से अज्ञानी है, किंतु अज्ञान का अंत है, भव्य जीव।

3. **सादि-सपर्यवसित :** जिनके अज्ञान की आदि भी है और अंत भी है (प्रतिपाति सम्यक् दृष्टि)। इस भंग की स्थिति (मति-श्रुतअज्ञान की) जघन्य अंतर्मुहूर्त, उत्कृष्ट देशोन अर्द्ध पुद्गल परावर्तन है। इस काल के बाद इन जीवों को अवश्य ही सम्यक्त्व की प्राप्ति हो जाती है और उनका अज्ञान दूर हो जाता है।

प्र.2589 विभंगज्ञान की स्थिति कितनी है?

उत्तर विभंगज्ञान की स्थिति जघन्य एक समय (काल करने की अपेक्षा) उत्कृष्ट तैंतीस सागरोपम देशोन क्रोड पूर्व अधिक है। तत्पश्चात् वह जीव या तो सम्यक्त्व को प्राप्त कर लेता है या उसका विभंगज्ञान नष्ट होने से वह मति-श्रुतअज्ञानी हो जाता है।

अंतर

प्र.2590 ज्ञान का अंतर किसे कहते हैं?

उत्तर एक ज्ञान को छोड़कर पुनः उस ज्ञान को प्राप्त करने में जितना काल लगे, उसे अंतर कहते हैं।

1. प्रथम चार ज्ञान का अंतर जघन्य अंतर्मुहूर्त, उत्कृष्ट देशोन अर्द्ध पुद्गल परावर्तन है। (मनःपर्यवज्ञान का जघन्य अंतर्मुहूर्त का अंतर उसी भव की अपेक्षा जानना चाहिए।)
2. केवलज्ञान का अंतर नहीं होता।

अंतर का वर्णन मूल पाठ में नहीं है, किंतु 'कायस्थिति' के थोकड़े के आधार से दिया गया है।

अल्पबहुत्व

प्र.2591 पाँच ज्ञान की अल्पबहुत्व लिखिए।

उत्तर

1. सबसे थोड़े मनःपर्यवज्ञानी – संयती मनुष्य को ही होता है।
2. उनसे अवधिज्ञानी असंख्यातगुणा – चारों गति के जीवों को होता है।
3-4. उनसे मति-श्रुतज्ञानी परस्पर तुल्य विशेषाधिक – मनुष्य, तिर्यंच बढ़े।
5. उनसे केवलज्ञानी अनंतगुणा – सिद्ध भगवान की अपेक्षा।
6. उनसे समुच्चयज्ञानी विशेषाधिक।

ज्ञातव्य बिंदु – संज्ञी मनुष्य से भी अवधिज्ञानी असंख्यात गुणा अधिक है।

प्र.2592 तीन अज्ञान की अल्पबहुत्व लिखिए।

उत्तर

1. सबसे थोड़े विभंगज्ञानी,
2. उनसे मति-श्रुतअज्ञानी परस्पर तुल्य अनंतगुणा- निगोद की अपेक्षा,
3. उनसे समुच्चय अज्ञानी विशेषाधिक।

प्र.2593 पाँच ज्ञान के पर्याय की अल्पबहुत्व लिखिए।

उत्तर प्रत्येक ज्ञान की अनंतानंत पर्यायें हैं।

1. सबसे कम मनःपर्यवज्ञान की पर्यायें क्योंकि क्षेत्र कम है।
2. उससे अवधिज्ञान की पर्यायें अनंतगुणा- संपूर्ण लोक के रूपी द्रव्य।
3. उससे श्रुतज्ञान की पर्यायें अनंतगुणा- रूपी, अरूपी दोनों को जानता है एवं अवधिज्ञान से पूर्वों का ज्ञान अनंतगुणा अधिक है।
4. उससे मतिज्ञान की पर्यायें अनंतगुणा- मतिज्ञान से ही श्रुतज्ञान स्थिर रहता है, पुष्ट होता है, दूसरों को दिया जाता है। अतः अनंतगुणा अधिक है।
5. उससे केवलज्ञान की पर्यायें अनंतगुणा हैं।

साभार- श्रीमद् भगवतीसूत्र प्रश्नमाला

-क्रमशः

श्रमणोपासक हेडलाइंस

- परमागम रहस्यज्ञाता परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के श्रीमुख से ब्यावर में मुमुक्षु बहन इंजीनियर सुश्री हर्षाली जी कोठारी की जैन भागवती दीक्षा एवं बड़ी दीक्षा (छेदोपस्थापनीय चारित्र) हजारों गुरुभक्तों की अनुमोदनापूर्वक संपन्न। नवीन नामकरण नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. किया गया। ब्यावर में चातुर्मास जैसा ठाट लगा। 32 लाख रुपए सालाना का पैकेज छोड़कर संयम मार्ग पर बढ़ना सुखद चर्चा का विषय बना। हर कोई आश्चर्यचकित।
- बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. भीलवाड़ा के उपनगरों को कर रहे पावन। इस कड़ाके की ठंड में भी चारित्रात्माओं का विहार क्रम अपूर्व धर्मजागरणा हेतु जारी।
- आगामी 7 फरवरी 2025 को घोषित दीक्षाओं के लिए नोखामंडी संघ को आगारों सहित स्वीकृति। आगामी चातुर्मास एवं अन्य प्रसंगों हेतु लसानी, सवाई माधोपुर, ब्यावर सहित अनेक संघ प्रमुखों ने गुरुचरणों में विनतियाँ प्रस्तुत कीं।
- तपस्विनी बहन हेमलता जी बाँठिया (नोखामंडी) के 165 उपवास का पारणा संपन्न। तपस्विनी बहन किरण जी कोठारी (कांकरोली) ने 94 उपवास के दिन 111 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण कर अपूर्व आत्मबल का परिचय दिया।
- तपागच्छ संप्रदाय के श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वर जी म.सा. का आचार्य प्रवर से समता भवन, ब्यावर में आध्यात्मिक मिलन एवं विभिन्न विषयों पर चर्चा। शांतक्रांति संघ की साध्वी श्री पुष्पावती जी म.सा. आदि ठाणा-4, अरिहंतमार्गी संघ की साध्वी श्री ललिता श्री जी म.सा., साध्वी श्री अनुपम श्री जी म.सा., साध्वी श्री शुभा श्री जी म.सा., ब्यावर विधायक शंकर सिंह जी रावत, अजमेर भाजपा के देहात अध्यक्ष व ब्यावर के पूर्व विधायक देवीशंकर जी भूतड़ा, आशापुरा मंडल भाजपा अध्यक्ष जीतू जी कावड़िया, डॉ. एस.के. शर्मा, पत्रकार सिद्धार्थ जी जैन, डॉ. रूपेंद्र जी पारीक, दी क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, ब्यावर के अध्यक्ष गिरिराज जी, मंत्री महावीर जी भंडारी, वर्धमान कॉलेज के प्राचार्य आर.सी. लोढ़ा, विश्व हिंदू परिषद के प्रचारक डॉ. क्षमाशील गुप्त, नेत्र रोग विशेषज्ञा एवं जीतो लेडिज विंग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्वेता जी बरड़िया, आई.टी.आई. के प्रमुख तुलसाराम जी चौधरी, संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष, महत्तम महोत्सव संयोजक, समता युवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लेकर विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।
- आचार्य भगवन् के संयमी जीवन से प्रभावित होकर जैनेतर लक्ष्मणदास जी दरियानी (सिंधी) ने आजीवन कुव्यसनों का त्याग एवं शीलव्रत के प्रत्याख्यान लिए।

गुरुचरण विहार समाचार

स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थ की दिशा में आगे बढ़ें
- आचार्य भगवन्

कहीं शीतलहर, कहीं सुनामी लहर, लेकिन ब्यावर सहित पूरे देश में चल रही राम लहर

- **युगनिर्माता आचार्य श्री रामेश के मुखारविंद से ब्यावर में मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी की जैन भागवती दीक्षा एवं बड़ी दीक्षा सोल्लास संपन्न**
- **नवीन नामकरण में नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. घोषित**
- **ब्यावर में चातुर्मास जैसा ठाट**

के.डी. जैन स्कूल, समता भवन, नवरंग नगर, ब्यावर खास, गुर्जरों की ढाणी, ब्यावर।

एक नजर पा जाए जो भी, हो जाए कल्याण।
जिन नहीं पर जिन सरीखे, हैं मेरे गुरुवर राम।।

जन-जन को आत्मबोध देने वाले युगनिर्माता, युगपुरुष, साधना के शिखर पुरुष, रत्नत्रय के महान आराधक, उत्क्रांति प्रदाता, गुणशील संप्रेरक, ज्ञान व क्रिया के बेजोड़ संगम, नानेश पट्टधर, परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. आदि ठाणा ब्यावर व आसपास के क्षेत्रों में विहार कर जिनशासन की अद्भुत प्रभावना कर धर्म ध्वजा फहरा रहे हैं। ब्यावर में चातुर्मास जैसा ठाठ लग गया। प्रतिदिन एक अठाई एवं एक दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। आचार्य भगवन् के मुखारविंद से वीरबाला मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी सुपुत्री अशोक जी-ऊषा जी कोठारी (ब्यावर) की जैन भागवती दीक्षा एवं बड़ी दीक्षा (छेदोपस्थापनीय चारित्र) अत्यंत उल्लासमय वातावरण में संपन्न हुईं। महिला शिविर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. एवं साध्वी श्री विरल श्री जी म.सा. व साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा. ने धर्मबोध प्रदान किया। व्यसनमुक्ति के कार्यक्रम भी हुए।

भीलवाड़ा के उपनगरों में बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-4 एवं शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-5 अध्यात्म की अलख जगा रहे हैं। साध्वीवर्याएँ भी जिनशासन प्रभावना में निरंतर प्रयत्नशील हैं।

कथनी-करनी एकसमान होनी चाहिए

1 दिसंबर 2024, के.डी. जैन स्कूल, ब्यावर। आराध्यदेव आचार्य भगवन् का मंगलमय पर्दापण ब्यावर के के.डी. जैन स्कूल में जय-जयकारों के साथ अपार जनमेदिनी की उपस्थिति में हुआ। समता शाखा के अंतर्गत अपूर्व

उत्साह के साथ समता आराधना की गई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री गगन मुनि जी म.सा. ने '**अपने जीवन के जौहरी स्वयं ही बनें**' गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि जैसा अंदर वैसा ही बाहर होना चाहिए। कथनी-करनी एक समान होनी चाहिए। नहीं तो खुद अशांत रहेंगे और दूसरों को भी अशांत करेंगे। हम सुखी बनना चाहते हैं, पर वैसी क्रिया नहीं हो पा रही। मनपसंद चीजों का त्याग करें। सच्चा त्यागी वह हैं जो समस्त साधन होने के बावजूद उनका त्याग करता है। मेरेपन को हटाकर हम आत्मा की यात्रा करें। दु:खों से मुक्त होने के लिए अहंकार, मोह, आसक्ति को छोड़ें।

आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके मंगलपाठ फरमाया। आचार्य भगवन् के आगमन से पूरे ब्यावर में उत्साह का वातावरण है। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। आचार्य भगवन् के आगामी वर्ष 2025 के चातुर्मास हेतु लसानी संघ सहित अनेक संघों ने उत्साह के साथ गुरुचरणों में विनती प्रस्तुत की। दोपहर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने साधु (साधक) के दस गुणों की हृदयस्पर्शी व्याख्या करते हुए फरमाया कि साधक (1) गलती स्वीकार करने को तत्पर, (2) कठोर वचन नहीं कहने वाला, (3) आहार-पानी में हर तरह से एडजस्ट होने में क्षमतावान, (4) लंबे समय तक नाराज नहीं हो, (5) बिना पूछे प्रवृत्ति नहीं करने वाला, (6) दूसरों की इच्छानुसार अपनी भावना बदलने वाला, (7) सहायक प्रवृत्ति वाला, (8) रोग में सहिष्णुता व समभाव रखने की शक्ति से परिपूर्ण, (9) जिद्दी नहीं हो तथा (10) सेवाभावी हो।

आचार्य भगवन् का सायं पारसमल जी पंच के कार्यालय में जय-जयकारों के साथ पधारना हुआ।

युगनिर्माता आचार्य श्री रामेश का धर्मनगरी ब्यावर में ऐतिहासिक मंगल प्रवेश, श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा

''मोक्ष जाने का रिजर्वेशन संयम है'' - आचार्य श्री रामेश

ब्यावर की माटी हो गई चंदन, पधार गए हैं माँ गवरा के नंदन।

2 दिसंबर, 2024, समता भवन, ब्यावर। विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् आदि ठाणा का गगनभेदी जयघोषों के साथ पारसमल जी पंच के कार्यालय से समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, ब्यावर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। हजारों जनता पलक-पाँवड़े बिछाकर आराध्यदेव की अगवानी कर रही थी। जैन-जैनेतर जनसैलाब उमड़ पड़ा। '**नाना गुरु ने क्या दिया, राम दिया भई राम दिया**', '**संयम इनका सख्त है, तभी तो लाखों भक्त हैं**', '**राम गुरु विराट हैं, दीक्षाओं का ठाट है**', '**आज कल्पना हुई साकार, सबके मन में हर्ष अपार**' आदि नारे पूरे माहौल में गूँज रहे थे।

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए संयम सुमेरु आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''हमारा मन परमाणु की तरह होता है, जो इधर-उधर दौड़ता रहता है। यह मन स्थिर अवस्था में रहना चाहिए। मन को साधे बिना सिद्धि प्राप्त नहीं हो सकती। यात्रा करने के लिए रिजर्वेशन कराने की जरूरत होती है। इसी प्रकार मोक्ष जाने के रिजर्वेशन के लिए संयम जरूरी होता है। वो दिन धन्य होगा जब हमारा भी सोने का सूरज उगेगा। उसके लिए पाँचों इंद्रियों पर विजय प्राप्त करनी होगी। मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी का मन संयम में लग गया। मोह को हटाने से ही मोक्ष की प्राप्ति होती है।''

साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा. आदि साध्वी मंडल ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। ब्यावर संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि आज बड़े सौभाग्य से यह अनुपम अवसर मिला है। समता महिला मंडल ने '**आपने जीना सिखाया, मेहरबानी आपकी**' गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। पूरी सभा ने '**गुरु स्वस्थ रहें, अलमस्त रहें**' गीत

प्रस्तुत कर अपनी भक्ति भावना व्यक्त की। समता महिला मंडल ने विभिन्न प्रत्याख्यान लिए। अठाई की लड़ी प्रारंभ हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री आदि ने गुरुदेव के दर्शन लाभ लेकर आत्मशांति प्राप्त की।

मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी का केशर छँटाई, ओघा बँधाई कार्यक्रम गिब्सन हॉस्टल में **'संयम के भाव आज जगे, मेरे नाम के आगे राम लगे'** गीत की स्वरलहरियों की गूँज एवं मंगल गीतों व जय-जयकारों के साथ संपन्न हुआ। आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके समता भवन में मंगलपाठ प्रदान किया। देश के विभिन्न स्थानों के श्रद्धालु उपस्थित थे।

संयम के भाव आज जगे, मेरे नाम के आगे राम लगे

आचार्य श्री रामेश के मुखारविंद से इंजीनियर मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी की जैन भागवती दीक्षा संपन्न

नवीन नामकरण नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा.

''आत्मनियंत्रण ही संयम है'' – आचार्य श्री रामेश

3 दिसंबर, 2024। समता भवन में मंगलमय प्रार्थना में सभी प्रभुभक्ति में सराबोर हो गए। युगनिर्माता आचार्य श्री रामेश के मुखारविंद से 29 वर्षीय वीरबाला अध्यात्म-पथ साधिका **मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी** सुपुत्री अशोक जी-ऊषा जी कोठारी (ब्यावर) सांसारिक सुख-सुविधाएँ, मोबाइल, टीवी सहित सभी तकनीकी उपकरणों व सॉफ्टवेयर इंजीनियर के 32 लाख रुपए सालाना पैकेज को छोड़कर महान संयमी वीतराग पथ पर आगे बढ़ गई और सभी के लिए एक आदर्श बन गई। ब्यावर के गिब्सन हॉस्टल के विशाल प्रांगण में हजारों गुरुभक्तों की उपस्थिति में नवकार महामंत्र के जाप के साथ दीक्षा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। सभा में आचार्य भगवन् के सान्निध्य में 12 संत एवं शासन दीपिका साध्वी श्री रोशन कँवर जी म.सा. आदि ठाणा सहित चतुर्विध संघ की उपस्थिति में समवसरण-सा दृश्य परिलक्षित हो रहा था।

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए दया व करुणा के सागर आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''जो लक्ष्य तय कर लिया है उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। समझौतावादी नीति बहुत खतरनाक होती है। इसमें स्वार्थ भरा रहता है। हमें स्वार्थ से ऊपर उठकर परमार्थ की दिशा में आगे बढ़ना है। संसार में आधि-व्याधि, समाधि है। शारीरिक व मानसिक तथा आत्मिक रोग राग-द्वेष रूपी कषायों से घिरे हुए हैं। अपने जीवन की डोर अपने हाथ में हो। बिना नियंत्रण की गति सुरक्षित नहीं होती। आत्मनियंत्रण ही संयम है। निर्णय स्वयं का होता है कि किधर जाना है। सोच-समझकर कदम बढ़ाना है। यह निर्णय समाधि की ओर ले जाने वाला होता है। निर्णय लेने के बाद निरंतर चलते रहो, जब तक मंजिल प्राप्त न हो तब तक चलते रहो। बाधाओं से घबराना नहीं है। कठिनाई, परीषह पर विजय हमारी हिम्मत से होगी। निर्णय के साथ शक्ति जागृत हो जाती है। हर्षाली कोठारी ने अपना साहसिक निर्णय लिया। ये रिश्ते, नाते, संबंध अनेक बार हो चुके हैं। संसार के सारे लोगों से अनंत बार संबंध जुड़ चुका है। यह मनुष्य जीवन दुर्लभ है। इस मनुष्य जीवन से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। आसक्ति और मोह को हटाएँ। वीर पिता अशोक जी कोठारी एवं वीर मामा रिखब जी सोनी को नियम करवाया कि एक की दीक्षा की भावना बनी तो दूसरा पीछे नहीं रहेगा। धन्ना शालिभद्र की भूमिका अदा करेंगे।

हे प्रभु मेरी एक ही पुकार, मैं भी बन जाऊँ अणगार।
छोड़ के सारे पाप अठारह, मैं भी बन जाऊँ अणगार।।

सभा में जैसे ही इस गीत का संगान हुआ उपस्थित सभी गुरुभक्तों के मन में वैराग्य की भावना हिलोरे लेने लगीं। आचार्य भगवन् ने दोपहर 12:45 बजे दीक्षा विधि प्रारंभ की। पारिवारिकजनों, श्री अ.भा.सा. जैन संघ, ब्यावर संघ तथा उपस्थित सभी जनों ने अपने दोनों हाथ खड़े कर दीक्षा की स्वीकृति प्रदान कर अनुमोदना की। 12:53 बजे आचार्य भगवन् ने तीन बार '**करेमि भंते**' के पाठ से संपूर्ण पापकारी क्रियाओं का त्याग करवाकर मुमुक्षु बहन को नवकार मंत्र के पाँचवें पद पर आरूढ़ किया। नवीन नामकरण **नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा.** की घोषणा होते ही संपूर्ण सभा जय-जयकारों से गूँज उठी। पंडाल में '**राम गुरु विराट हैं, दीक्षाओं का ठाट है**' आदि नारे गूँज उठे।

शासन दीपिका साध्वी श्री रोशन कँवर जी म.सा. ने केशलुंचन का कार्य संपन्न किया। साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा., साध्वी श्री प्रशांत श्री जी म.सा., साध्वी श्री मनीषा श्री जी म.सा., साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा., साध्वी श्री चंद्रिका श्री जी म.सा., साध्वी श्री यतना श्री जी म.सा. आदि ने '**मेरा रोम-रोम गाए यह धुन, यह संयम**' गीत प्रस्तुत किया।

श्री गगन मुनि जी म.सा., श्री धीरज मुनि जी म.सा., श्री राजन मुनि जी म.सा. ने '**अहो संयम का पहना है बाना**' संयम गीत प्रस्तुत किया। समता महिला मंडल, ब्यावर ने '**कैसा है यह त्याग अहो!, कैसी है यह भक्ति कहो**' गीत प्रस्तुत किया। किरण जी कोठारी, कांकरोली ने आज 94 उपवास के दिन आचार्य भगवन् से 111 उपवास के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। जयवंता-जयवंता गीत से सभा गुंजायमान हो गई। आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके साधुमर्यादा में रखे जाने वाले आगारों सहित **7 फरवरी, 2025** को होने वाली दीक्षाएँ **नोखामंडी** के लिए उद्घोषित की। हर्ष-हर्ष, जय-जय की ध्वनि से सभा राममय हो गई।

श्री राजन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि अहिंसा, संयम, तप मोक्ष प्राप्त करने की सीढ़ी हैं। जैन धर्म के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। '**अहोध्यानम्, अहोध्यानम्**' प्रभुभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि सही समय में सही निर्णय लेना चाहिए, नहीं तो अवसर चूकने पर पछतावा रह जाता है। दीक्षा लेने का निर्णय महत्त्वपूर्ण निर्णय है। साधु न बन सकें तो एक अच्छा इनसान जरूर बनें।

साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा. ने फरमाया कि आचार्यश्री जी का विज़न है कि संसार की सभी भवी आत्माएँ सिद्धत्व को प्राप्त करें। महापुरुषों का विजन बहुत बड़ा है। शाश्वत सुख प्राप्त करने के लिए संयम की आवश्यकता होती है। आचार्यश्री की महिमा अपरंपार है।

श्री गगन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि संवेग और निर्वेग से सुख, शांति व समाधि की प्राप्ति होती है। संवेग अर्थात् मोक्ष की अभिलाषा, निर्वेग अर्थात् संसार की संलिप्तता से छूटने की इच्छा। संयमी जीवन जितना कठिन लगता है उतना कठिन नहीं है। गुरु का हाथ जब सिर पर होता है तब पैर भी पत्थर बन जाते हैं। रास्तों के नुकीले पत्थर बाधा उत्पन्न नहीं कर कर पाते।

श्री नीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि किसी भी कार्य में सिद्धि प्राप्त करने के लिए कुछ तत्त्वों की आवश्यकता है। लक्ष्य निर्धारित न हो तो सफलता नहीं मिलती। लक्ष्य निर्धारण के बाद समर्पण की भूमिका में निरंतरता हो तभी लक्ष्य की प्राप्ति हो पाएगी। आचार्यश्री जी ने एक सघन विचार किया, जिसकी परिणिति

आरुग्गबोहिलाभं के रूप में हुई। शिविर की अवधि तो सीमित होती है। लाभं की जीवनचर्या में कम-से-कम एक माह रहकर जीवन को आगे बढ़ाना है।

श्री अनंत मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि आज यहाँ समवसरण का ठाट लगा है। राम गुरु की शरण में आएँ और अपनी आत्मा का कल्याण करें।

साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा. ने फरमाया कि बहन हर्षाली ने गुरुवर का हाथ पकड़ा तो उनका जीवन धन्य हो गया। साध्वी श्री यतना श्री जी म.सा. ने **'वो पत्थर जो ठोकर खा रहा, नाथ मैं चरणों में तेरे आ रहा। साथ में लेकर मुझे आकार दो। हे प्रभो! आरुग्गबोहिलाभं दो'** संयम गीत फरमाया।

वीर मामा रिखबचंद जी सोनी (केकड़ी) ने कहा कि आज गुरुचरणों में, जिनशासन में कोठारी परिवार की लाडली समर्पित हुई है। संयम अनमोल रत्न है। इसे सिंह की तरह लेना और सिंह की तरह पालना। ब्यावर संघ भी दीक्षा आयोजन के लिए बधाई का पात्र है।

सभा का संयोजन करते हुए संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं महेश नाहटा ने आचार्य भगवन् के दिव्य गुणों से प्रेरणा लेने का निवेदन करते हुए दीक्षार्थी परिवार की सराहना की। जब तक दीक्षा न हो तब तक एक मिठाई के त्याग का प्रत्याख्यान कई भाई-बहनों ने लिया। जैनेतर टीनू खान (उदयपुर) ने आजीवन मांस खाने का त्याग किया।

समता महिला मंडल, ब्यावर ने प्रतिदिन 1 घंटा मौन का प्रत्याख्यान लिया। सवाई माधोपुर संघ ने चातुर्मास की विनती प्रस्तुत की। श्रीसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, युवा संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित देश के अनेक स्थानों से आगत धर्मप्रेमी श्रद्धालु भाई-बहन हजारों की संख्या में उपस्थित थे। सवा लाख नवकार मंत्र जाप का नियम वीर पिता शंकरलाल जी डूंगरवाल (चपलाना) ने लिया।

दीक्षा महोत्सव को सफल बनाने हेतु साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, समता बहू मंडल, समता युवा संघ, ब्यावर आदि का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। यह दीक्षा महोत्सव ब्यावर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया।

समयमात्र का प्रमाद न करें

4 दिसंबर, 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना में प्रभु एवं गुरुभक्ति का अद्भुत ठाट लगा। धर्मसभा को संबोधित करते हुए जगत् उद्धारक आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**साधु जीवन आत्मकल्याण के लिए होता है। आत्मानुभूति में जीएगा तभी उसका साधु जीवन सार्थक होगा। साधु जीवन में प्रमाद नहीं होना चाहिए। समय मात्र का भी प्रमाद न हो। जितनी हम सावधानी रखेंगे उतना अच्छा होगा। आज व्यक्ति संचय करने में लगा हुआ है। उसे एक न एक दिन सब कुछ छोड़कर जाना पड़ेगा। हमारी आसक्ति, लगाव साधु जीवन को स्वीकार नहीं करने देती। हमें आसक्ति छोड़कर एक-एक क्षण साधना में लगाकर आराधक बनना है। जिनेश्वर भगवान की वाणी अमृत है। सेवा धर्म सबसे बड़ा धर्म है। एक बार की शुद्ध आराधना भी मोक्ष पहुँचाने वाली बन सकती है। नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. ने दीक्षा ली है। अब मन, वचन, काया की पवित्रता के साथ साधना का ध्यान रखना चाहिए। मनुष्य जीवन बहुत अनमोल है। इसमें साधना का रसपान करना चाहिए।**''

श्री राजन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि महापुरुष ब्यावर पधार गए हैं। हमें इनसे कुछ-न-कुछ प्रेरणा लेकर धर्म मार्ग में कदम आगे बढ़ाना चाहिए। अनुकूल हो या प्रतिकूल, हम प्रत्येक स्थिति में संयम व समभाव का परिचय दें।

ब्यावर संघ के अध्यक्ष, मंत्री, उपाध्यक्ष ने बड़ी दीक्षा की विनती गुरुचरणों में रखी। एक विगय का त्याग समता महिला मंडल, ब्यावर ने लिया। सामूहिक एकासन में 150 एकासन संपन्न हुए। ब्यावर विधायक शंकर सिंह जी रावत, द क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन, ब्यावर के अध्यक्ष गिरिराज जी, मंत्री महावीर जी भंडारी एवं सदस्यों ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

5 दिसंबर, 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना '**मेरे प्यारे देव गुरुवर, श्री जिनधर्म महान**' के मधुर स्वरों से भोर की पावनता और बढ़ गई। तत्पश्चात् आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए शास्त्रज्ञ, तरुण तपस्वी आचार्य भगवन् ने उपस्थित अपार जनमेदिनी को भगवान महावीर की अमृतदेशना से पावन करते हुए अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि ''**धर्म को समझना, जानना और आचरण में लाना बहुत कठिन है। धर्म अलग है और धर्म की क्रिया अलग है। मिथ्यात्व अलग है, मिथ्यात्व की क्रिया अलग है। हम बहुत बार भ्राँति में जीते हैं। लोभ, लालच, प्रतिष्ठा, यश, कीर्ति, ये सब मनुष्य की बहुत बड़ी कमियाँ हैं और जैसे ही ये चीजें सामने आती हैं तो सांसारिक व्यक्ति का मन प्रलोभित हो जाता है तथा वह उधर झुकने को तत्पर रहता है। ऐसा कुछ भी लोभ व्यक्ति के सामने आता है तो वह मतिभ्रमित होने लगता है और उस मतिभ्रम में जो तरंगें उत्पन्न होती हैं, वे उसी भ्रम की दिशा में आगे बढ़ने वाली होती हैं। आत्मा के मूल स्वभाव से हम जितना भी हटते हैं उतना विकार पैदा होता है। क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष, ये सारे विकार हैं। इनमें जैसे ही हमारा प्रवेश होता है, हम धर्म से अलग हो जाते हैं। धर्म की पटरी पर चलते-चलते थोड़े से भी राग-द्वेष में चले गए, आकर्षण में चले गए तो वह आकर्षण गिराने वाला बन जाएगा। सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। एक जगह दृष्टि होनी चाहिए। कभी दूसरी ओर दृष्टि नहीं जानी चाहिए। धर्म में दृष्टि स्थिर होनी चाहिए। निंदा, प्रशंसा में हमें विचलित नहीं होना।**''

श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि गुरु के ज्ञान व साधना का कोई पार नहीं है। गुरु की आज्ञा की आराधना करें। साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा. आदि साध्वीवृंद ने '**धन्य है जिनवाणी गुरुवर**' गीत प्रस्तुत किया। समता महिला मंडल ने '**आपने जीवन सजाया, मेहरबानी आपकी**' गीत प्रस्तुत किया। संघ उपाध्यक्ष व उपस्थित सभा ने '**गुरु स्वस्थ रहें, अलमस्त रहें**' गीत प्रस्तुत किया।

महत्तम दैनिक उपासना के अंतर्गत 9 फरवरी 2025 तक 9 नवकार, 9 लोगस्स, 9 णमोत्थु णं के साथ 9 बार गुरु वंदना के नियम कई भाई-बहनों ने लिए। सभा में मुमुक्षु बहन करिश्मा जी लूणिया व परिजन आदि उपस्थित थे। व्यसनमुक्ति के संकल्प हुए। दोपहर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि प्रतिदिन 15 मिनट आत्मसाधना के लिए निकालने चाहिए, जिनमें 5 मिनट जाप, 5 मिनट अनुप्रेक्षा तथा 5 मिनट समीक्षण करना चाहिए।

जीतो ब्यावर के पदाधिकारियों ने आचार्य भगवन् के दर्शन का लाभ लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया। आचार्य भगवन् ने फरमाया कि ''**9 अप्रैल को जीतो द्वारा नवकार दिवस मनाया जा रहा है, जो कि पूरे जैन समाज का है। अपनी आत्मा के लिए भी काम करना है और काम करते हुए संतुष्टि होनी चाहिए। यश, मान, प्रतिष्ठा से हटकर अपनी शांति, प्रसन्नता के लिए काम करना है। एक मुखिया, सौ सुखिया; सौ मुखिया, सब दुखिया।**''

सम्यक् दृष्टि को सुरक्षित रखें

6 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना के पश्चात् आयोजित प्रवचन सभा में गुरुभक्तों का अपार समूह उपस्थित था। प्रवचन स्थल के उच्च पाट पर विराजित प्रशांतमना आचार्य भगवन् ने आगमों का

सार बताते हुए अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**सम, संवेग, निर्वेद, अनुकंपा, आस्था आदि भक्ति के लिए आवश्यक तत्त्व हैं। आस्था का अर्थ क्या है? आस्था का अर्थ श्रद्धा भी है, समर्पण भी है और आस्था का अर्थ आस्तिकता भी है। आस्तिकता का आभास होना चाहिए। संवेदनशीलता जीव का लक्षण है। हम अपनी सम्यक् दृष्टि, आस्था को सुरक्षित रखें। नौ तत्त्वों में पहला तत्त्व जीव तत्त्व नित्य है, चेतना शील है और परिणामी है। जो हमेशा था, है और रहेगा। जीव कभी अजीव नहीं होगा। तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के समय जो जीव थे वे आज भी हैं, न कम, न ज्यादा।**''

श्री राजन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि भगवान की वाणी सबको तिराने वाली है। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने त्याग-पच्चक्खाण से जुड़ने की अपील की। दिनभर में 11 आइटम ग्रहण करने का नियम कई भाई-बहनों ने लिया। शासन दीपिका साध्वी श्री पावन श्री जी म.सा., साध्वी श्री सुप्रतिभा श्री जी म.सा., साध्वी श्री वरण श्री जी म.सा. आदि साध्वी मंडल का गुरुचरणों में पधारना हुआ।

ऊपर से नमक नहीं लेने का प्रत्याख्यान समता महिला मंडल एवं अन्य लोगों ने लिया। सुभाष देवी सोनावत धर्मसहायिका देवेंद्र जी सोनावत (बीकानेर) के निधन पर परिजनों ने गुरुचरणों में उपस्थित होकर आध्यात्मिक शांति व संदेश प्राप्त किया। 15 मिनट स्वाध्याय करने का नियम कई भाई-बहनों ने लिया। दोपहर में दृढ़धर्मी, प्रियधर्मी शिविर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने मार्गदर्शन देते हुए फरमाया कि एक श्रावक में 3 गुण तो अवश्य ही होने चाहिए- (1) हितचिंतक, (2) संवादहीनता नहीं तथा (3) स्वयं को हीन नहीं समझना। '**माता-पिता के साथ संबंध किस प्रकार के होने चाहिए**' विषय पर विस्तार से समझाया।

कर्मों का बंधन योग और कषाय से होता है

7 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना में प्रभु एवं गुरु गुणानुवाद किया गया। प्रवचन सभा में चतुर्विध संघ की उपस्थिति इसकी शोभा को द्विगुणित कर रही थी। जन-जन को धर्म का गूढ़ रहस्य बताते हुए परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**एक तरफ धन है, दूसरी तरफ जीवन है। किसको बचाना ठीक है? बिना धन के जीवन कैसे जीएँगे? जीवन नहीं रहा तो धन किस काम का? जीवन है तो बहार है। जीवन है तो धन उपयोगी है, नहीं तो धन उपयोगी नहीं है। समकित और संयम पहले किसे बचाएँगे? समकित रहेगा तो संयम आएगा। आज नहीं तो कल आएगा। समकित नहीं रहा तो संयम किस काम का? जीव शाश्वत है। जीव मरने वाला नहीं, अजर-अमर है। अगर ये भाव रहे तो हम मृत्यु के भय पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। आत्मा शाश्वत है, मरने वाली नहीं। यह विश्वास जितना गहरा होगा, उतना ही हम मृत्यु पर विजय प्राप्त करने वाले होंगे। उस समय हमारे भीतर एक लहर चलेगी कि 'लाखों वर्षों तक जीऊँ या मृत्यु आज ही आ जाए'। न जीने की आकांक्षा है, न मरने की। लाख प्रयत्न करने पर भी शरीर रुकने वाला नहीं है। जीव आठ कर्मों का कर्ता है और विकर्ता है। अच्छे कर्मों का कर्ता भी जीव है और बुरे कर्मों का कर्ता भी जीव है। कर्म बाँधने वाला जीव स्वयं है। दूसरा कोई कर्म नहीं बाँधता। कर्मों का बंध योग और कषाय से होता है।**''

श्री राजन मुनि जी म.सा. ने '**लाखों को पार लगाया है भगवान तुम्हारी वाणी ने**' गीत प्रस्तुत करते हुए क्रोध, मान, माया, लोभ, कषाय से बचने की प्रेरणा दी। श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि हमें अच्छे योग से अच्छे गुरु मिले हैं। गुरुवर के सान्निध्य में हम अपने जीवन को आगे बढ़ाएँ। आज संवर दिवस है। सभी अधिक से अधिक संवर करने का लक्ष्य रखें।

आचार्य भगवन् से प्रभावित होकर लक्ष्मणदास जी दरियानी (सिंधी) ने आजीवन सभी तरह के कुव्यसनों का त्याग और आजीवन शीलव्रत का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। विभिन्न त्याग प्रत्याख्यान हुए। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। शांत क्रांत संघ की साध्वी श्री पुष्पावती जी म.सा. आदि ठाणा-4 ने गुरुदर्शन कर अनेक विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। शिविर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि साधु-साध्वी की पर्युपासना करते समय उन्हें अधिक साता पहुँचे, ऐसी भावना रखना।

सम्यग्दर्शन ज्ञान चारित्राणि मोक्षमार्गः

8 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: रविवारीय समता शाखा में समता आराधना करने हेतु जनसैलाब उमड़ पड़ा। आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त इस विशेष आयाम से हर कोई अपना जीवन धन्य बनाने हेतु आतुर था। समता शाखा पश्चात् आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए उत्क्रांति प्रदाता आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''**सम्यक्त्व को स्थिर रखना है तो उसके लिए उपाय बताए गए हैं। पहला उपाय- जीव है, चेतना लक्षणयुक्त है, दूसरा- जीव नित्य है, शाश्वत है, तीसरा- जीव आठ कर्मों का बंध करता है, चौथा- जीव आठों कर्मों को नष्ट करने वाला है। इस प्रकार की आस्था-श्रद्धा हमारे सम्यक्त्व को स्थिर बनाने वाली बनती है। कर्मबंधन के पाँच हेतु- मिथ्यात्व, अव्रत, प्रमाद, कषाय व योग हैं। मूल में दो भेद- राग और द्वेष हैं। कर्मों के बीज राग-द्वेष हैं। राग-द्वेष जब तक बने रहेंगे तब तक कर्मों का बंध होता रहेगा। सिद्ध भगवान राग-द्वेष रहित हैं। उनके कर्मों का बंध नहीं होता। जहाँ मिथ्यात्व होता है, वहाँ अव्रत, प्रमाद, कषाय, योग की नियमा होती है। मिथ्यात्व दशा अर्थात् विपरीत सोच यानी जीव को अजीव मानना, अजीव को जीव मानना, मोक्ष के मार्ग को संसार का मार्ग मानना। सम्यग्दर्शन ज्ञान चारित्राणि मोक्षमार्गः। राग-द्वेष मोक्ष का मार्ग नहीं हैं। सही समझ के बिना गति सही दिशा में नहीं हो पाएगी। हमारा श्रद्धान पक्का होना चाहिए।**''

आचार्य भगवन् के आह्वान पर कई भाई-बहनों ने स्वाध्यायी सेवा देने का संकल्प लिया। श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. ने आचार्य भगवन् के सान्निध्य का अधिक से अधिक लाभ उठाने की विशेष प्रेरणा दी।

तपस्विनी हेमलता जी धर्मसहायिका प्रदीप जी बाँठिया (नोखामंडी) ने 165 उपवास का प्रत्याख्यान लेकर अपूर्व आत्मबल का परिचय दिया। संपूर्ण सभा ने '**अनुमोदना-अनुमोदना**' गीत का संगान किया। करीमगंज प्रवासी नोखा निवासी ज्ञानी देवी भूरा 24वें वर्षीतप के साथ आगे बढ़ रही हैं। समता महिला मंडल व अन्य कई जनों ने भ्रूणहत्या न करने, न करवाने और न ही अनुमोदना देने का संकल्प लिया। वर्धमान कॉलेज के प्राचार्य श्री आर.सी. लोढ़ा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद् के प्रचारक डॉ. क्षमाशील गुप्त, नेत्र रोग विशेषज्ञ व जीतो लेडिज विंग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. श्वेता जी बरड़िया, आई.टी.आई. के प्रमुख तुलसाराम जी चौधरी ने गुरुदर्शन का लाभ लिया। परम गुरुभक्त नरेंद्र जी गांग (नीमच) के निधन पर परिजनों ने गुरुचरणों में उपस्थित होकर आध्यात्मिक शांति व संदेश प्राप्त किया।

एक अलग कार्यक्रम में तपस्विनी हेमलता जी बाँठिया (नोखामंडी) तथा ज्ञानी देवी भूरा (करीमगंज) का श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता महिला मंडल, समता बहू मंडल, समता युवा संघ, ब्यावर सहित कई संस्थाओं ने आत्मिक स्वागत व अभिनंदन किया। शिविर में श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने जागरूक श्रावक, प्रभावक श्रावक, गंभीर श्रावक, अम्मा-पिया श्रावक, आत्मार्थी श्रावक, तत्त्वज्ञ क्रियावान श्रावक का विस्तार से वर्णन किया।

समाज में हर सदस्य का महत्व है

9 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना **'म्हारे नैणां में आओ बस जाओ महावीर'** की मधुर ध्वनि आत्मविभोर करने वाली थी। प्रार्थना पश्चात् आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री राजन मुनि जी म.सा. ने **'लाखों को पार लगाया है भगवान तुम्हारी वाणी ने'** गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि भगवान की वाणी ने लाखों लोगों को इस संसार से पार लगाया है। भगवान के वचन बड़े महत्त्वपूर्ण होते हैं। रिजल्ट चाहते हो तो अपने तरीके से काम करना होगा। कार्यशैली रिजल्ट के तरीके से होनी चाहिए। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता। बुरे से बुरे व्यक्ति में कुछ-न-कुछ गुण अवश्य होते हैं। समाजवाद, सौम्यवाद में व्यक्ति जोड़ने में लगा रहता है। महापुरुष सभी को पहचान जाते हैं कि उनके भीतर क्या छिपा है। समाज को भव्य बनाने के लिए हर सदस्य का महत्त्व होता है। हर सदस्य अपने-अपने कार्यों को सफल बनाता है। नवकार महामंत्र की महिमा अपरंपार है। नवकार महामंत्र का स्मरण करने से तन-मन के रोगों से मुक्ति मिल जाती है।

आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके मंगलपाठ प्रदान किया। श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि तीन शब्द- स्टार्ट, एंड व चैंज हमें सतत जागरूक बनाए रखते हैं। इनसे हम सब कुछ नियंत्रित कर सकते हैं। एक घंटा मौन रहने एवं जीवन में किसी भी परिस्थिति में आत्महत्या नहीं करने का संकल्प सभी भाई-बहनों ने लिया। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। दोपहर में आचार्य भगवन् के पावन सान्निध्य में आगम वाचनी, ज्ञानचर्चा, जिज्ञासा-समाधान आदि कार्यक्रम हुए।

तुम जैसा कर्म करोगे, वैसा फल मिलेगा

10 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। भोर की पावनता में प्रभु एवं गुरु स्मरण रूप प्रार्थना **'श्री राम गुरु गुण गाता है'** के गान से जन-जन आत्मतृप्त हो गया। प्रवचन स्थल पर आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यसनमुक्ति प्रणेता आचार्य भगवन् ने अपनी तेजोमय ओजस्वी वाणी में फरमाया कि ''जहाँ समस्या है, वहाँ समाधान भी है। सम्यक्त्व को स्थिर रखने के लिए 6 बोल बताए गए हैं। कर्मों का बंध करने वाला जीव है। यह समस्या है। जीव, कर्मों का बंध राग-द्वेष के परिणामों से करता है। जितने भी भवी जीव हैं, वे कर्मों को क्षय करके मोक्ष जाएँगे, यह समाधान है। अनादिकाल से हमारे कर्मों का बंध हो रहा है। एक क्षण भी कर्मों का बंध नहीं रुकता। सम्यक् दृष्टि जीव विचार करता है कि संसार में कर्मों का बंध होता है और कर्मों का क्षय भी होता है। सम्यक् दृष्टि जीव को अपना पुरुषार्थ जगाना चाहिए कि मैं संसार के दुःखों से कैसे मुक्त हो सकता हूँ। मोक्ष जाने के चार उपाय बताए गए हैं- ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप। धन कमाना एक बात है और उसमें आसक्त होना दूसरी बात है। श्रावक का हाथ देने वाला होना चाहिए। श्रावक के लिए माँगकर खाना निषेध है। श्रावक का हाथ दाता के रूप में होता है। मैं और मेरा परिवार भी भूखा न रहे और अतिथि भी मेरे घर से भूखा न जाए। जिसमें सबको साथ में लेकर चलने की क्षमता होती है, वह नारी कहलाती है। झंझट वाली नारी एक घर में दो चूल्हे कर देती है। आप जिसको घर पर लाते हो, उसे आत्मीय प्रेम देते हो तो आपको भी आत्मीय भाव मिलेगा। हमारा व्यवहार दर्पण है। तुम जैसा करोगे, वैसा ही फल मिलेगा। धर्म आराधना करोगे तो इस भव में भी सुखी बन जाओगे और आगे के भवों में भी सुखी बनते चले जाओगे।''

श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि मनुष्य जीवन दुर्लभ है। कोई हमारे साथ जाने वाला नहीं। कर्मों को बाँधे नहीं। धर्म की आराधना करें। पूज्य आचार्य भगवन् के पधारने से जो धर्म का उत्साह यहाँ बना है उसे आगे भी

बरकरार रखें। शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणा श्री जी म.सा., श्री विरल श्री जी म.सा. आदि साध्वीवर्याओं ने '**अरिहंत जैसे गुरु को पाकर खिल गए भाग्य हमारे**' गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। कई युवा भाई-बहनों ने माता-पिता, सास-ससुर से कभी अलग नहीं होने का संकल्प लिया। समता महिला मंडल ने '**किसी के हृदय को ठेस पहुँचे**' ऐसे वाक्य का उच्चारण नहीं करने का संकल्प लिया।

धर्मपरायणा लीला देवी धर्मपत्नी अभय जी मुर्ड़िया (निम्बाहेड़ा) के निधन पर परिजनों ने गुरुचरणों में आध्यात्मिक शांति व संदेश प्राप्त किया। माता-पिता को बिना प्रणाम किए मुँह में पानी नहीं डालने का संकल्प उपस्थित कई भाई-बहनों ने लिया। दोपहर में साध्वी श्री विरल श्री जी म.सा. ने बहनों को विशेष मार्गदर्शन दिया।

तपागच्छ संप्रदाय के श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वर जी म.सा. का आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. से समता भवन में आध्यात्मिक मिलन हुआ। विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दोपहर में साध्वी श्री विरल श्री जी म.सा. ने बड़े ही सुंदर तरीके से '**33 बोल का थोकड़ा**' शिविर के माध्यम से बोध दिया।

पहले ज्ञान करो, फिर आचरण

11 दिसंबर 2024, समता भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना में '**हे प्रभु पंच परमेष्ठी दयाला**' गीत उच्चारित किया गया। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मानवता के मसीहा आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि ''**ज्ञान की आशातना नहीं करनी चाहिए। धर्म के नाम पर उन्माद पैदा नहीं होना चाहिए। जब धर्म के नाम पर उन्माद पैदा होता है तो दुष्परिणाम होता है। धर्म की रक्षा करना हमारा कर्तव्य जरूर है, किंतु हमें उन्माद में नहीं पड़ना। हमारे भीतर अवज्ञा का भाव पैदा नहीं होने देना। प्राणिमात्र के प्रति मैत्रीभाव की भावना होनी चाहिए। कोई भी प्राणी चाहे एकेंद्रिय हो या पंचेंद्रिय, सबके प्रति मैत्रीभाव होना चाहिए। ज्ञान की आराधना के लिए सतत ऐसा लक्ष्य होना चाहिए कि प्रतिदिन कोई-न-कोई बोल मैं पढ़ूँ, कंठस्थ करूँ और अपने जीवन में उतारूँ। तीर्थंकर नाम कर्म के 20 बोल बताए गए हैं, नए-नए ज्ञान का उपार्जन करना, सीखना, उसमें ज्ञान के प्रति भक्ति प्राप्त होती है। जब ज्ञान के प्रति हमारा सम्मान-बहुमान भाव पैदा होगा तो ज्ञानी के प्रति भी हमारा सम्मान-बहुमान भाव पैदा होगा और प्रत्येक प्राणी किसी-न-किसी ज्ञान से समन्वित है। ज्ञान की आँख अंदर की ओर देखने वाली होती है। ज्ञान की आराधना होगी तो दर्शन की आराधना होगी। पहले ज्ञान करो, फिर आचरण होना चाहिए।**''

श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि हमारा उद्देश्य सही होना चाहिए। इससे शांति और समाधि की प्राप्ति होगी। महापुरुषों के सान्निध्य को पाकर इस असार संसार से सार निकालने का पुरुषार्थ करें।

मौनी एकादशी के पर्व पर कई भाई-बहनों ने 24 घंटे व कइयों ने एक घंटे मौन रहने का प्रत्याख्यान लिया।

दोपहर में आचार्य भगवन् के सान्निध्य में आगम वाचनी, ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि हुए। अरिहंतमार्गी संघ की साध्वी श्री ललिता श्री जी म.सा., साध्वी श्री अनुपम श्री जी म.सा., साध्वी श्री शुभा श्री जी म.सा. ने गुरुदर्शन कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया। अजमेर के भाजपा देहात अध्यक्ष व ब्यावर के पूर्व विधायक देवीशंकर जी भूतड़ा, आशापुरा मंडल भाजपा के अध्यक्ष जीतू जी कावड़िया, डॉ. एस.के. शर्मा, पत्रकार सिद्धार्थ जैन, डॉ. रूपेंद्र पारीक आदि ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लेकर विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। परम गुरुभक्त रफीक भाई (पिपलियाकलां) ने गुरुदर्शन का लाभ लिया।

साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा. ने शिविर में विशेष मार्गदर्शन दिया।

बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर ने भीलवाड़ा में फरमाया कि ''**गुरु आँखों को बाँधने वाले होते हैं। आँखें बँधती हैं तो जीवन बनता है और आँखें नहीं बँधती तो जीवन बिखरता है। आँखे रस्सी लेकर नहीं बाँधी जाती बल्कि आँखें बाँधने का अर्थ है कि आँखों के सामने ऐसा पदार्थ आ जाए जिससे आँखें विचलित न हों। चक्षुबंध जितना मजबूत होता है जीवन उतना ही गतिशील होता है।**''

हृदय कमल पर शोभते, राम गुरु अभिराम।
आलोकित कण-कण बना, वंदन हो अविराम।।

नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. की बड़ी दीक्षा संपन्न

यही मंजिल, यही है वाक्ता।
राम शासन का गौरव बढ़ाना सदा।।

12 दिसंबर, 2024, बिरद भवन, ब्यावर। प्रात: मंगलमय प्रार्थना '**जय गुरु राम री बोलो सा**' श्री हैमगिरि मुनि जी म.सा. ने करवाई। प्रार्थना के तुरंत पश्चात् जैसे ही आराध्यदेव आचार्य भगवन् का प्रवचन स्थल पर पधारना हुआ, अपार जनसमुदाय ने '**पधारजे घणी खम्मा..., तिरण-तारण रे जहाज ने घणी खम्मा..., छह काय के प्रतिपाल ने घणी खम्मा...**' के जयनादों से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो गया। श्री नीरज मुनि जी म.सा. ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप करवाया।

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यवाणी में फरमाया कि ''मान-सम्मान की अभिलाषा व्यक्ति को फिसलाने वाली होती है। पानी मिट्टी में मिल जाए और कीचड़ हो जाए तो वह कीचड़ फिसलाने वाला होता है। वैसे ही यह प्रशंसा कीचड़ के समान होती है। मनुष्य जन्म ही ऐसा जन्म है जहाँ पर संयम रत्न को प्राप्त करना सुलभ है। आपके ब्यावर में जन्मी हर्षाली जी कोठारी ने 3 दिसंबर को संयम जीवन अंगीकार किया। प्रथम और अंतिम तीर्थंकर के समय की व्यवस्था रही है कि पहले सामायिक चारित्र दिया जाता है और उसके बाद छेदोपस्थापनीय चारित्र में उनको उपस्थित किया जाता। 22 तीर्थंकरों के समय एकमात्र सामायिक चारित्र हुआ करता था। क्योंकि उनको प्रतिक्रमण करने की अनिवार्यता नहीं थी। जब दोष लगता था तो '**मिच्छा मि दुक्कडं**' दे दिया जाता। प्रथम व अंतिम तीर्थंकर के समय तो उभयकाल (सुबह-शाम) विधि सहित प्रतिक्रमण करना होता है। इसलिए सामायिक चारित्र के बाद जब तक आवश्यक सूत्र की तैयारी न हो जाए, छह जीवकाय का ज्ञान न हो जाए, तब तक उसको छेदोपस्थापनीय चारित्र में उपस्थित नहीं किया जाता है। सामान्यतया 8 दिनों में बड़ी दीक्षा प्रदान करना माना गया है। दशवैकालिक सूत्र के चार अध्ययन के संबंध से छेदोपस्थापनीय चारित्र का प्रसंग उपस्थित किया गया है। प्रथम अध्ययन में भगवान ने भिक्षाचर्या का बोध कराया है। साधु भ्रमर के समान विभिन्न घरों से थोड़ी-थोड़ी भिक्षा ग्रहण करे। दूसरे अध्ययन में आने वाले परीषहों से घबराकर मन को कभी भी विचलित न करने की बात कही गई है। तीसरे अध्ययन में देखा-देखी नहीं करने की बात कही गई है। 52 अनाचार का वर्णन किया गया है, जिनका त्याग करना चाहिए। चौथे अध्ययन में जीवों के भेद बताए गए हैं। जैसी पीड़ा हमें होती है, वैसी ही पीड़ा अन्य को भी होती हैं। फिर पाँच महाव्रतों का पच्चक्खाण करवाया जाता है। यतना वाला साधु संसार से पार हो जाता है। इन्हें लक्ष्य बनाना है। संयम जीवन को आगे बढ़ाना है और संयम की सुरक्षा करनी है। संयम जीवन में सरलता, सहजता, कोमलता बनी रहे तो हम संयम को सुरक्षित रख पाएँगे।''

आचार्य भगवन् ने बड़ी दीक्षा की विधि प्रात: 8:05 पर प्रारंभ करते हुए श्रीमद् दशवैकालिक सूत्र के चार अध्ययन का पठन कर नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. को तीन करण, तीन योग से संपूर्ण हिंसा, झूठ, चोरी, मैथुन व परिग्रह का आजीवन त्याग करवाकर शुद्ध अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह के महाव्रतों में प्रतिज्ञाबद्ध किया। बड़ी दीक्षा विधि संपन्न होने के पश्चात् पूरी धर्मसभा हर्ष-हर्ष, जय-जय के घोष से गुंजायमान हो गई।

शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणा श्री जी म.सा., साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा., साध्वी श्री सुप्रतिभा श्री जी म.सा., साध्वी श्री प्रेक्षा श्री जी म.सा., साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा., साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा. आदि साध्वी मंडल ने '**संयम की महिमा क्या है, जीकर दिखा देना**' संयम गीत प्रस्तुत किया।

नवदीक्षिता साध्वी श्री रामहर्षा श्री जी म.सा. ने संकल्प-पत्र का वाचन करते हुए अपने भावोद्गार में फरमाया कि हे भगवन्! आपने मुझे संसार रूपी कीचड़ से बाहर निकालकर संयम रत्न प्रदान करके असीम उपकार किया है। आपकी आज्ञा व निर्देश का पूर्ण रूप से पालन और पाँच समिति, तीन गुप्ति की पालना ही मेरा लक्ष्य रहेगा। वैयावच्च-सेवा करने के लिए मैं सदैव तत्पर रहूँगी। शुद्ध संयम का पालन कर शीघ्रातिशीघ्र परम लक्ष्य को प्राप्त करने को सचेत रहूँगी।

ब्यावर संघ अध्यक्ष ने क्षमायाचना करते हुए शेखेकाल विराजने की विनती की। अनेक वक्ताओं ने गद्य-पद्य में भावाभिव्यक्ति दी। महेश नाहटा ने आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं दीक्षार्थी परिवार से प्रेरणा लेने की अपील की। दीक्षा में अंतराय नहीं देने के पच्चक्खाण अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने ग्रहण किए। समता महिला मंडल की अनेक श्राविकाओं ने किसी की निंदा नहीं करने और निंदा नहीं सुनने का व्रत ग्रहण किया। अन्य कई त्याग-प्रत्याख्यान हुए। बड़ी दीक्षा के अवसर पर देश के अनेक स्थानों से श्रद्धालु उपस्थित हुए।

'**वीतरागता की ओर बढ़ रहे यह चरण**' स्वरलहरी पूरे वातावरण में गूँज रही थी। आचार्य भगवन् का बड़ी दीक्षा के पश्चात् ब्यावर से विहार हुआ। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने '**जाते-जाते भूल न जाना, लौट कर ब्यावर जल्दी आना**', '**संयम इनका सख्त है, तभी तो लाखों भक्त हैं**' आदि जयनादों के साथ ब्यावरवासियों ने नम आँखों से आचार्य भगवन् को पुनरागमन हेतु विदाई दी। आचार्य भगवन् का दिलीप जी सुनीता जी डांगी के निवास पर मंगल पदार्पण हुआ। आचार्य भगवन् ने असीम अनुकंपा करके मंगलपाठ प्रदान किया।

भीलवाड़ा में बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर ने फरमाया कि "**गुरु, तीर्थंकरों के स्वरूप और उनके मार्ग को बताने वाले होते हैं। हम तीन तत्त्वों के बारे में सुना है – देव, गुरु धर्म। देव, गुरु और धर्म ही ज्ञान कराते हैं। गुरु वह महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं, जो देव और धर्म को हमारे भीतर स्थापित करते हैं।**"

श्रेष्ठ चरण गुरु के चरण

13 दिसंबर, 2024, सोहन विश्रामगृह, पुरानी ब्यावर (ब्यावर खास)। विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् आदि ठाणा-4 का प्रात:काल दिलीप जी डांगी के निवास से विहार कर देवनारायण गौशाला के पास सोहन विश्रामगृह में जय-जयकारों के साथ मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश पश्चात् आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री गगन मुनि जी म.सा. ने फरमाया कि आत्मा के चार दोष हैं- क्रोध, मान, माया और मोह। इनके कारण आत्मा मलिन होती है और इन चारों के हटने से आत्मा पवित्र हो जाती है। मन के विपरीत कोई बात हो जाए तो हमें गुस्सा आ जाता है।

इस पर नियंत्रण जरूरी है। धन-संपत्ति, ज्ञान, तप, बल, रूप का अहंकार व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है। माया, छल, कपट, ये सब कथनी-करनी में अंतर को दर्शाते हैं। छिपाने की प्रवृत्ति माया है। सरलता व सहजता से ही धर्म टिकता है। लोभ, आसक्ति, संग्रह से इच्छाओं का अंत नहीं होता। जीवन में शांति, समाधि चाहिए तो क्रोध, मान, माया को छोड़ना होगा, तभी सुखी बन पाएँगे। श्रेष्ठ चरण गुरु के चरण होते हैं। ऐसे महान गुरु राम के चरणों को पाकर अगर हम आत्मा का कल्याण नहीं कर पाए तो फिर कब कर पाएँगे?

स्थानीय श्रावक ने आचार्य भगवन् के आगमन को अनंत पुण्यवानी का उदय बताया।

बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर ने भीलवाड़ा नगरी में फरमाया कि **''गुरु विकास के प्रतीक हैं। प्रकाश का तात्पर्य है 1 के 2, 2 के 4 और 4 के 8 बनाने वाले यानी गुणों को द्विगुणित करने वाले। व्यक्ति की इच्छा, आशा, तमन्ना रहती है। जिसका मन सच्चे विकास में रहता है, उसके विकास का आधार संसार की सुख-सुविधा, भौतिक उपलब्धियों में नहीं लगता।''**

जब भी हो गुरुदेव के दर्शन, समझो तीरथ हो गया

14 दिसंबर 2024। गुर्जरों की ढाणी में मदनलाल जी जाँगिड़ के निवास स्थान पर आचार्य भगवन् का जय-जयकारों के साथ पधारना हुआ। महिला मंडल व श्रावक वर्ग ने भजनों के माध्यम से अपने भाव प्रस्तुत किए।

बहुश्रुत, वाचनाचार्य, श्रद्धेय उपाध्याय प्रवर ने भीलवाड़ा के भक्तों को गुरु व धर्म का मर्म समझाते हुए फरमाया कि **''गुरु भगवंतों का जीवन हमारी साधना का मार्ग बनता है। श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र में कहा गया है कि महापुरुष जो आचरण करते हैं, उसके अनुसार आचरण करने वाला गर्हा को प्राप्त नहीं होता। महापुरुषत्व कलाओं के पोषण का परिणाम नहीं, सुनिश्चित ही आत्मस्थ साधना का परिणाम है।''**

समभाव की साधना श्रेष्ठ साधना

15 दिसंबर 2024। बाबरा जैन स्थानक में दया-करुणा के सागर आचार्य भगवन् आदि ठाणा-4 का **'त्रिशला नंदन वीर की, जय बोलो महावीर की'**, **'जय-जयकार, जय-जयकार, राम गुरु की जय-जयकार'**, **'संयम इनका सख्त है, तभी तो लाखों भक्त हैं'** आदि जयघोषों के साथ मंगल प्रवेश हुआ। जैन-जैनेतर सभी ने अगवानी की। यहाँ आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्री गगन मुनि जी म.सा. ने **'शासन मिला प्रभु का सौभाग्य है हमारा'** गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि राग-द्वेष के कारण दु:ख-दर्द की प्राप्ति होती है। द्वेष से ज्यादा खतरनाक राग है। संसार में सच्चा सुख नहीं है। सच्चा सुख, परम सुख मोक्ष व अध्यात्म में है। मोक्ष जाने के पहले इस संसार में हम जहाँ हैं, वहाँ सुख समाधि में रहें और प्रेम व शांति से रहना सीख जाएँ। जहाँ भाई-भाई, देवरानी-जेठानी एक साथ प्रेम से रहें, वहीं स्वर्ग और मोक्ष है। समभाव की साधना श्रेष्ठ साधना है। श्रेष्ठ मानव जीवन को पाकर राग-द्वेष का बीज बोते रहे, दूसरों के दोष और दुर्गुणों को देखते रहे तो चौरासी के चक्कर में गोता लगाते रहेंगे। महान गुरु के सान्निध्य को पाकर हम जीवन में बदलाव लाएँ।

श्री धीरज मुनि जी म.सा. ने **'आया कहाँ से, कहाँ है जाना'** गीत प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि जीवन में ज्ञान, जाप और ध्यान, इन तीनों पर जितनी रुचि बढ़ेगी उतने ही हम सुखी बनेंगे। चाहे साधु हो या श्रावक, संतोष में ही परम शांति है। अच्छा कार्य करके अपनी प्रशंसा नहीं करें।

आचार्य भगवन् ने असीम कृपा करके मंगलपाठ प्रदान किया। पूरी सभा ने **'जिनशासन के वीरों को वंदन है'** गीत प्रस्तुत किया। व्यसनमुक्ति के प्रत्याख्यान ग्रामीण भाइयों ने लिए। अनेक जनों ने वर्ष में 12 एकासन, 12 आयंबिल करने के प्रत्याख्यान लिए। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष, महत्तम महोत्सव संयोजक, समता युवा संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदि ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया। बाबरा वाले वीर खींचा परिवार, खेतपालिया परिवार व खिंवसरा परिवार तथा सोनी, सेन, कुम्हार आदि अनेक समाज व वर्ग के लोगों ने सेवा लाभ लिया। कड़ाके की ठंड तथा रास्ते के परीषहों को सहते हुए महापुरुषों द्वारा निरंतर विहार कर धर्म प्रभावना की जा रही है।

तपस्या सूची

संत-सती वर्ग

श्री इभ्य मुनि जी म.सा. – 10वीं अठाई (भीलवाड़ा में)

श्री हैमगिरि मुनि जी म.सा. – तेला

श्रावक-श्राविका वर्ग

आजीवन शीलव्रत	शांतिलाल जी कंचन देवी लोढ़ा-ब्यावर, नथमल जी मंजू देवी सुराणा-देशनोक, जयचंदलाल जी सरला देवी मरोठी-देशनोक, अशोक जी निर्मला देवी चपलोत-फतहनगर, वीर पिता-माता अशोक जी ऊषा देवी कोठारी-ब्यावर, अशोक जी सुखमाला जी रांका-ब्यावर, विजयलक्ष्मी जी मुर्ड़िया-उदयपुर (100 आयंबिल, 100 एकासन, 200 पौरसी के भी प्रत्याख्यान), हेमना जी नाहर-अहमदाबाद, पारसमल जी मंजूलता जी ओस्तवाल-ब्यावर, विनोद जी ललिता देवी चोरड़िया-ब्यावर, अभयलाल जी बुरड़, लक्ष्मणदास जी दरियानी (सिंधी)-ब्यावर, अशोक जी सेठिया-तेजपुर, विनोद जी समता जी दुग्गड़-गुवाहाटी, कन्हैयालाल जी वैद-गुवाहाटी, अभयजीत जी मांडोत-निम्बाहेड़ा, पुखराज जी खाबिया, ओमप्रकाश जी नाहटा, रतनलाल जी दाधीच, नाथूलाल जी टाक
उपवास	**165 –** हेमलता जी बाँठिया-नोखामंडी
	111 – किरण जी कोठारी-कांकरोली
	11 – कमल जी खींचा
	10 – लीला देवी कोठारी
	अठाई – चंद्रकांता जी बाबेल, शशिकला जी डांगी, संजय जी श्रीश्रीमाल, मधु जी श्रीश्रीमाल, मधु जी खींचा, प्रीति जी मूथा, धर्मीचंद जी ओस्तवाल, धन कँवर जी नाहर, राजश्री जी श्रीश्रीमाल
आयंबिल	600 – मीनाक्षी जी खींचा
सामायिक	**वर्ष में 3,011 –**अशोक जी रांका-ब्यावर/अहमदाबाद (सचित्त, जमींकंद, महाविगय, बड़ा स्नान, सोना-चाँदी खरीदने, बेचने व पहनने का त्याग)
पक्की नवकारसी	200 – पूनमचंद जी सुनीता देवी कोटड़िया-पुणे/शहादा
पोरसी	100 – सुशीला बाई लोढ़ा (200 एकासन भी)
वर्षीतप	धन्नी बाई गोलछा-नगरी

-महेश नाहटा

अपने आचार्यदेव को जानें

परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के 50वें दीक्षा वर्ष को '**महत्तम शिखर वर्ष**' के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पाठकों को आचार्यश्री के जीवन से परिचित कराने के लिए उनका जीवन चित्रण प्रस्तुत किया जा रहा है। यह चित्रण 29-30 मार्च 2024 समाचार अंक से प्रारंभ हुआ है। इसके अंतर्गत आचार्यदेव का संपूर्ण जीवन- **बाल्यकाल, युवावस्था, मुनि प्रवर, युवाचार्य एवं आचार्य अवस्था** आदि विभिन्न पड़ावों का वर्णन किया जाएगा। इन पड़ावों के आधार पर पाठकों के समक्ष कुछ प्रश्न प्रस्तुत किए जाएँगे, जिनके उत्तर पाठकों को भरकर भिजवाने होंगे। इस शृंखला के अंतिम पड़ाव के रूप में **फरवरी 2025** के अंक में वर्षभर में दिए गए संपूर्ण चित्रण पर एक मुख्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें वर्षभर में प्रकाशित विभिन्न पड़ावों पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। अत: पाठकों से आग्रह है कि 29-30 मार्च 2024 समाचार अंक से आचार्य प्रवर के जीवन पर प्रकाशित संपूर्ण सामग्री संग्रहित करके रखें।

अप्रमत्त संयम दृढ़ता एवं आत्म-रमणता के धनी

आचार्य श्री रामेश

हम सभी को अपने जीवन में हुक्मसंघ के नवम पाट पर सुशोभित नानेश पट्टधर परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के दर्शनों का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। हम सभी ने प्रत्यक्ष में देखा है कि आचार्य प्रवर सैकड़ों भक्तों की भीड़ में भी अपनी आत्म-रमणता की स्थिति बनाए रखते हैं और अपने आपको स्वाध्याय, लेखन, आत्म-चिंतन-मनन में व्यस्त रखकर अपना समय केवल आत्म-विश्लेषण हेतु उपयोग करते हैं। उसी चिंतन-मनन के मंथन से निकलता है विचारामृत। उसी गहन मंथन से समाज को व्यसनमुक्ति का संदेश, गुणोत्कीर्तन जैसी विचारधारा, उत्क्रांति जैसी सामाजिक व्यवस्था आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हुई।

आचार्य प्रवर सदैव चतुर्विध संघ के विकास हेतु चिंतनशील रहते हैं। अत: कोई भी नया चिंतन जब आयाम बनकर जन-जन के सामने आता है तो समाज को, राष्ट्र को नई सुनहरी दिशा प्रदान करता है। आचार्य प्रवर द्वारा स्वस्थ व सशक्त समाज की रचना हेतु दिए गए आयाम उन पर संघ द्वारा किया गया क्रियान्वयन इस प्रकार है -

1. व्यसनमुक्ति :- मुख्यत: व्यसन सात प्रकार के होते हैं। व्यसन के दुष्प्रभावों को देखते हुए आचार्यश्री ने '**व्यसनमुक्त समाज**' का स्वप्न देखा और इसे साकार करने हेतु समाज को एक आयाम प्रदान किया। संघ द्वारा व्यसनमुक्ति आयाम के अंतर्गत आचार्यश्री की प्रेरणा से विभिन्न गाँवों-शहरों में एक लाख से अधिक लोगों को व्यसनमुक्त किया जा चुका है। एक महत्त्वपूर्ण निर्णय के अंतर्गत संघ के समस्त पदों पर उन्हीं सदस्यों को आसीन किया जाता है, जो पूर्णतया व्यसनमुक्त हों।

2. सिरीवाल समाज की स्थापना :- आचार्यश्री ने जयपुर में पधारे 15 गाँवों के 132 व्यक्तियों को संबोधित करते हुए तथा संस्कारित बनने की उनकी भावना का मान रखते हुए कार्तिक सुदी 14, शुक्रवार, दिनांक 10 नवंबर 2000 को प्रात: 10:51 बजे संस्कारित होने पर '**सिरीवाल**' नामकरण प्रदान किया। उस समय उपस्थित

रामलाल जी सिरीवाल आदि भाई कह उठे कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने अहिल्या, शबरी आदि का उद्धार किया, वहीं आचार्य प्रवर श्री नानालाल जी म.सा. ने मालवा के अछूत कहे जाने वाली बलाई जाति का उद्धार कर '**धर्मपाल**' के स्वर्ण तिलक से सुशोभित किया। आज उन्हीं के पट्टधर आचार्य श्री रामेश ने बावरी जाति का उद्धार कर '**सिरीवाल**' का स्वर्णिम उद्बोधन दिया।

3. समता शाखा :- विशाखापट्टनम् में समता युवा संघ व अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में आचार्य प्रवर ने समाज में धर्म जागरणा हेतु युवाओं के लिए दो सूत्र दिए - (1) सभी युवाओं को संघ सेवा से जुड़ना चाहिए तथा (2) बड़े शहरों में रविवार को अथवा माह में एक रविवार को सभी युवाओं को एकसाथ धर्म स्थानक में कुछ समय सामूहिक प्रार्थना, सामायिक, स्वाध्याय करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

इस कार्यक्रम को रविवारीय समता शाखा नाम दिया गया। पूरे राष्ट्र में लगभग 550 संघों में औसतन उपस्थिति 8500 रहती है तथा खास अवसरों पर यह संख्या 18 से 20 हजार तक पहुँच जाती है। यह आयाम आचार्य प्रवर द्वारा 2010 में दिया गया था।

4. दिखावामुक्त समाज (उत्क्रांति) :- आचार्यश्री ने वर्ष 2014 में बेंगलुरु में '**उत्क्रांति**' का आयाम दिया, जिसके अंतर्गत दिखावे की रोकथाम हेतु नियमावली बनाई गई। इस नियमावली अनुसार सभी मांगलिक कार्यक्रम मर्यादित रूप से होने तय हुए। इसे अपनाने वाले परिवार को '**उत्क्रांति परिवार**' एवं गाँवों को '**उत्क्रांति ग्राम**' घोषित किया गया। अब तक लगभग 800 से अधिक गाँवों को 'उत्क्रांति ग्राम' घोषित किया जा चुका है। उत्क्रांति आयाम एक महत्त्वपूर्ण निर्णय है, जिससे समाज में व्याप्त दिखावे की प्रवृत्ति का उन्मूलन किया जा सकता है।

5. परिवारांजलि :- आचार्य प्रवर श्री रामलाल जी म.सा. द्वारा हैदराबाद में संघ को '**पंचसहस्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि**' आयाम दिया गया। परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालाल जी म.सा. की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में इसके अंतर्गत प्रत्येक परिवार द्वारा नियम व त्याग की अंजलि अर्पित करनी थी। इस आयाम में नौ अंजलियाँ इस प्रकार हैं-

अंजलि	प्रतिभागी	अंजलि	प्रतिभागी
• रात्रि भोजन त्यागांजलि	5024	• शुद्ध भिक्षांजलि	9762
• सचित्त जलग्रहण त्यागांजलि	5677	• संकल्प सूत्रांजलि	8987
• ज्ञानांजलि	7209	• संघ सेवांजलि	7517
• पौषधांजलि	1386	• संस्कार संवर्द्धनांजलि	6037
• संवरांजलि	3208		

प्रश्नावली

संक्षिप्त में उत्तर दीजिए -

प्रश्न 1. आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. ने मालवा की बलाई जाति को कौनसे स्वर्ण तिलक से सुशोभित किया?

प्रश्न 2. आचार्यश्री ने वर्ष 2014 में बेंगलुरु में कौनसा आयाम दिया, जिसके अंतर्गत दिखावे की रोकथाम हेतु नियमावली बनाई गई?

प्रश्न 3. सप्त व्यसन के दुष्प्रभावों को देखते हुए आचार्यश्री ने किसका स्वप्न देखा और इसे साकार करने हेतु कौनसा आयाम प्रदान किया?

प्रश्न 4. 'समता शाखा आयाम' आचार्य प्रवर द्वारा कौनसे वर्ष में दिया गया?

प्रश्न 5. आचार्यश्री जी द्वारा जयपुर में सिरीवाल नामकरण कब प्रदान किया गया?

प्रश्न 6. आचार्य भगवन् अपने आपको स्वाध्याय, लेखन, आत्म-चिंतन-मनन में व्यस्त रखकर अपना समय किस हेतु उपयोग करते हैं?

प्रश्न 7. आचार्य प्रवर द्वारा हैदराबाद में संघ को 'पंचसहस्री श्रद्धाभिषित परिवारांजलि' आयाम दिया गया। इस आयाम में कितनी अंजलियाँ हैं?

प्रश्न 8. आचार्य प्रवर ने समाज में धर्मजागरणा हेतु युवाओं के लिए कितने सूत्र प्रदान किए?

प्रश्न 9. आचार्य प्रवर किस हेतु सदैव चिंतनशील रहते हैं?

प्रश्न 10. व्यसनमुक्ति आयाम के अंतर्गत अब तक कितने लोगों को व्यसनमुक्त किया जा चुका है?

उत्तर भिजवाने हेतु WhatsApp No. : 9314055390
Email : shramanopasak @sadhumargi.com

अंतिम तिथि
25 जनवरी 2025

अहमदाबाद में पसंद की गई 'जैनिज्म'

अहमदाबाद में 30 नवंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित पुस्तक मेले में साधुमार्गी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। पब्लिकेशन की नई किताब '**जैनिज्म**' लोगों को खूब पसंद आई। साबरमती रिवर फ्रंट पर आयोजित 9 दिवसीय मेले में देश के प्रमुख प्रकाशकों के साथ साधुमार्गी पब्लिकेशन का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। मेले का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र जी पटेल ने किया। लोगों ने साधुमार्गी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में रुचि दर्शाते हुए खरीदारी की। **जैनिज्म**, **ऐसी वाणी बोलिए**, **नो शॉर्टकट प्लीज!**, **मीठे पदचाप**, **आइ टू आई** सर्वाधिक बिक्री वाली पुस्तकें रहीं। इनके अतिरिक्त '**एक ही काफी है**', '**आलाप**', '**समझदार को इशारा**' को भी लोगों ने पसंद किया। इनमें से कई किताबों के अंग्रेजी व गुजराती संस्करण के लिए भी लोगों ने पूछताछ की। संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला समिति की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित स्थानीय श्रावक-श्राविकाओं ने भी स्टॉल का अवलोकन किया।

- संयोजक, साधुमार्गी पब्लिकेशन

विविध समाचार

राम चमकते भानु समाना

✧✧✧✧✧✧✧ मेवाड़ अंचल ✧✧✧✧✧✧✧

कांकरोली। शासन दीपिका साध्वी श्री समता श्री जी म.सा. आदि ठाणा-5 के सान्निध्य में चातुर्मास के अंतर्गत दीर्घ तपस्याओं व ज्ञान-ध्यान का ठाट लगा रहा। मासखमण की लड़ी चली। साध्वी श्री रविप्रभा जी म.सा. ने 65 की तपस्या संपन्न की। आपश्री जी की तप अनुमोदना में 1 मासखमण एवं लगभग 108 तेले संपन्न हुए। चातुर्मास में 11 शिविरों का आयोजन हुआ, जिनमें आशातीत उपस्थिति रही। ऊषा जी वया एवं सुनीता भड़कत्या के मासखमण एवं मधु जी पगारिया के 36 की तपस्या सहित अन्य अनेक तपस्याएँ संपन्न हुईं। इस चातुर्मास में जैन समाज के विभिन्न संप्रदाय के लोगों सहित जैन-जैनेतर जनों ने तप-त्याग, ज्ञान-ध्यान, प्रवचन, शिविर आदि में रुचि दिखाई। रविवारीय समता शाखा में भी अच्छी उपस्थिति रहती। 101 जनों ने दशवैकालिक, लगभग 45 जनों ने जैन सिद्धांत बत्तीसी एवं कुछ जनों ने उववाई सूत्र, प्रतिक्रमण, सामायिक सूत्र, थोकड़ों आदि का ज्ञानार्जन किया।

- सुनीता भड़कत्या

✧✧✧ बीकानेर-मारवाड़ अंचल ✧✧✧

गंगाशहर-भीनासर। शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-5 के सान्निध्य में चातुर्मास के अंतिम पड़ाव में दो धर्मचक्र एवं चातुर्मासिक पक्खी के दिन प्रतिक्रमण अच्छी संख्या में उत्साह के साथ संपन्न हुए। पूर्णिमा एवं पक्खी पर श्री विनय मुनि जी म.सा. के सान्निध्य में लगभग 150 भाइयों ने स्वाध्याय साधना का लाभ लिया। आपश्री जी ने विदाई की व्याख्या करते हुए फरमाया कि '**वि**' का अर्थ विनय व विवेक को मत भूलना, '**दा**' का अर्थ दान देने में पीछे मत रहना एवं '**ई**' का अर्थ ईश्वर को मत भूलना। श्री मधुर मुनि जी म.सा. ने जिनवाणी के अनुरूप सारगर्भित उपदेश देते हुए प्रेरणाएँ दीं। इस अवसर पर संघ मंत्री सहित अनेक वक्ताओं ने भावाभिव्यक्ति दी।

प्रवचन पश्चात् संतवृंद श्री जवाहर विद्यापीठ से विहार कर राजकुमार जी पुगलिया के निवास पर पधारे। जय-जयकार की नाद से संपूर्ण वातावरण धर्ममय बन गया।

शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा. आदि ठाणा बाँठिया पैलेस, भीनासर में, शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याण कँवर जी म.सा. सुगनचंद जी पुगलिया के मकान, पुरानी लेन में, शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेता श्री जी म.सा. आदि ठाणा-4 अभय जी भूरा के निवास स्थान रामदेव नगर में एवं शासन दीपिका साध्वी श्री निखार श्री जी म.सा. आदि ठाणा सुराणा मोहल्ला स्थित बोथरा जी के मकान में सुख-सातापूर्वक विराजमान हैं। धार्मिक कक्षा प्रातः 9 से 10 बजे तक चलती है।

श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संस्थान के अध्यक्ष जी की अध्यक्षता में नथमल जी बोथरा कोटड़ी के पुनर्निर्माण हेतु कार्यक्रम नवकार मंत्र के संगान के साथ 12 दिसंबर को संपन्न हुआ। इस अवसर पर संघ के वरिष्ठजन सहित

अनेक पदाधिकारियों व संघ सदस्यों की उपस्थिति रही। संघ प्रमुखों ने भूमि पूजन एवं संघ मंत्री ने आभार ज्ञापन किया।

- चंचल कुमार बोथरा

✧✧✧✧✧✧ मध्य प्रदेश अंचल ✧✧✧✧✧✧

जावरा। शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञा श्री जी म.सा. आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास ज्ञान-ध्यान, तप-त्याग के साथ सानंद संपन्न हुआ। चातुर्मास काल में आयंबिल, एकासना व तेले की लड़ी निरंतर चली। तप के क्रम में महक जी पगारिया 31, संभव जी पगारिया, शोभना जी चौहान 30, मनीष जी मनसुखानी 21 सहित 11 की 5, 9 की 8, अठाई 25 एवं 1451 से अधिक तेले तप आदि हुए। चातुर्मास के अंतिम दिवस कार्तिक पूर्णिमा पर महासती जी ने नवकार मंत्र की शक्ति का विवेचन बताते हुए फरमाया कि हमें शुभ भक्ति व श्रद्धा के साथ एक नवकार मंत्र का प्रतिदिन स्मरण करना चाहिए। यह कर्मनिर्जरा में सहायक है।

साध्वी श्री सुहर्षा श्री जी म.सा. ने फरमाया कि हमें हमेशा उपकारी के प्रति अहोभाव व्यक्त करना चाहिए। साध्वी श्री सुप्रज्ञा श्री जी म.सा. ने फरमाया कि चिंतन करें कि इस चातुर्मास में हमने क्या प्राप्त किया एवं हमारा क्या लक्ष्य बना। हमें देव, गुरु, धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा व निष्ठा रखते हुए प्रतिदिन 11 नवकार, 1 बार वंदना, 1 सामायिक व कम से कम 15 मिनट स्वाध्याय करना चाहिए। अंत में सभी साध्वीवर्याओं ने क्षमायाचना के भाव प्रकट किए। संघ मंत्री ने भी संघ की ओर से क्षमायाचना की।

प्रवचन पश्चात् विहार के प्रसंग पर श्रीसंघ, महिला मंडल, बहू मंडल एवं युवा संघ सहित उपस्थित सभी ने स्तवन का गान करते हुए पुनः जल्दी पधारने हेतु विनती प्रस्तुत की।

- राजेश कुमार संघवी

✧✧✧ छत्तीसगढ़-ओड़िशा अंचल ✧✧✧

दुर्ग। शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा-6 का भव्य चातुर्मास अनेकानेक धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सानंद संपन्न हुआ। आपश्री जी ने संघ में ज्ञान-ध्यान की अद्भुत ज्योत जलाई। चातुर्मास में आयंबिल, एकासना, उपवास की लड़ी गतिमान रही। दो माह तेले की लड़ी भी चली एवं अन्य अनेक दीर्घ व लघु तपस्याएँ संपन्न हुईं। आपश्री जी के सान्निध्य में पर्युषण, संघ स्थापना, आचार्य श्री नानेश चादर प्रदान दिवस एवं स्मरण दिवस तथा आचार्य श्री रामेश पदारोहण दिवस सहित अनेकानेक विशिष्ट अवसरों पर विशेष धर्माराधना करवाई गई। वर्णमाला मासखमण तप में वर्णमाला पर आने वाले खाद्य पदार्थों का त्याग किया गया। चातुर्मास में 19 वर्षीतप संपन्न हुए।

- पृथ्वीराज पारख

✧ महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल ✧

नरडाणा। शासन दीपिका साध्वी श्री वनिता श्री जी म.सा. आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में अपूर्व धर्माराधना एवं श्रद्धा व समर्पणा के साथ चातुर्मास संपन्न हुआ। साध्वी श्री अनुप्रेक्षा श्री जी म.सा. ने ज्ञान-ध्यान सीखने की प्रेरणा दी, जिससे प्रभावित होकर अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने प्रतिक्रमण आदि कंठस्थ किए। साध्वी श्री निरामगंधा श्री जी म.सा. ने सारगर्भित प्रवचनों से निरंतर सभी का ज्ञान बढ़ाया। आपश्री जी ने रविवारीय वर्कशॉप के माध्यम से नई ऊर्जा प्रदान की। इस चातुर्मास में तीन मासखमण, 17, 15, 11, 9, अठाई व अन्य अनेक तपस्याएँ संपन्न हुईं। साध्वी श्री तारिका श्री जी म.सा. ने प्रेरक कहानियों आदि के माध्यम से अनुकरणीय मार्गदर्शन किया। इस प्रकार यह चातुर्मास भक्तिभाव पूर्वक चिरस्मरणीय हो गया।

- डॉ. भिकमचंद देसरड़ा

✧✧✧✧✧✧✧ पूर्वोत्तर अंचल ✧✧✧✧✧✧✧

सिलचर। श्री साधुमार्गी जैन संघ एवं दोनों सहयोगी इकाइयों द्वारा 21 नवंबर 2024 को मुमुक्षु बहन करिश्मा जी लुणिया का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंच पर मुमुक्षु बहन, वीर माता ममता देवी लुणिया एवं जैन समिति, जैन भवन ट्रस्ट, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, दिगंबर जैन संघ, श्री जैन ज्ञान श्रावक संघ, श्री मूर्तिपूजक संघ, समता महिला मंडी आदि के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी मंचस्थ जनों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अपनी संस्थाओं की तरफ से मोमेंटो, शॉल एवं साहित्य भेंटकर मुमुक्षु बहन का बहुमान किया। वक्ताओं ने संयम पथ गमन हेतु उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। स्वागत भाषण संघ के सहमंत्री ने एवं स्वागत गीत समता महिला मंडल ने दिया। संघ अध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वीर माता ने दीक्षा के पावन अवसर पर दीक्षा साक्षी बनने का निवेदन किया। मुमुक्षु बहन ने अपनी भावाभिव्यक्ति में गुरु गुणगान करते हुए संयम मार्ग को सर्वश्रेष्ठ बताया। मंगलपाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

- विजय सांड

सुधी पाठकों से निवेदन!

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के मुखपत्र श्रमणोपासक के 62 वर्ष के सफर में अनेक अवसरों पर विविध विषयों पर विशेषांकों का प्रकाशन किया गया है। इन विशेषांकों में विषय संदर्भित सामग्री को प्रमुखता से प्रकाशित करने के साथ-साथ धर्म-ध्यान, तप-त्याग संबंधी विषय सामग्री को भी प्राथमिकता देते हुए प्रकाशित किया गया है। आप सुधी पाठकों से निवेदन है कि यदि आपके पास इन विशेषांकों की प्रतियाँ सुरक्षित रखी हों तो उन्हें केंद्रीय कार्यालय - **श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, जैन कॉलेज के सामने, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)** को भिजवाने का कष्ट करें। इस विषय में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए आप **संपर्क सूत्र 9799061990** पर संपर्क कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए विशेषांकों की सूची इस प्रकार है -

क्र.सं.	विशेषांक का नाम	प्रकाशन वर्ष
1.	आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा. शताब्दी विशेषांक	20 सितंबर 1976
2.	समता विशेषांक	25 अगस्त 1978
3.	बाल विशेषांक	25 सितंबर 1979
4.	धर्मपाल विशेषांक	10 मार्च 1984
5.	रजत जयंती विशेषांक	25 सितंबर 1987
6.	संयम साधना विशेषांक	25 मार्च 1990
7.	युवाचार्य विशेषांक	10 दिसंबर 1992
8.	दीक्षा विशेषांक	मार्च 1992
9.	गणपतराज जी बोहरा विशेषांक	अगस्त 1999
10.	आचार्य श्री नानेश स्मृति विशेषांक	10 व 25 अक्टूबर 2000
11.	साध्वी श्री इंदर कँवर जी म.सा. विशेषांक	20 फरवरी 2012
12.	स्वर्ण जयंती विशेषांक	20 नवंबर 2012
13.	युवाचार्य पदारोहण विशेषांक	20 सितंबर 2017

तपस्विनी हेमलता जी बाँठिया के 165 उपवास पूर्ण

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में तीसरी बार नाम हुआ दर्ज

नोखामंडी। आत्मशुद्धि व कर्मनिर्जरा का प्रमुख स्रोत है तपस्या। इसी पथ पर गमन करते हुए **तपस्विनी हेमलता जी** धर्मपत्नी प्रदीप जी बाँठिया ने अपूर्व आत्मशक्ति का परिचय देते हुए **165 उपवास** की दीर्घ तपस्या निर्विघ्न संपन्न की।

महान तपोपूत, युगनिर्माता परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के मुखारविंद से आपने ब्यावर में 165 उपवास का प्रत्याख्यान लिया। आपके 9 दिसंबर 2024 को 165 उपवास का पारणा संपन्न हुआ। पूर्व में आपने 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 51, 61, 71, 101, 142, 151, 161 उपवास की तपस्याएँ पूर्ण की हुई हैं। 10 व 18 को छोड़कर 1 से 20 तक की लड़ी भी आप कर चुकी हैं। इस विशिष्ट दीर्घकालीन तपस्या के लिए आपका नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में तीसरी बार दर्ज हुआ है। यह तपस्या आपने आचार्य श्री रामेश एवं उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. की महती कृपा से शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा. एवं शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा जी म.सा. की प्रेरणा से संपन्न की है। तपस्विनी बहन का शानदार अभिनंदन श्री साधुमार्गी जैन संघ, नोखा एवं ब्यावर तथा समता महिला मंडल, समता युवा संघ, नोखा सहित अनेक संस्थाओं द्वारा किया गया। **24वाँ वर्षीतप** करने वाली नोखामंडी निवासी, करीमगंज प्रवासी **तपस्विनी ज्ञानी देवी भूरा** का भी बहुमान किया गया।

- महेश नाहटा

क्षमावाणी से विश्वमैत्री में समीक्षण ध्यान की उपादेयता

राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देशानुसार आयोजित '**क्षमावाणी पर्व विश्वमैत्री दिवस की समसामयिक में समीक्षण ध्यान की उपयोगिता**' व्याख्यानमाला श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में स्थापित '**जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग**' में 6 दिसंबर को आयोजित हुई। कुलपति प्रो. सुनीता जी मिश्रा ने कहा कि कभी भी किसी का दिल दुखाया हो तो क्षमायाचना कर मन हलका कर लेना चाहिए। मुनि श्री संबोध कुमार जी ने कहा कि व्यक्ति खुद की गलतियों पर वकील और दूसरों की गलतियों पर जज बन जाता है।

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की ओर से व्याख्यानमाला में डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने अपनी भावाभिव्यक्ति में कहा कि जैन परंपरा में वर्ष में एक बार संवत्सरी महापर्व (क्षमायाचना) मनाया जाता है। क्षमायाचना तो प्रतिदिन होनी चाहिए, जो औपचारिक नहीं हो। आचार्य श्री नानेश ने समीक्षण ध्यान में कषाय कम करने हेतु कषाय समीक्षण का प्रयोग बताया है, जिसका उपयोग करना चाहिए। जैनागमों ने सभी जीवों से क्षमायाचना हेतु कहा गया है। डॉ. शर्मा ने कषाय व क्रोध समीक्षण कराया।

जैन विद्या एवं प्राकृत विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति बाबू जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा इस विभाग की स्थापना की गई थी। यह विभाग अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में गतिशील है।

- डॉ. सत्यनारायण शर्मा

तीन दिवसीय बीकानेर-मारवाड़ अंचल प्रवास ग्रैंड फिनाले महोत्सव सहित विभिन्न प्रवृत्तियों की प्रभावना सहित संपन्न

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय महामंत्री, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अनेक प्रमुखगणों का बीकानेर-मारवाड़ अंचल का तीन दिवसीय प्रवास 14, 15, 16 दिसंबर को अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रवास में स्थानीय संघों के अध्यक्ष, मंत्री एवं सदस्यों व प्रतिनिधियों का सराहनीय सहयोग रहा। इस दौरान मोक्षार्थी शिविर 3.0, तत्त्व अवगाहन शिविर सहित विभिन्न प्रवृत्तियों की प्रभावना की गई। विशेष रूप से नोखा में 7, 8, 9 फरवरी को आयोजित होने वाले महत्तम महोत्सव ग्रैंड फिनाले की प्रभावना के साथ संचालन संबंधी कार्यों व तैयारियों की समीक्षा स्थानीय संघ के साथ आयोजित बैठक में की गई। सभी स्थानों पर आयोजित होने वाली बैठकों में महत्तम महोत्सव ग्रैंड फिनाले के अवसर पर नोखा पधारने का निवेदन किया गया।

कुचेरा में स्थानीय श्रावकों एवं शिविर प्रबंधन से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ हुई बैठक में यहाँ 1 से 21 जनवरी को होने वाले तत्त्व अवगाहन शिविर संबंधी चर्चा की गई। मेड़ता सिटी में 25 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले मोक्षार्थी शिविर 3.0 की व्यवस्थाओं की समीक्षा के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। प्रवास के अगले क्रम में अलाय में स्थानीय पदाधिकारियों से यहाँ आयोजित होने वाले आंचलिक सम्मेलन '**महत्तम सोमनस महोत्सव**' संबंधी चर्चा के साथ विभिन्न चर्चाओं के पश्चात् समता संस्कार पाठशाला खोलने हेतु प्रेरणा दी गई। कुचेरा व मेड़ता सिटी को संघ प्रतिनिधि एवं नवीन संघ क्षेत्र घोषित किया गया।

बाबरा (पाली) में विराजित परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा., भीलवाड़ा में विराजित बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा., शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-4, शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा. आदि ठाणा-4, शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा जी म.सा., आदि ठाणा-3, शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुला श्री जी म.सा. आदि ठाणा, शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावना श्री जी म.सा. आदि ठाणा-7 के दर्शन, वंदन एवं मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त हुआ।

::: मुख्य उपलब्धियाँ :::

- मोक्षार्थी शिविर 3.0, तत्त्व अवगाहन शिविर की व्यवस्था संबंधी समीक्षा
- महत्तम महोत्सव ग्रैंड फिनाले की तैयारी की समीक्षा व दिशा-निर्देश
- दो नए संघ प्रतिनिधि व नवीन संघ क्षेत्र घोषित
- अलाय में आंचलिक सम्मेलन 'महत्तम सोमनस महोत्सव' पर विशेष चर्चा

- आंचलिक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

संघों हेतु भोजन संबंधी संशोधित नियमावली, मई 2024

संघ द्वारा बनाई गई नियमावली सभी संघों को संघ के अंतर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों में अपनानी आवश्यक है। प्रायोजक व्यक्तिगत होने की स्थिति में भी संघ के कार्यक्रम में प्रत्येक नियम लागू होंगे।

1. सुबह के नाश्ते में 7 आइटम से ज्यादा नहीं होंगे।
2. दोपहर के भोजन में 11 आइटम से ज्यादा नहीं होंगे।
3. दोपहर को चाय, कॉफी के साथ दो तरह के बिस्किट, एक नमकीन, मौसम के अनुसार एक अन्य पेय पदार्थ रख सकते हैं, पर मिठाई नहीं।
4. शाम के भोजन में 9 आइटम से ज्यादा नहीं होंगे।
5. किसी भी रात्रिकालीन कार्यक्रम/बैठक में पानी के अतिरिक्त कोई भी खाद्य या पेय पदार्थ नहीं होगा।
6. **आइटम की गिनती हेतु नियम -**
   a) पानी नहीं गिना जाएगा।
   b) दूध, चाय, कॉफी को एक ही गिना जाएगा।
   c) किसी भी तरह का मुखवास, खाने में कोई भी पेय पदार्थ, छाछ आदि व अन्य कोई भी आइटम जो इस नियमावली में न लिखा हो वो अलग गिना जाएगा।
   d) मिक्स पकौड़ा (2-3 तरह के व चटनी आदि) एक आइटम गिना जाएगा।
   e) साउथ इंडियन डिशेज के साथ चटनी व सांभर अलग नहीं गिना जाएगा, पर इडली-बड़ा-डोसा-उत्तपम आदि अलग अलग गिने जाएँगे।
   f) खमण के साथ चटनी अलग नहीं गिनी जाएगी।
   g) खाखरों के साथ घी व मसाला/जिरावन अलग नहीं गिने जाएँगे।
   h) फुलका, रोटी, पूरी इत्यादि कोई दो तरह की एक गिनी जाएगी एवं दो से अधिक तीन या चार तरह की हो तो दो गिनी जाएगी।
   i) पोहा के साथ भुजिया एक ही गिना जाएगा।
   j) कढ़ी-कचौरी एक आइटम गिना जाएगा।
   k) कढ़ी-फाफड़ा एक आइटम गिना जाएगा।
7. **मिठाई के नियम -**
   a) काजू व बादाम की प्लेन बर्फी या कतली कर सकते हैं।
   b) केसर व ड्राई फ्रूट की सजावट आदि मिठाइयों में, दूध में व अन्य आइटमों आदि में नहीं हो एवं अतिआवश्यक हो तो इनका प्रयोग (जैसे की हलवे में बादाम, उपमा में काजू के टुकड़े इत्यादि) कर सकते हैं, लेकिन वे कम से कम मात्रा में प्रयोग हो।
   c) रस वाली मिठाइयों का प्रयोग अत्यंत विवेकपूर्ण हो एवं काउंटर पर चासनी में डूबी मिठाई नहीं रखी जाए।
   d) जल्दी खराब होने वाली मिठाइयाँ यथासंभव

नहीं करते हुए ज्यादा समय तक खराब नहीं होने वाली मिठाइयाँ ही प्रयोग में ली जाएँ।

e) नाश्ते में एक मिठाई, सुबह के खाने में एक मिठाई (विशेष प्रसंगों व रविवार आदि को दो मिठाई रख सकते हैं, पर कुल ग्यारह से अधिक आइटम नहीं हो), शाम को खाने में भी एक मिठाई रख सकते हैं।

f) यथासंभव वरक का प्रयोग नही करें।

8. **अन्य नियम -**

a) जमीकंद का प्रयोग किसी भी आइटम में नहीं हो।

b) दूज, पंचमी, अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी, पक्खी व पर्युषण के आठ दिनों में भोजनशाला में हरी का प्रयोग नहीं हो।

c) किसी आइटम के समाप्त होने पर उसकी जगह दूसरा उसी तरह का आइटम बिना अतिरिक्त गिनती के रख सकते हैं।

d) तपस्या के पारने, आयंबिल, नीवी आदि के लिए कुछ और अलग आइटम रख सकते हैं।

e) विगय आदि के त्याग हेतु हरी, नमक, चीनी, दूध, दही, घी, तेल आदि अनावश्यक रूप से अन्य आइटमों में उपयोग नहीं करें।

f) काउंटर पर सचित्त आइटम या सचित्त मिश्रित आइटम नहीं रखें।

g) सब्जियाँ आदि किसी भी आइटम में तेज मसाला, तेज ग्रेवी (शादी-विवाह में होने वाली सब्जियों की तरह) नहीं होनी चाहिए।

h) भोजनशाला में म्यूजिक/भजन/नवकार मंत्र आदि की कोई धुन/टेप नहीं बजनी चाहिए। सिर्फ आवश्यक सूचनाओं के लिए लाइट व माइक का प्रयोग कर सकते हैं।

i) परिसर में व उसके परिक्षेत्र में सिर्फ लाभं के धार्मिक उपकरण व संघ के साहित्य के स्टॉल के अलावा कोई स्टॉल या दुकान नहीं लगे।

j) भोजनशाला में सचित्त वस्तु की प्रभावना या अन्य कोई भी वस्तु स्थानीय संघ की अनुमति/सहमति के बिना वितरित नहीं करें।

k) जहाँ तक संभव हो झूठे बर्तन लकड़ी के बुरादे से ही साफ करने का लक्ष्य रखें।

उपरोक्त नियम स्थानीय सभी संघों की किसी भी प्रकार से चलने वाली भोजनशाला में व संघ के सभी आयोजनों में होने वाले भोजन पर लागू होंगे। सभी से अनुरोध है कि निर्धारित आइटमों से कम ही बनाकर प्रेरणास्पद प्रसंग उपस्थित करें। उपरोक्त नियमों में समय के अनुसार बदलाव का अधिकार केंद्रीय संघ की समिति के पास सुरक्षित है।

संघों में किसी भी प्रकार के सामूहिक आयोजन हेतु नियमावली, मई 2024

मीटिंग, वार्षिक प्रोग्राम, तप, दीक्षा या अन्य सभी प्रकार के अभिनंदन, समापन, वरघोड़ा, सम्मान, प्रवचन स्थल, चातुर्मास आदि किसी भी तरह के संघ के प्रोग्राम में निम्न नियम लागू होंगे।

1. स्टेज पर लगातार रनिंग लाइट/रिफ्लेक्शन लाइट/डिस्को लाइट आदि नहीं होनी चाहिए।

2. किसी भी पीपीटी, डीटीपी, एलइडी, फ्लैक्स, बैनर, पोस्टर आदि में दीक्षार्थियों के अनावश्यक चित्र नहीं होंगे एवं अनावश्यक रूप से जगह-जगह पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स आदि नहीं लगेंगे। (दिशा सूचक व स्थान सूचक के अलावा)

3. स्टेज पर स्मोक आदि भी नहीं होना चाहिए।

4. स्वागत गीत/मंगलाचरण/भक्ति संगीत/भजन/नाटिका आदि में नृत्य नहीं होना चाहिए।
5. वरघोड़ा आदि में जानवरों द्वारा खींचे जाने वाले रथ, सजावटी ऊँट-घोड़ा आदि नहीं होना चाहिए। आवश्यकता हो तो बैंड-बाजा एक प्रकार का ही हो सकता है।
6. कार के पीछे काँच पर, स्कूटर, टैक्सी, घरों आदि पर भी फोटो-बैनर आदि नहीं लगावें।
7. किसी भी प्रसंग आदि पर विवरण संबंधी कोई पुस्तक, दीक्षा आमंत्रण पत्रिका आदि का प्रकाशन न हो।
8. दीक्षार्थी अभिनंदन कार्यक्रम में मंच पर मध्य स्थान पर मुख्य आकर्षण दीक्षार्थी का ही रहे, अगल-बगल में अतिथिगण हो सकते हैं।
9. दीक्षा संबंधी व अन्य कार्यक्रम यथासंभव दिन में ही संपन्न हों।
10. यदि आवश्यकता हो तो दीक्षा के विज्ञापन में फोटो सामने चेहरे वाली, मुखवस्त्रिका सहित हाथ जोड़े मुद्रा वाली पासपोर्ट टाइप हाफ साइज वाली ही हो एवं अन्य किसी की फोटो साथ में नहीं हो। अखबारों में विज्ञापन आधे पेज से अधिक का न हो।
11. प्रवचन स्थलों पर कुर्सी के स्थान पर बेंचें (लकड़ी की हो तो श्रेष्ठ) हो तो उपयुक्त रहेगा। इससे प्रमाद नहीं आएगा व स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी।
12. आयोजन स्थल, प्रवचन स्थल, महापुरुषों के विराजने के स्थान, भोजनशाला आदि परिसरों में व संभवत: आस-पास के क्षेत्र में भी सिर्फ लाभम् के धार्मिक उपकरण व संघ साहित्य के अलावा कोई दुकान नहीं लगे।
13. संघ से बिना अनुमति लिए कोई भी व्यक्ति या संस्था किसी भी वस्तु का या प्रभावना का वितरण नहीं करे। सचित्त वस्तु की प्रभावना नहीं होगी।
14. महापुरुषों के विराजने के स्थान व प्रवचन स्थल पर नौ आचार्य भगवंतों, उपाध्याय प्रवर के नाम व वहाँ विराजित संत/सतियाँ जी के नाम के अलावा अनावश्यक कोई बैनर, पोस्टर, फ्लेक्स नहीं लगावें।
15. सभी कार्यक्रमों में होने वाले सामूहिक भोज में भोजनशाला वाले नियम ही लागू होंगे।

उपरोक्त नियमों में समय के अनुसार बदलाव का अधिकार श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय संघ की समिति के पास सुरक्षित है। **- राष्ट्रीय महामंत्री**

भगवान महावीर ने साधकों से स्पष्ट रूप से कहा है कि क्रोध के वशीभूत होकर भाषा का प्रयोग न करें। यदि प्रयोग करेंगे तो वह भाषा मंतव्य के साथ न्याय नहीं कर पाएगी। आप भारतीय संविधान उठाकर देखिए, कोर्ट-कचहरी में ये स्पष्ट रूप से लिखा जाता है कि मैं अपने होश-हवास में यह हस्ताक्षर करता हूँ। व्यक्ति जिस समय क्रोध या अंहकार में होता है उस समय वह होश में नहीं होता। क्रोध व मान में जो भाव बनते हैं, वे कितने भी सही हों, पर तीर्थंकर देव उन्हें उपयुक्त नहीं मानते। कल्पना कीजिए कि दूध का बर्तन भरा है, उसमें खून की दो-चार बूँदें गिर जाएँ तो क्या वह दूध उपयोग के योग्य रहेगा? जैसे खून की बूँदें गिरने से वह दूध ग्रहण करने योग्य नहीं रहता, वैसे ही भाषा में क्रोध, अहंकार के मनोवेगों का मिश्रण हो जाए तो वह अभिव्यक्ति स्वीकार्य नहीं होगी। तीर्थंकर देव तो उसे सत्य भी नहीं कहते।

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

स्वाध्यायी सेवा - 2024

दिनांक 1 से 8 सितंबर 2024 को देश–विदेश में पर्युषण पर्व मनाया गया। 130 स्थानों पर कुल 315 स्वाध्यायियों ने अपनी अमुल्य सेवाएँ दीं। स्वाध्याय स्थलों पर 7,500 से अधिक साधकों द्वारा 2 लाख से ज्यादा सामायिक एवं 7,000 से ज्यादा उपवास व अनेक छोटी–बड़ी तपस्याओं की आराधना हुई। कई स्वाध्यायियों ने स्थानीय सेवा भी दी। 50 से ज्यादा स्वाध्यायियों ने पहली बार स्वाध्यायी सेवाएँ दीं।

समता प्रचार संघ द्वारा सभी स्वाध्यायियों का हार्दिक अभिनंदन एवं बहुत–बहुत साधुवाद।

पर्युषण पर्व धर्माराधना विवरण–2024

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
1	आसावरा	राज.	1	मुकुल जी राखेचा	सूरत	41	2	30	10			1537	38	21
			2	महावीर जी डागा	सूरत									
			3	पुलकित जी बुच्चा	सूरत									
2	बाड़ी	राज.	4	ज्ञानचंद जी डूंगरवाल	बांसवाड़ा	20		47	4			626	13	8
			5	अल्का जी डूंगरवाल	बांसवाड़ा									
3	बांसवाड़ा	राज.	6	समरथमल जी पामेचा	पिपलिया मंडी	100		29	10		8	1245	1	1
			7	दिनेश जी जैन	नगरी (म.प्र.)									
			8	वंदना जी मुणेत	निम्बाहेड़ा									
4	भदेसर	राज.	9	देवीलाल जी कोठारी	निम्बाहेड़ा	107	4	113	16			2802	90	36
			10	सुमित जी चौपड़ा	सूरत									
			11	पंकज जी कांकरिया	सूरत									
5	भींडर	राज.	12	चेतन सिंह जी मेहता	उदयपुर	46	2	95	24	7		1453	23	3
			13	दिनेश जी मेहता	बड़ीसादड़ी									
6	बिनोता	राज.	14	शोभा जी पगारिया	जलगाँव	13	1	32	1			1188	5	9
			15	आशा जी कोठारी	जामनेर									
			16	सविता जी लोढ़ा	जलगाँव									
7	बोहेड़ा	राज.	17	रेखा जी नंदावत	कानोड़	92		152	8			3198	53	31
			18	गगनलेखा जी जैन	उदयपुर									
8	दांता	राज.	19	बुद्धिप्रकाश जी जैन	सवाई माधोपुर	26	3	48	17			1650	29	22
			20	सुरेशचंद जी जैन	सवाई माधोपुर									
			21	सम्यक् जी संचेती	सवाई माधोपुर									
9	देवगढ़ मदारिया	राज.	22	मदनलाल जी श्रीश्रीमाल	चित्तौड़गढ़	71		125	10			7060	21	9
			23	हंसराज जी अब्बानी	चित्तौड़गढ़									
			24	बंशीलाल जी श्रीश्रीमाल	चित्तौड़गढ़									
10	धरियावद	राज.	25	संजय जी कोठारी	मावली जंक्शन	63	10	39	1	1	1	1275	13	5
			26	सुंदरलाल जी मोगरा	मोरवन बाँध									
11	गुडली	राज.	27	हस्तीमल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	1		15	2			1175		

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
			28	हरकलाल जी धाकड़	चित्तौड़गढ़									
12	करूकड़ा	राज.	29	सुशीला जी कोठारी	भींडर	25	2	25	1			787	31	
			30	सुमन जी मुर्डिया	कानोड़									
13	केसुंदा	राज.	31	मंजू जी चोपड़ा	जावद	50		47	9			893	9	7
			32	मधुबाला जी राठौड़	नीमच									
			33	अनिता जी मादरेचा	आसावरा									
14	कूंथवास	राज.	34	अनिता जी बाघमार	कपासन	36	2	35		1	1	1200	15	7
			35	सुनीता जी सिरोया	कपासन									
15	लसड़ावन	राज.	36	हुलासमल जी सुराणा	सूरत	20		30	2			1180		16
			37	नरेंद्र जी सेठिया	सूरत									
16	मांगरोल	राज.	38	पिस्ता जी बोरदिया	चित्तौड़गढ़	30	1	26	3	1		735	9	12
			39	मंजू जी बाघमार	कपासन									
			40	काव्या जी बाघमार	कपासन									
17	रावतभाटा	राज.	41	ललिता जी कटारिया	रावटी	55		27		1		918	24	3
			42	मधु जी पितलिया	इंदौर									
			43	हेमलता जी कटारिया	इंदौर									
18	रूंडेडा	राज.	44	चंद्रकांता जी अब्बानी	चित्तौड़गढ़	45		65				2007	64	23
			45	पुष्पा जी पोखरना	चित्तौड़गढ़									
			46	सरला जी पोखरना	चित्तौड़गढ़									
19	सतखंडा	राज.	47	राजेंद्र जी मुर्डिया	कानोड़	53	1	75	7			1343		9
			48	विजय जी जैन	जावद									
20	चांबा	राज.	49	गोपीलाल जी लोढ़ा	मंगलवाड़	47		44	1		1	1654	16	5
			50	शांतिलाल जी कराड	मंगलवाड़									
21	चाडी	राज.	51	विजय जी बोहरा	अक्कलकुवा	35	7	36	4	1		778	41	2
			52	अंकुश जी बाफना	शिरपुर									
22	घंटियाली	राज.	53	ओमप्रकाश जी बरड़िया	लूणकरणसर	15		27				785		
			54	सुनील जी जैन	गोलूवाला									
			55	सुंदरलाल जी नवलखा	गोलूवाला									
23	जेठानिया	राज.	56	भगवती देवी मेहता	देवगढ़	15	2	30	1			205	10	5
			57	कंचन बाई मुथा	ब्यावर									
24	केतु कलां	राज.	58	शुभकरण जी संचेती	गंगाशहर	44	1	26	3			1240	14	25
			59	मनोज कुमार जी डागा	गंगाशहर									
25	लूणकरणसर	राज.	60	प्रकाशचंद जी पोखरना	बेगूँ	32		51	3			787	10	2
			61	अंजना देवी पोखरना	बेगूँ									
26	नोखा गाँव	राज.	62	समरथमल जी पामेचा	पिपलिया मंडी	130		53				1520	72	18
			63	महावीर जी रांका	ब्यावर	55	3	126	12		1	8150	96	30
			64	गौतम जी चौधरी	ब्यावर									
			65	अहिंसा जी कुकड़ा	ब्यावर									

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
27	पडियाल	राज.	66	किशनलाल जी कदमालिया	अहमदाबाद	7		9	5			735	9	
28	पांचू	राज.	67	पुष्पेंद्र जी बोलिया	सूरत	56	6	96	6		7	2283		12
			68	विमल जी नाहटा	सूरत									
29	रायसर	राज.	69	मेघराज जी गोलेछा	बालोतरा	29		22	2			695	32	2
			70	शेलेंद्र जी लोढ़ा	निम्बाहेड़ा									
30	उंटवालिया	राज.	71	गुलाबचंद जी लोढ़ा	सारोठ	56	34	72	6			1627	18	15
			72	धर्मीचंद जी ओस्तवाल	ब्यावर									
31	शेरगढ	राज.	73	अरुण जी मारू	निम्बाहेड़ा	14	2	2				1551	16	4
			74	कवींद्र जी बोहरा	इंदौर									
32	सोलंकिया तला	राज.	75	शांतिलाल जी सहलोत	प्रतापगढ़	34	3	30	9	3		1287	18	9
			76	कमलेश जी मालू	प्रतापगढ़									
33	पाटोदी	राज.	77	इंदरचंद जी दुग्गड़	बीकानेर	40		13	3	1		1105	4	2
			78	प्रकाशचंद जी बाँठिया	बीकानेर									
34	चौथ का बरवाड़ा	राज.	79	सुरेश जी सहलोत	निकुंभ	41		151	7			2196	27	30
			80	अशोक जी पोरवाल	निकुंभ									
			81	राजेंद्र जी गोठी	ब्यावर									
			82	गौतम जी बुरड़	ब्यावर									
35	जेठाना	राज.	83	पारस देवी मेहता	चित्तौड़गढ़	10		28	2			603		2
			84	पुष्पा जी पोखरना	चित्तौड़गढ़									
36	ककोड	राज.	85	गणेश जी आंचलिया	गिलुंड	33	1	13	2			1003	9	3
			86	उदयलाल जी भंसाली	आसावरा									
37	खरवा	राज.	87	महेंद्र जी बाघमार	कपासन	16	10	1				631	17	2
			88	प्रदीप जी भूरा	भीलवाड़ा									
38	टोंक	राज.	89	प्रकाश जी चपलोत	निम्बाहेड़ा	29		32	5			1031	18	9
			90	सुशील जी लोढ़ा	निम्बाहेड़ा									
			91	महावीर जी सिंघवी	निम्बाहेड़ा									
39	उखलाना	राज.	92	रतनलाल जी मीणा	उखलाना									
			93	रामभजन जी मीणा	उखलाना									
40	आंतरीमाता	म.प्र.	94	सुनील जी पगारिया	रतलाम	1		1				121	8	1
			95	हिम्मत जी डूंगरवाल	सरवानिया महाराज									
41	बडावदा	म.प्र.	96	संपत बाई श्रीश्रीमाल	जयपुर	23		81		2		478	11	5
			97	यशप्रभा जी नांदेचा	भीलवाड़ा									
42	बदनावर	म.प्र.	98	मनीष जी पोखरना	मंगलवाड़	62	2	50	9	2		1693	40	30
			99	महावीर जी कोठारी	निम्बाहेड़ा									
			100	रत्नेश जी कोठारी	भींडर									
43	बिरमावल	म.प्र.	101	सुजानमल जी पोखरना	मंगलवाड़	61	2	50	6			1581	45	19
			102	सागरमल जी कच्छारा	भदेसर									
44	चांगुटोला	म.प्र.	103	प्रमिला जी विनायकिया	इंदौर	52		14	2			1155	20	14

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
			104	कुसुम जी भंडारी	खिरकिया									
45	चारूवा	म.प्र.	105	खेमचंद जी डागा	मालेगाँव	97		29	1			1206	24	27
			106	शोभा जी डागा	मालेगाँव									
			107	भारती जी छोटीया	मालेगाँव									
46	धामनिया	म.प्र.	108	राकेश जी चोपड़ा	जोधपुर	68	2	46	7	6		1606	2	12
			109	जयेश जी सांखला	बालेसर									
			110	रौनक जी मोदी	भदेसर									
47	धूंधडका	म.प्र.	111	जयश्री जी कुदाल	चित्तौड़गढ़	80		53	3	5		1031	28	7
			112	मीना जी बोहरा	चित्तौड़गढ़									
			113	आशा जी सुराणा	चित्तौड़गढ़									
48	हरदा	म.प्र.	114	कांता जी नाहटा	इंदौर	20		20	2			320	18	2
			115	प्रमिला जी भंडारी	खिरकिया									
49	जामुनियापान	म.प्र.	116	पंकज जी पितलिया	मोरवन बाँध	39	1	35	4	1		1247	16	3
			117	ओजस जी ओस्तवाल	जावरा									
50	झार्डा	म.प्र.	118	पूरणप्रकाश जी गांधी	सिंगोली	16	1	28	2			946	11	6
			119	सुशील जी बोथरा	दिल्ली									
51	कंजार्डा	म.प्र.	120	निर्मल जी कोठारी	ब्यावर	31	4	90	3			1664		23
			121	अभय जी मोदी	भदेसर									
52	कानवन	म.प्र.	122	सुशील जी मेहता	ब्यावर	66		51	4	2		2083	96	42
			123	पंकज जी रूपावत	मनासा									
			124	अरविंद जी पितलिया	मंदसौर									
53	कुकड़ेश्वर	म.प्र.	125	महावीर जी धोका	औरंगाबाद	10		44	1			1406	14	14
			126	संदीप जी बाँठिया	कानवन									
54	खाचरोद	म.प्र.	127	मदन सिंह जी मेहता	रतलाम	82		75	11			2244	19	11
			128	किरण देवी मेहता	रतलाम									
			129	सरोज जी मुणोत	रतलाम									
55	मोरतलाई	म.प्र.	130	अशोक जी मांडोत	सूरत	51		24	3	9		1116	20	4
			131	सुनील जी मांडोत	सूरत									
			132	नीरव जी भटेवरा	सूरत									
56	नारायणगढ़	म.प्र.	133	ऊषा जी गांधी	इंदौर	55	1	43	9			1035	51	26
			134	आर्ची जी मेहता	निकुंभ									
57	नगरी	म.प्र.	135	अभिषेक जी पितलिया	बंबोरा	34	1	0	4			1875	41	1
			136	कन्हैयालाल जी मोदी	भदेसर									
			137	अशोक जी पिछोलिया	रतलाम									
58	पिपलिया मंडी	म.प्र.	138	संजय जी चपलोत	रतलाम	30		250			1	2000	24	50
			139	संतोष जी मुणेत	रतलाम									
			140	सेफाली जी चपलोत	रतलाम									
			141	श्रुति जी पिछोलिया	रतलाम									

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
59	सुखेड़ा	म.प्र.	142	धीरजलाल जी मुणत	रतलाम	44	2	112	2			612	58	8
			143	संतोष देवी पटवा	जयपुर									
			144	फूल कँवर जी मेर	बांसवाड़ा									
60	पिपलौदा बांगला	म.प्र.	145	शांतिलाल जी मकवाना	पिपलौदा बांगला	38		46	1			418	34	1
			146	अर्पित जी मकवाना	पिपलौदा बांगला									
61	अर्जुंदा	छ.ग.	147	सुभाषचंद जी छाजेड़	दुर्ग	59		42		3		600		6
			148	ज्ञानचंद जी पारख	दुर्ग									
			149	महावीर जी सिंघी	दुर्ग									
62	अंबागढ़ चौकी	छ.ग.	150	दीपिका जी बाफना	धमतरी	89		35	5			564	30	10
			151	मोहनी बाई गोलेछा	धमतरी									
63	भखारा	छ.ग.	152	गंभीरमल जी सांखला	नवापारा राजिम	149	2	84	13	2	1	1530	22	12
			153	सुरेश जी चोरड़िया	बालाघाट									
64	भाटापारा	छ.ग.	154	रत्ना जी ओस्तवाल	राजनांदगाँव	92		35	17		9	1260	35	6
			155	चमेली बाई चोपड़ा	खैरागढ़									
65	बीजा	छ.ग.	156	संतोष जी कांकरिया	बालाघाट	135		32		1			15	10
			157	अवधीत जी संचेती	बालाघाट									
			158	मयंक जी आबड	रायपुर									
66	भानुपुरी	छ.ग.	159	महेंद्र जी जैन	सवाई माधोपुर	16	8	20	5			307	8	2
67	छुईखदान	छ.ग.	160	पुष्पा देवी मालू	रायपुर	30		68	3	2		1890	10	20
			161	सुनीता जी बाघमार	डौंडी									
68	चारामा	छ.ग.	162	वीरेंद्र जी पुगलिया	भिलाई	42	1	65	3			800		3
			163	नीलम जी पारख	दुर्ग									
			164	लीला जी पारख	दुर्ग									
69	डोंगरगढ	छ.ग.	165	चंदा जी बुरड़	बालोद	170	2	50	8			3000	21	6
			166	जूली जी लोढ़ा	डोंगरगाँव									
			167	सरला जी टाटिया	अंतागढ़									
70	डौंडी	छ.ग.	168	गौतम जी पारख	राजनांदगाँव	175	4	84	2			2009	37	10
			169	प्रमोद जी चोपड़ा	संबलपुर									
71	धमधा	छ.ग.	170	सुभाष जी चोपड़ा	भिलाई	147		35				1576	46	18
			171	रौनक जी सांड	धुलिया									
			172	चिराग जी बोहरा	तलोदा									
72	गीदम	छ.ग.	173	विजय जी टाटिया	अंतागढ़	250		200	9		1	6000		53
			174	रोशन जी कोटड़िया	कोंडागाँव									
			175	रचिन जी सांखला	अर्जुनी									
			176	अक्षत जी सांखला	अर्जुनी									
73	जगदलपुर	छ.ग.	177	नेमीचंद जी चोरड़िया	नीमच	331	10	236	31	10		14500	175	54
			178	बहादुरमल जी चौधरी	नीमच									
74	कलंगपुर	छ.ग.	179	संतोष जी चोपड़ा	भिलाई	46		57	9			815	52	10

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
			180	सीमा जी बरड़िया	खरियार रोड									
75	खैरागढ़	छ.ग.	181	नवीन जी देशलेहरा	दुर्ग	200	52	100	5	4		3858	76	9
			182	धर्मपाल जी बोथरा	दुर्ग									
76	केसिंगा	ओड़िशा	183	सोहनलाल जी गोलेछा	नगरी (छ.ग.)	87		18				1263	36	3
			184	कन्हैयालाल जी बाफना	लखनपुरी									
77	कुसुमकसा	छ.ग.	185	मथुरा देवी वागरेचा	साजा	37	77	22	67	23		900	26	2
			186	पूर्णिमा जी नाहटा	अर्जुंदा									
78	मानपुर	छ.ग.	187	ऊषा जी नाहटा	नगरी (छ.ग.)	64		67	13	5	1	890	21	22
			188	आशा जी बंब	नगरी (छ.ग.)									
79	मुंगेली	छ.ग.	189	कीर्ति जी डागा	खरियार रोड	86		19	2	1		792		
			190	वर्षा जी बरड़िया	खरियार रोड									
			191	खुशी जी डागा	खरियार रोड									
80	मलकानगिरि	ओड़िशा	192	महेंद्र जी सुराणा	कोंडागाँव	110		65	1		1	1500	31	5
			193	सांगीलाल जी नाहटा	तोंगपाल									
81	नगरी	छ.ग.	194	सौरभ जी संघवी	इंदौर	158	4	109	9		4	2670		
			195	संतोष जी खटोड़	रायपुर									
			196	राजेंद्र जी सुराणा	रायपुर									
82	नयापारा राजिम	छ.ग.	197	चंचल जी सालेचा	देवकर	30	10	100	21		3	1500	21	3
			198	भाविका जी जैन	दूधली									
83	परपोडी	छ.ग.	199	मूलचंद जी सेठिया	रायपुर	40		40	5	50		621	32	20
			200	महावीर जी चोरड़िया	मल्कानगिरी									
			201	ललित जी पारख	धमधा									
			202	हर्षित जी सांखला	बीजा									
84	राजनांदगाँव	छ.ग.	203	निर्मल जी संघवी	इंदौर	883	38	648	73	57	11	14200	327	182
			204	राहुल जी मेर	बांसवाड़ा									
			205	संगीता जी संघवी	इंदौर									
			206	संतोष जी अब्बानी	मंदसौर									
85	संबलपुर भानु	छ.ग.	207	जिनेंद्र जी जैन	सवाई माधोपुर	29		19	2			3100	37	4
			208	रवि जी जैन	सवाई माधोपुर									
			209	अजय जी जैन	सवाई माधोपुर									
86	सोनारपाल	छ.ग.	210	प्यारी बाई नाहटा	जगदलपुर	95	3	40	1			2000	60	30
			211	सरोज जी पारख	जगदलपुर									
87	सुकमा	छ.ग.	212	मनोज जी डागा	खरियार रोड	39		49	8	23		1618		
			213	यश जी नाहटा	नगरी									
88	तोंगपाल	छ.ग.	214	पवन बाई बाफना	अर्जुंदा	58		55	12			1176	42	2
			215	मिनी जी चोरड़िया	मल्कानगिरी									
89	बिरगुड़ी	छ.ग.	216	प्रकाश जी गोलछा	रायपुर	17		4	1			135		
			217	लीना जी गोलछा	बिरगुड़ी									

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
90	भिलाई	छ.ग.	218	पारस बाई टाटिया	भिलाई	30		50	5		4	1145		15
			219	संध्या जी पुगलिया	भिलाई									
91	अहिवारा	छ.ग.	220	वंदना जी बाफना	अहिवारा				2		1	601		2
			221	मीतिका जी बाफना	अहिवारा									
92	सेलंबा	गुज.	222	सोहनलाल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	130	13	20	4	1		1752	27	3
			223	रोशनलाल जी लोढ़ा	चित्तौड़गढ़									
93	मुंबई-बोरीवली	महा.	224	पूरणप्रकाश जी गांधी	सिंगोली									
			225	आभाकिरण जी गांधी	धागड़मऊ									
			226	तेज कुमार जी तातेड़	इंदौर	99	2	125	15	1	2	2100	200	50
			227	रूपेश जी भंडारी	खिरकिया									
			228	संपतराज जी रांका	मुंबई									
94	म्हसवड	महा.	229	कंचन जी भंडारी	खिरकिया	91		36	1			1365	14	6
			230	संगीता जी भंडारी	खिरकिया									
95	मंदाना	महा.	231	विजय जी बाफना	शिरपुर	38		25	1	1		990	43	3
			232	प्राची जी बाफना	शिरपुर									
			233	नैतिक जी लोढ़ा	खेतिया									
			234	कुशल जी बाफना	शिरपुर									
96	निमगुल	महा.	235	दिलीप जी कोटडिया	शहादा	24	2	31	8	12	4	712		2
			236	शीतल जी चोरड़िया	शहादा									
97	परतवाड़ा	महा.	237	रोशनलाल जी कोठारी	चिकारड़ा	110	6	70	8		8	1234	12	7
			238	रमेशचंद्र जी मट्ठा	मुंबई									
98	शिरुड़	महा.	239	आशा जी पगारिया	जलगाँव	125	16	70	15			2160	87	30
			240	योगिता जी कोटड़िया	शहादा									
			241	ऋषभ जी धारीवाल	धुलिया									
100	सिंधी रेलवे	महा.	242	बंशीलाल जी दुग्गड़	अमरावती	39		11	2			332	29	35
			243	निर्मल जी मुणोत	जलगाँव									
			244	राजेंद्र जी चौपड़ा	जलगाँव									
101	बिराटनगर	नेपाल	245	नितिन जी तातेड़	इंदौर	30		50	5			450	30	19
			246	अशोक जी गांधी	इंदौर									
102	फॉरबिसगंज	बिहार	247	मनोज कुमार जी बोहरा	खेतिया	44	1	133	8			1555	5	15
			248	प्रतीक जी लोढ़ा	खेतिया									
103	कूच बिहार	प.बं.	249	पुष्पा जी सुखलेचा	बेंगलुरु	4		32	3	1	1	439		
			250	राजी बाई डागा	श्रीरामपुरम									
			251	शांता बाई खिवसरा	बेंगलुरु									
			252	शांता बाई मांडोत	बेंगलुरु									
104	दिनहटा	प.बं.	253	हेमंत जी आंचलिया	बेंगलुरु	25		26	5	3		958	17	6
			254	निर्मल जी मोगरा	बेंगलुरु									
105	हिंदमोटर	प.बं.	255	सीमा जी कोठारी	बेंगलुरु	18		36				488	30	18

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
			256	भारती जी मुणोत	बेंगलुरु									
			257	मंजू जी छाजेड़	बेंगलुरु									
106	रायगंज	प.बं.	258	राजेंद्र जी ओरा	इंदौर	41		92				1008	18	2
			259	कमल जी पिरोदिया	रतलाम									
107	सैंथिया	प.बं.	260	अभय जी मुणोत	रतलाम	47	3	100	2	3		615		3
			261	मनसुखलाल जी गांधी	रतलाम									
108	रामपुराहाट	प.बं.	262	श्रीचंद जी बोथरा	रामपुराहाट	12		29	2			415		5
109	कोलकाता	प.बं.	263	वीरेंद्र जी गेलड़ा	हावड़ा			30				200		25
110	राँची	झार.	264	गौतम जी रांका	मुंबई	31		65	9	3		856	34	
			265	सुरेश जी बोरदिया	मुंबई									
111	हंसूर	कर्ना.	266	पन्ना बाई मेहता	बेंगलुरु	50	1	30				862	41	4
			267	रेखा जी कोठारी	बेंगलुरु									
			268	रेणुका जी बैद	बेंगलुरु									
112	कडुर	कर्ना.	269	पारसमल जी मुथा	बेंगलुरु	23		41	2			781	26	13
			270	दिलीप जी डागा	बेंगलुरु									
113	होलेनरसीपुर	कर्ना.	271	रमेशचंद जी बैद	बेंगलुरु	19		38	2			359	8	4
			272	विनोद जी कांकरिया	मेट्टुपालयम									
			273	अशोक जी कोठारी	होलेनरसीपुर									
114	नंजनगुड	कर्ना.	274	मिश्री बाई दक	बेंगलुरु	15		40				4000		
			275	वर्षा जी लोढ़ा	बेंगलुरु									
			276	उर्मिला जी जैन	बेंगलुरु									
115	विशाखापट्टनम	आं.प्र.	277	विनीत जी लोढ़ा	बेंगलुरु	25		30	4	2		670	12	
			278	ललित जी कांकरिया	सेलम									
			279	संजय जी बोहरा	सेलम									
116	बंगईगाँव	असम	280	पुष्पा जी ओस्तवाल	कलंगपुर	76		67	2	1	2	2156	15	6
			281	अनिता जी बाफना	लखनपुरी									
			282	ज्योति जी ओस्तवाल	कलंगपुर									
117	बिलासीपाड़ा	असम	283	सरला देवी सांखला	खैरागढ़	42		78		8	3	2100		7
			284	राधा देवी सांखला	रायपुर									
118	डिब्रूगढ़	असम	285	चंदनमल जी छल्लाणी	बीकानेर	18		48	6			562	12	4
			286	मोहित जी पटवा	बीकानेर									
119	गोलकगंज	असम	287	प्रवीणा जी मुणोत	रतलाम	9	7	14	4			518		2
			288	पुष्पा जी चोरड़िया	रतलाम									
120	करीमगंज	असम	289	सुभाष जी गोखरू	इंदौर	111	6	152	9		1	2417	13	7
			290	मनोहरलाल जी ओरा	मनावर									
121	कोकराझाड़	असम	291	धीरज जी चोरड़िया	मुंबई	30		45	6		1	719	15	10
			292	नवनीत जी बाँठिया	बीकानेर									
122	लालाबाजार	असम	293	सुशील जी गोरेचा	रतलाम	98		74	6		1	1775	31	

सं.	सेवा क्षेत्र	राज्य	सं.	स्वाध्यायी का नाम	निवासी	एका.	आयं. बिया.	उपवास नीवी	बेला	4 से 7 तेला	अठाई	सामायिक नौ	दया	पौषध संवर
			294	राकेश जी देवड़ा	रतलाम									
123	सिलचर	असम	295	ललित जी कटारिया	रतलाम	253	12	385	25	10		17500	80	40
			296	दिव्यम जी देवड़ा	रतलाम									
			297	विनिशा जी कटारिया	रतलाम									
124	सिलापथार	असम	298	प्रीति जी मुणत	रतलाम	76	1	74	20	3	1	1432	30	13
			299	स्नेहा जी मुणत	रतलाम									
125	तेजपुर	असम	300	सुरेंद्र जी डागा	इस्लामपुर	76	1	66	9	2		648	4	18
			301	दिलीप जी मुणत	रतलाम									
126	टंगला	असम	302	धर्मचंद जी नंदावत	बेंगलुरु	65	5	3	8	1		1251		
			303	विजय जी मांडोत	बेंगलुरु									
127	चेन्नई तोंडीयारपेठ	त.ना.	304	अशोक जी नागौरी	बेंगलुरु	68		113	39	6		3900		25
			305	मांगीलाल जी छल्लाणी	चेन्नई									
			306	मोनिका जी चंडालिया	चेन्नई									
128	चेन्नई अन्नानगर	त.ना.	307	शुभम् जी वया	चेन्नई	20	2	40				1000		4
			308	आरती जी रांका	चेन्नई									
			309	मंजू जी कोठारी	चेन्नई									
129	रेड हिल्स	त.ना.	310	सुमति जी कांकरिया	चेन्नई	155	1	90	5	3		1726		
			311	गिरीश जी कुकड़ा	चेन्नई									
			312	ललित जी बाबेल	चेन्नई									
			313	कृतिका जी कांकरिया	चेन्नई									
130	रैले, उ. कैरोलिना (अमेरिका)		314	किरण जी भड़कत्या	बदनावर	47	1	29	7		1	350		4
			315	सुनीता जी आंचलिया	अमेरिका									
					कुल योग	8470	404	7945	844	285	81	223150	3438	1614

खिलते सुमन उभरती प्रतिभा

परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री रामलाल जी म.सा. एवं बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा. की अनुकंपा से किशनगढ़ निवासी 8 वर्षीय बालिका **हीरांशी** सुपौत्री भागचंद जी कोठारी, सुपुत्री जितेंद्र जी-अर्पिता जी कोठारी ने इस अल्पवय में सामायिक सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र, भक्तामर स्तोत्रम्, पुच्छिंसु णं की 29 गाथाएँ आदि कंठस्थ कर अपनी विशिष्ट प्रतिभा का परिचय दिया है। ऐसी प्रतिभाएँ समाज के लिए अनुकरणीय हैं। हमें भी अपने बच्चों को जैन संस्कार पाठशाला में भेजना चाहिए। होनहार बालिका के अभिभावकों को बहुत-बहुत साधुवाद।

- राष्ट्रीय संयोजक, समता समता पाठशाला

विविध भेंट मार्फत

01 नवम्बर से 30 नवम्बर 2024

संघ सदस्यों द्वारा समय-समय पर संघ की विभिन्न गतिविधियों में आर्थिक सहयोग हेतु भेंट राशि प्रदान की जाती है, ताकि विभिन्न गतिविधियाँ, प्रवृत्तियाँ निर्विघ्न गतिमान रहें। इसी कड़ी में विभिन्न प्रवृत्तियों में उदार महानुभावों के सौजन्य से प्राप्त भेंट का उल्लेख आपके समक्ष है –

*** संघ महाप्रभावक सदस्यता (सौजन्य से प्राप्त) ***

4,40,000/– सुंदरलाल जी पींचा, गुवाहाटी
2,20,000/– जयंतीलाल जी गांधी, अंकलेश्वर
2,20,000/– गौतम जी गांधी, अंकलेश्वर
2,20,000/– प्रकाशचंद जी गांधी, अंकलेश्वर
2,20,000/– सोहनलाल जी रांका, ब्यावर
25,000/– अमरचंद जी मथुरा बाई बाघरेचा, साजा

**** संघ प्रभावक सदस्यता (सौजन्य से प्राप्त) ****

1,00,000/– प्रकाशचंद जी मेहता, बड़ीसादड़ी

***** महत्तम महोत्सव (सौजन्य से प्राप्त) *****

11,00,000/– भैरुलाल जी संपतराज जी तेजमल जी दक, बेंगलुरु
11,00,000/– गुप्तदान, जोधपुर
10,00,000/– प्रकाश जी सूर्या, उज्जैन
5,00,000/– कमलचंद जी बच्छावत, कोलकाता
4,00,000/– अशोक कुमार जी सिपानी, चेन्नई
2,51,000/– सुरेंद्र जी भूरा, दिल्ली
2,50,000/– जयचंदलाल जी डागा, बीकानेर
2,00,000/– सुभाष जी लोढ़ा, मदुरांतकम्

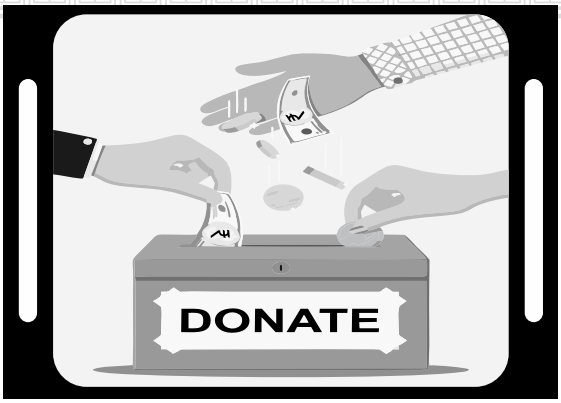

1,00,000/– बाबूलाल जी हनुमानमल जी लुणावत, दिल्ली
51,000/– चंपालाल जी संजय जी बैद, कोलकाता
51,000/– राजू बाई कटारिया, बेंगलुरु
51,000/– विमलचंद जी लुणावत, शिरपुर
51,000/– प्रदीप कुमार जी सेठिया, कोलकाता
25,000/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा
21,000/– छोटेलाल जी चोरड़िया, राँची
21,000/– तनसुख जी गुलेच्छा, जोधपुर
2,100/– गुप्तदान

***** समता भवन प्रवृत्ति (सौजन्य से प्राप्त) *****

8,05,000/– गुप्तदान
25,000/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा
5,555/– अजय जी घोटा, रतलाम (श्री भंवरलाल जी की पुण्यस्मृति में)

समता भवन, रायपुर

3,00,000/– अर्पित जी गौतम कुमार जी गोखरू, जयपुर द्वारा ललित जी श्रीश्रीमाल, रायपुर से प्राप्त

समता भवन, हावड़ा

2,00,000/– समता युवा संघ, हावड़ा

************ इदं न मम ************

5,00,000/– शांतिलाल जी सांड, बेंगलुरु

2,51,000/- माणकचंद जी डागा, बेंगलुरु
83,100/- बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा
55,000/- प्रदीप कुमार जी पोरवाड़, खारघर, नवी मुंबई
37,500/- एस. कैलाशचंद जी गुरलिया, बेंगलुरु
31,000/- राजू बाई कटारिया, बेंगलुरु
22,000/- निकुंज जी अशोक कुमार जी कोठारी, सूरत
11,111/- मनोहरी देवी झंवरलाल जी भूरा, जलगाँव
11,000/- विजय कुमार जी संचेती, रायपुर
11,000/- आभा जी लुणावत, शिरपुर
11,000/- सुशील जी गोरेचा, रतलाम
11,000/- सुरेंद्र कुमार जी अभिषेक जी चोरड़िया, चेन्नई
11,000/- जयचंदलाल जी भूरा, करीमगंज
11,000/- रीता जी अजीत जी ललवानी, बांसवाड़ा
11,000/- गुप्तदान
11,000/- दिनेश जी ललवानी, करीमगंज
10,200/- सोहनलाल जी चोरड़िया, चेन्नई
8,000/- अशोक जी जय सिंह जी डागा, अलीपुरद्वार
5,100/- पंकज जी आशीष जी मेहता, बड़ीसादड़ी
5,100/- गुप्तदान
5,100/- मुकेश जी बोहरा, सूरत
5,100/- सुदीप जी पटवा, सूरत
5,100/- विनोद कुमार जी राखेचा, शिरपुर
5,000/- सुरेंद्र कुमार जी बक्शी, करीमगंज
5,000/- किरण देवी मेहता, रतलाम
5,000/- मदन सिंह जी मेहता, रतलाम
5,000/- अनिल जी सुनील जी बाफना, शिरपुर
5,000/- राजेश जी गुलगुलिया, सिलचर
4,100/- विकास जी बरड़िया, पांचू
3,501/- सुशील कुमार जी शाह, राजनांदगाँव
3,110/- गुप्तदान
3,100/- नरेंद्र कुमार जी रांका, बड़ीसादड़ी
3,100/- संतोष जी महेश जी बाँठिया, सूरत
3,100/- ललित कुमार जी भूरा, करीमगंज

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- मधु जी छाजेड़, हावड़ा, **सूरत से-** मदनलाल जी बोथरा, चंपालाल जी बड़ोदिया, मनोज जी सुराणा, शरद जी चोपड़ा, सोहनलाल जी नाहटा, अशोक जी प्रकाश जी देरासरिया, प्रकाशचंद जी कोठारी

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त- गुप्तदान, चेन्नई, **मनावर से-** प्रेमचंद जी रतनलाल जी नवलखा, मनोहर कुमार जी शोभागमल जी जैन, मनोज कुमार जी शोभागमल जी जैन

1,000/- बुद्धिप्रकाश जी जैन, सवाई माधोपुर
1,000/- राजमल जी भंडारी, बड़ीसादड़ी
1,000/- सुरेश कुमार जी मुर्ड़िया, कानोड़
555/- कमला बाई पुखराज जी चोपड़ा, सेलंबा
500/- मधु जी शीतल जी भाणावत, उदयपुर
500/- प्रकाश जी नागौरी, बड़ीसादड़ी
500/- रीतेश कुमार जी कांतिलाल जी जैन, मनावर

******* दानपेटी योजना *******

21,000/- खेतमल जी शेखर जी संदेश जी, धमतरी
17,451/- किशनलाल जी गौतमचंद जी कोटड़िया, धमतरी
12,000/- साहिल जी सिपानी, बेंगलुरु
11,100/- बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा
11,000/- विजय कुमार जी मुणोत, हैदराबाद
8,330/- गजेंद्र जी बैद, जयपुर
6,911/- राजेश जी रिंकल जी सांखला, धमतरी
6,000/- सूर्यप्रकाश जी नाबरिया, हैदराबाद
5,555/- स्वरूपचंद जी महेश जी संजय जी कोटड़िया, धमतरी
5,100/- रतनचंद जी नवीन जी सांखला, धमतरी
5,100/- महेंद्र जी अंकित जी बैद, हैदराबाद

5,100/– धर्मेश जी बोथरा, हैदराबाद
4,576/– संपत सिंह जी मेहता, जयपुर
3,564/– सुनीता जी मेहता, जयपुर
3,500/– योगेश जी मूथा, जयपुर
3,400/– विकास जी श्रीश्रीमाल, हैदराबाद
3,100/– प्रकाशचंद जी पितलिया, हैदराबाद
3,000/– सज्जनराज जी पितलिया, हैदराबाद

2,500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– गोवर्धनदास जी कृष्ण जी सेठिया, भीनासर, **हैदराबाद से–** जिनेश्वर कुमार जी सांखला, सुनील जी कोठारी, मांगीलाल जी पितलिया, कांतिलाल जी पितलिया

2,453/– भंवरलाल जी तिलोक जी पींचा, धमतरी
2,200/– कंवरलाल जी रमेश जी संचेती, धमतरी
2,105/– विद्या जी मूथा, जयपुर

2,100/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– श्यामलाल जी अखिलेश कुमार जी सोनी, निकुंभ, विमल कुमार जी मिन्नी, भीनासर, हनुमानमल जी पवन कुमार जी सुराणा, भीनासर, शुभकरण जी धर्मेंद्र जी मगन जी पवन जी संचेती, गंगाशहर, कौशल कुमार जी दुगड़, गंगाशहर **हैदराबाद से–** देवचंद जी विनीत जी सोनावत, अशोक कुमार जी बैद, विकास जी पितलिया, इंद्रचंद जी बेताला, महावीर जी पितलिया, अजीत जी खींचा, अरविंद जी खिंवसरा, मनोहर जी डागा, दिलीप कुमार जी श्रीश्रीमाल, सतीश जी पदावत, अशोक कुमार जी पुगलिया

2,000/– कमलचंद जी दुर्गा जी छाजेड़, धमतरी
1,993/– गुप्तदान
1,900/– हनुमान जी भूरा, गंगाशहर
1,730/– राजकुमार जी सांड, जयपुर
1,716/– अभय जी नाहर, जयपुर
1,510/– सुशीला बाई चोरड़िया, धमतरी

1,500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– शेरमल जी विजय कुमार जी छाजेड़, धमतरी, भंवरलाल जी राहुल जी छाजेड़ धमतरी, विशनराज जी पितलिया, हैदराबाद, प्रदीप कुमार जी कोठारी, गंगाशहर, मोहनलाल जी चंद्रप्रकाश जी दफ्तरी, भीनासर

1,340/– ऋषभ जी जैन, जयपुर
1,300/– अशोक जी पंकज जी पोरवाल, निकुंभ
1,180/– सूरजमल जी आकाश जी चोरड़िया, धमतरी
1,121/– मानमल जी कमलेश जी सोनी, निकुंभ
1,110/– उमेश कुमार जी सुराणा, गंगाशहर
1,110/– सुशीला जी पालावत, जयपुर
1,101/– सुरेंद्र जी सुराना, हैदराबाद

1,100/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– विमल कुमार जी तातेड़, हैदराबाद, गुप्तदान, हैदराबाद, **धमतरी से–** संजय जी तुषार जी गोलछा, संतोष कुमार जी मनीष कुमार जी बाफना, फूलचंद जी नरेश कुमार जी ललवानी, विनोद कुमार जी पींचा, खुशालचंद जी विजय जी पींचा, सोमिल जी छाजेड़, लूणकरण जी दीपक जी बाफना, उत्तमचंद जी विशेष जी लोढ़ा, भागचंद जी प्रदीप जी बुरड़, कमलेश जी शुभम जी संचेती, किशोर जी रौनक जी नाहर, कपूरचंद जी प्रखर जी नाहर, हरीश कुमार जी पीयूष जी गांधी, गुंजन जी लोढ़ा, प्रदीप जी चिराग जी गांधी, सुभाष जी कान्हा जी गांधी, अनुराग जी पूजा जी मिन्नी, **निकुंभ से–** बलवंत कुमार जी निखिल कुमार जी सोनी, महावीर जी गौरव जी मेहता, हरि सिंह जी दिनेश जी मेहता, पारसमल जी प्रिंस कुमार जी सहलोत, विनोद कुमार जी महावीर जी सहलोत, राजमल जी सुबाहु कुमार जी सोनी, सुनील कुमार जी चिराग कुमार जी पोरवाल, लालचंद जी नवीन कुमार जी सोनी, भानु कुमार जी भरत कुमार जी सोनी, मनोहरलाल जी लक्ष्मीलाल जी चपलोत, अशोक कुमार जी बबलू कुमार जी मेहता, विशाल कुमार जी मनीष कुमार जी सोनी, अमृतलाल जी सुनील जी सहलोत, **गंगाशहर से–** प्रकाशचंद जी सुराणा, मगनमल जी सुराणा, धनपतराय जी पुष्पा देवी सुराणा, जयचंदलाल जी भूरा, अभय कुमार जी बच्छावत, बागमल जी

बोथरा, कन्हैयालाल जी ऋषभ जी बोथरा, बच्छराज जी प्रेम देवी डागा, माँ सुसवानी स्टोर, तिलोकचंद जी धारीवाल, सुंदर देवी बोथरा परिवार, नरेश कुमार जी पुगलिया, पुष्पदंत जी नाहटा, अमरचंद जी सांड, मोहनलाल जी फतह देवी लुणावत, विनोद कुमार जी सिपानी, प्रकाशचंद जी नाहटा, जेठमल जी अजय जी फलोदिया, डूंगरमल जी सेठिया, राजकुमार जी तरुण जी भंसाली, मूलचंद जी बैद, अजित कुमार जी नवलखा, मनीष कुमार जी नाहटा, सुरेंद्र कुमार जी सेठिया, शांतिलाल जी छल्लाणी, चंचल जी नीलम देवी बोथरा, संपतलाल जी भंसाली, **भीनासर से**– ताराचंद जी बरड़िया, पीरदान जी कांतिलाल जी पटवा, शुभकरण जी सेठिया, मुन्नालाल जी चोरड़िया, चंद्र कुमार जी मिन्नी, टेकचंद जी बरड़िया, कुसुम कुमार जी जेठमल जी सेठिया, रत्ना देवी पुगालिया, प्रकाशचंद जी अरविंद जी पटवा

1,000/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– मेघराज जी डागा, गंगाशहर, **निकुंभ से–** पंकज कुमार जी आदित्य जी सहलोत, प्रकाशचंद जी कन्हैयालाल जी सहलोत, जीवन कुमार जी प्रदीप कुमार जी सोनी, गौतम कुमार जी अभिषेक जी मेहता, राजेंद्र कुमार जी प्रमोद जी सहलोत, समरथमल जी दिलीप जी सहलोत, विजय कुमार जी (लाला) सहलोत, नक्षत्रमल जी राकेश जी सहलोत

800/– हनुमानमल जी लूणकरण जी सुराणा, गंगाशहर

712/– ज्ञानचंद जी बंब, जयपुर

710/– कंवरलाल जी दिलीप जी संचेती, धमतरी

701/– कन्हैयालाल जी बोथरा, गंगाशहर

701/– लूणकरण जी धीरज जी सेठिया, भीनासर

700/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– पंपलेश जी अनुभव जी बैंगानी, धमतरी, सेवा बाह्य, हैदराबाद, **निकुंभ से–** सुनील कुमार जी सुशील कुमार जी सहलोत, आजाद कुमार जी सुशील कुमार जी सहलोत, सुरेश कुमार जी सहलोत, जीवन कुमार जी शौकिन कुमार जी पोरवाल, राजेश कुमार जी पीयूष कुमार जी सहलोत, **गंगाशहर से–** महेंद्र जी कुंदनमल जी सांड, करणीदान जी दिलीप कुमार जी कातेला, पारसमल जी भूरा, सोहनलाल जी नवलखा, जसकरण जी बोथरा, मांगीलाल जी शेखर जी बोथरा, **भीनासर से–** धनराज जी नाहटा, मानमल जी बरड़िया, राजकुमार जी पुगलिया, दानमल जी उत्तम कुमार जी सेठिया, संपतलाल जी जतन देवी पटवा, सुंदरलाल जी सुमित कुमार जी बुच्चा

601/– साधना जी जैन, जयपुर

600/– राजेश कुमार जी रजत कुमार जी मेहता, निकुंभ

600/– शिखरचंद जी भूरा, गंगाशहर

575/– मेघना जी तातेड़, जयपुर

550/– सुरेंद्र कुमार जी नरेंद्र कुमार जी डागा, गंगाशहर

520/– छगनमल जी अखेचंद जी मिन्नी, भीनासर

515/– महेंद्र कुमार जी मिन्नी परिवार, गंगाशहर

500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– कुणाल जी जैन, दलोट, निर्मला जी बैद, जयपुर **धमतरी से–** हस्तीमल जी आकाश जी बुरड़, शिवरत्न जी विकास जी भूरा, शुभम् कुमार जी मिन्नी, मोतीलाल जी प्रवीण कुमार छाजेड़, महावीर जी अखिल जी ओस्तवाल, मनोज जी मिन्नी, **निकुंभ से–** चेतन कुमार जी कुंदनमल जी सोनी, अनिल कुमार जी रौनक जी सोनी, कन्हैयालाल जी अभय कुमार जी सोनी, सुरेश कुमार जी अजय कुमार जी मेहता, विनयचंद जी मनोज जी सहलोत, सुनील कुमार जी अश्विन जी सहलोत राजेंद्र जी पंकज जी पोरवाल, नक्षत्रमल जी नवरतन जी पोरवाल, बाबूलाल जी अनिल जी पोरवाल, दिनेश कुमार जी अमित जी पोरवाल, नरेंद्र कुमार जी बलवंत कुमार जी मेहता, वृद्धिचंद जी गौतम कुमार जी मेहता, प्रकाशचंद जी पंकज जी सोनी, गुलाबचंद जी सहलोत, तिलकराज जी रवि कुमार जी सहलोत, पारसमल जी हर्षित कुमार जी धींग, रमेश कुमार जी अनिल कुमार जी सहलोत, दिनेश कुमार जी संदीप कुमार जी सोनी, सुनील कुमार जी मोहित कुमार जी सहलोत, विजय कुमार जी नितिन कुमार जी

सहलोत, भावी कुमारी जी भव्या कुमारी जी पितलिया, हेरीलाल जी कमलेश कुमार जी सहलोत, रमेश कुमार जी आदित्य कुमार जी सोनी, तिलकराज जी कमलेश जी धींग, पंकज कुमार जी मनोज कुमार जी सहलोत, राधाकिशन जी इंद्रमल जी सुथार, दिनेश कुमार जी आशीष कुमार जी सहलोत, रोडमल जी नितेश कुमार जी सहलोत, संजीव कुमार जी अनीश कुमार जी सहलोत, रोडमल जी हरीश कुमार जी खाबिया, सुरेश कुमार जी गौरव कुमार जी सोनी, जीवनलाल जी प्रकाशचंद जी सोनी, रत्नेश कुमार जी मनीष कुमार जी सोनी, सुंदरलाल जी पंकज कुमार जी सोनी, श्यामलाल जी चिराग कुमार जी सोनी, **हैदराबाद से–** लखन जी जैन, संजय जी बैद, प्रकाश जी भूरा, **गंगाशहर से–** शिखरचंद जी अरविंद जी लुणावत, दुर्गा ट्रेडिंग कंपनी, शिखरचंद जी पींचा, देवेंद्र कुमार जी भूरा, विमल कुमार जी सोनावत, सुंदरलाल जी सिपानी, जतनलाल जी सुराणा, गुप्तदान, विमल कुमार जी भूरा, शुभकरण जी संजय कुमार जी बैद, शिखरचंद जी बैद, केवेंद्र जी सुखाणी, संतोकचंद जी पंकज जी बुच्चा, अनूपचंद जी अरविंद जी बोथरा, किशनलाल जी जय कुमार जी अजय जी बोथरा, आशकरण जी कंचन देवी बैद, छगनमल जी राजेंद्र जी फलोदिया, माणकचंद जी प्रदीप जी सुराणा, रेवंतमल जी बक्सीराम जी बुच्चा, माणकचंद जी भूरा, अजीत कुमार जी डागा, संतोष देवी नाहटा, मालचंद जी दिलीप कुमार जी भंसाली, निर्मल कुमार जी बरड़िया, प्रदीप कुमार जी भूरा, लिच्छीराम जी जेठमल जी बच्छावत, अशोक कुमार जी बैद, पूनमचंद जी डागा, सुरेंद्र कुमार जी सरोज देवी डागा, पवन कुमार जी डागा, सूरजमल जी बोथरा, ईश्वर चंद जी पींचा, इंद्रचंद जी सुमित जी सुराणा, इंद्रचंद जी महेंद्र कुमार जी सिपानी, इंद्रचंद जी राजेश कुमार जी सिपानी, शिखरचंद जी पवन कुमार जी बैद, पूनमचंद जी सोनावत, चैनरूप जी राखेचा, सुंदरलाल जी बख्शी, जेठमल जी सुराणा, निर्मल कुमार जी संचेती, राजेंद्र कुमार जी बुच्चा, मूलचंद जी बोथरा, सुशील कुमार जी भोमेश कुमार जी बोथरा, अशोक कुमार जी भूरा, जीवराज जी सौरभ जी बाँठिया, शांतिलाल जी बरड़िया, शुभकरण जी बोथरा, ओमप्रकाश जी चोरड़िया, शिखरचंद जी जितेंद्र कुमार जी सेठिया, इंद्रचंद जी भंसाली, देवेंद्र कुमार जी डागा, सुगनचंद जी आशा देवी सांड, सुभाष जी लुणिया, तिलोकचंद जी दफ्तरी

भीनासर से– बुधमल जी महेंद्र जी सेठिया, सुंदरलाल जी पुगलिया, भंवरलाल जी पुगलिया, लूणकरण जी दफ्तरी, सुंदरलाल जी चोरड़िया, कुंदनमल जी सुमेरमल जी बरड़िया, झंवरलाल जी पारस कुमार जी बरड़िया, डालचंद जी कानीराम जी मिन्नी, जयचंदलाल जी बरड़िया, मोहनलाल जी चोरड़िया, ज्ञानचंद जी ओमप्रकाश जी सेठिया, प्रियंका जी प्रदीप जी सेठिया, अमरचंद जी पंकज कुमार जी दफ्तरी

********** जीवदया **********

21,000/– पृथ्वीराज जी पारख, दुर्ग

12,500/– समता महिला मंडल, शहादा

11,000/– श्री साधुमार्गी जैन संघ, राजनांदगाँव

11,000/– गौतमचंद जी महावीरचंद जी धारीवाल, पुणे

5,100/– मांगीलाल जी जारोली, मंगलवाड़ चौराहा (वीर माता श्रीमती धापू बाई जारोली की पुण्यस्मृति में)

5,000/– सोमेश्वर जी सिपानी, अहमदाबाद

5,000/– बंशीलाल जी नाहटा, सुकमा

4,196/– प्रदीप कुमार जी सेठिया, कोलकाता

4,000/– धर्म जी नवीन जी गेलड़ा, बेंगलूरु

2,100/– अरुण कुमार जी पुलकित जी पारख, बालोतरा

2,100/– झवेरीलाल जी वैभव जी बाघमार, बालोतरा

2,000/– गुप्तदान

1,100/– जतनलाल जी बसंती देवी पुगलिया, गंगाशहर (श्री दीपक जी पुगलिया की पुण्यस्मृति में)

1,100/– सागरमल जी सुराणा, बेगूँ

550/– कमला देवी बच्छावत, बीकानेर

500/– सुशील जी बच्छावत, बीकानेर

********** संघ सहयोग **********

5,100/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा

1,000/– गुप्तदान

****** साधुमार्गी पब्लिकेशन सहयोग ******

1,25,000/– देवेंद्र जी सेठिया, विराटनगर

****** विहार सेवा संयोजन सदस्यता ******

1,00,000/– उगमचंद जी कोठारी, चेन्नई

****** समता साहित्य स्टॉल अनुदान ******

32,000/– उदयचंद जी अशोक कुमार जी डागा, अहमदाबाद (श्रीमती अणची देवी डागा, नोखा की प्रथम पुण्यतिथि पर)

11,000/– ललिता जी राजेश जी रांका, मुंबई

6,000/– बंशीलाल जी नाहटा, सुकमा

5,000/– गौतम जी उत्तम जी दुगड़, मनेंद्रगढ़

5,000/– रीता जी अजीत भाई ललवानी, बांसवाड़ा

5,000/– राजेंद्र कुमार जी मेड़, बांसवाड़ा

5,000/– शांतिलाल जी दुल्हराज जी रांका, जयनगर

5,000/– मूलचंद जी एवंत जी डागा, बीकानेर

5,000/– रवि जी कटारिया, रतलाम

4,100/– शांतिलाल जी विजयराज जी गौतम जी विनोद जी मूथा, ब्यावर

3,300/– अभिनव ऑटोमोबाइल्स, रतलाम (श्री आनंदीलाल मुरार की स्मृति में)

3,000/– सुशीला जी गोरेचा, रतलाम

2,500/– दिलीप जी बैद, जयपुर

2,100/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– हिमांशु जी बाघमार, भीलवाड़ा, इंद्रचंद जी महावीरचंद जी पारख, नोखा, विशालचंद जी ललवानी, बालोद, पदमचंद जी प्रखरचंद जी सांड, ब्यावर, प्रवीण कुमार जी धर्मचंद जी चोरड़िया, बालाघाट, कमला देवी कोठारी, उदयपुर

2,000/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– सोनराज जी बाँठिया, दुर्ग, सतीश जी ओस्तवाल, दुर्ग, मोहनचंद जी रखबचंद जी कटारिया, रतलाम, समीर जी नागौरी, नीमच, मोहनलाल जी बाफना, रायपुर, अमरचंद जी संजय कुमार जी बाफना, अर्जुंदा, दशरथमल जी बाफना, रतलाम

1,500/– सुंदर बाई वैद्य, बालाभाट

1,500/– अनिल कुमार जी लुणिया, बदनावर

1,100/– प्रकाश जी गांधी, अंकलेश्वर

1,100/– मनीष कुमार जी कोठारी, चेन्नई

1,100/– रामलाल जी चोरड़िया, नोखा

1,000/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– ईशान जी चौधरी, बेगूँ, शैलेंद्र कुमार जी भंडारी, नीमच, धर्म जी नवीन जी गेलड़ा, बेंगलूरु , गुप्तदान, कार्तिक कुमार जी पारख, लुधियाना, जसवंत कुमार जी मांडोत, बेंगलुरु, निर्मल कुमार जी मोगरा, बेंगलूरु, मिश्रीलाल जी देसरला, बेंगलुरु, दिलीप जी बाघमार, भीलवाड़ा

500/– सुरेशचंद जी जैन, सवाई माधोपुर

500/– प्रकाशचंद जी अजीत जी डूंगरवाल, भीलवाड़ा

***** समता सरिता सेवा (विहार सेवा) *****

15,000/– जयप्रकाश जी कोटड़िया, नंदुरबार (विरदी बाई नथमल जी कोटड़िया के स्वर्ण सीढ़ी आरोहण पर)

2,100/– आशीष जी चोरड़िया, चेन्नई

****** समता जनकल्याण प्रन्यास ******

11,000/– बालभाई महेश जी नपावलिया, मोड़ी (श्री झमकलाल जी नपावलिया की पुण्यस्मृति में)

******* समता संस्कार पाठशाला *******

5,100/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा

2,100/– गौतमलाल जी मारू, चित्तौड़गढ़

1,100/– मोनालिसा जी लोकेश जी जैन, रायपुर

1,100/– विनय जी बोथरा, गंगाशहर

✻✻✻✻✻✻ समता मिति योजना ✻✻✻✻✻✻

5,100/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा

✻ श्रमणोपासक आजीवन सदस्यता सहयोग ✻

5,100/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा

✻✻✻✻✻✻✻ श्रमणोपासक भेंट ✻✻✻✻✻✻✻

5,100/– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा

✻✻✻✻✻✻✻ समता प्रचार संघ ✻✻✻✻✻✻✻

1,100/– नवरतन जी भूरा, कूचबिहार

✻✻✻ सर्वधर्मी सहयोग (महिला समिति) ✻✻✻

21,000/– श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट (समता महिला मंडल, अहमदाबाद)

10,000/– रूपल जी अनीश जी शाह, रायपुर (श्रीमती विजयलक्ष्मी जी चिमनलाल जी डोमडिया की पुण्यस्मृति में)

5,000/– सूरज बाई आंचलिया, ब्यावर

3,100/– इशिता जी जैन, जयपुर

2,600/– मंजू जी श्रीश्रीमाल, ब्यावर

2,500/– शालिनी जी लुणावत, जयपुर

2,100/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– बाबूलाल जी मनीष कुमार जी राजेश कुमार जी आयुष कुमार जी अंगूरबाला जी पोखरना परिवार, जावरा, **ब्यावर से–** शोभा देवी कोठारी, संतोष जी कांकरिया, अमृता जी ढ़ेढ़िया, समता जी खींचा, **जयपुर से–** निशि जी बंब, सूर्यकांत जी मेहता, ऊषा जी ज्ञानचंद जी मूथा, मोनिका जी बोरदिया, राजरानी जी मूथा, ऊषा जी मूथा, कल्पना जी विनायकिया, विद्या जी मूथा, निर्मला जी बैद, कुसुम जी मेहता, शिमला जी नाहर, श्रेया जी सिंघवी

2,000/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– चुकी कँवर जी बोरुंदिया, ब्यावर, ऊषा जी कोठारी, ब्यावर, पूजा जी गोलछा, जयपुर, रजनी जी बोराड़, जयपुर

1,500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– कणिनिका जी जैन, जयपुर, लक्ष्मी जी जैन, जयपुर, सुधा जी सिंघवी, जयपुर, सुशीला जी बैद, जयपुर

1,100/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– ब्यावर से– इंद्र जी खींचा, पारस कँवर जी बाबेल, सरोज देवी नाहटा, गुप्तदान, शिल्पी जी बाबेल, उगमा बाई सोनी, **जयपुर से–** रुचि जी बैद, एकता जी छल्लानी, संपत देवी श्रीश्रीमाल, ममता जी जैन, कंचन जी बंब, वर्षा जी रांका, प्रकाश जी पिछोलिया, सुनीता जी कातेला, सुशीला जी पालावत, शर्मिला देवी सांड, पूनम जी सांड, पिंकी जी मेहता, सोनू जी मूलावत, चंदा जी रांका, आशा जी दिनेश जी जैन, रंजू जी नाहर

1,000/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– मीनाक्षी जी जैन, सवाई माधोपुर, **ब्यावर से–** खुशबू जी ओस्तवाल, कुसुम जी ओस्तवाल, **जयपुर से–** सीमा जी जैन, सुमन जी सेठिया, डिंपल जी जारोली, मंजू जी मेहता, चंचल जी गोलछा, सज्जन जी बुच्चा

700/– ममता जी श्रीश्रीमाल, ब्यावर

500/– का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त– सुशील जी बच्छावत, बीकानेर, गुप्तदान, गुप्तदान, राजनांदगाँव, गुप्तदान, दुर्ग, **ब्यावर से–** अनिता जी मुणोत, श्वेता जी बोहरा, अंजलि जी चोरड़िया, पद्मा देवी श्रीश्रीमाल, मंजू देवी बोरुंदिया, मैना देवी कोठारी, शकुंतला जी सांड, कल्पना जी सांड, मधु जी मेहता, प्रिया जी ढ़ेढ़िया, अंजना जी श्रीश्रीमाल, सज्जन बाई सामरा, **जयपुर से–** रेखा जी जैन, सुनीता जी कोठारी, सरोज जी मेहता, सोनू जी देशलेहरा, इंदू जी लूणावत, साधना जी जैन, सपना जी जैन, सुनीता जी मेहता, ऊषा जी डागा, योगिता जी जैन

:: विशेष ::

श्रमणोपासक सदस्यता–11, साहित्य सदस्यता–3, संघ साधारण सदस्यता–2, महिला समिति सदस्यता–45, समता युवा संघ सदस्यता–80

::: 1 अप्रैल 2024 से 30 नवंबर 2024 तक :::

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के बैंक खाते में निम्नलिखित राशियाँ विभिन्न दानदाताओं ने जमा करवाई हैं, लेकिन जमाकर्ता के नाम व किस मद हेतु राशि जमा की गई है इसकी सूचना कार्यालय को प्राप्त नहीं होने से ये राशियाँ संघ के सस्पेंस खाते में संयोजित हैं। अत: जिन दानदाताओं ने राशि के सामने अंकित दिनांक को ये राशियाँ जमा करवाई हैं, वे केंद्रीय कार्यालय, बीकानेर को मोबाइल नं. 7976520588 पर सूचित कर अपनी पक्की रसीद अतिशीघ्र ही प्राप्त करें।

दिनांक	*राशि*	*अन्य विवरण*
एस.बी.आई. बैंक		
02.04.24	1,100/-	UPI सिद्धार्थ
04.04.24	500/-	नकद
06.04.24	1,000/-	UPI आदित्य जैन
07.04.24	2,500/-	UPI शरत
12.04.24	501/-	UPI विपुल जैन
19.04.24	1,100/-	UPI विकास
19.04.24	1,000/-	NEFT अशोका रेजीडेंसी
29.04.24	3,256/-	UPI राजेश
07.05.24	13,000/-	UPI NAKES
13.05.24	5,100/-	नकद
14.05.24	1,100/-	UPI सिंपल
14.05.24	800/-	UPI सचिन
07.06.24	4,000/-	NEFT अभिषेक किरण स्टूडियो
10.06.24	21,000/-	By Trf.
17.06.24	2,100/-	UPI पारसमल जैन
19.06.24	2,960/-	UPI रचना
01.07.24	3,133/-	IMPS
20.07.24	3,800/-	UPI महेंद्र इलेक्ट्रिकल्स
01.08.24	3,133/-	UPI विमल कुमार
16.08.24	2,100/-	TRF
04.09.24	1,101/-	UPI ईश्वर जैन
12.09.24	31,000/-	NEFT उज्ज्वल जैन
18.09.24	8,000/-	UPI रंजना
18.09.24	5,000/-	UPI निकुंज शाह
19.09.24	6,000/-	NEFT राजेंद्र क्लॉथ
20.09.24	9,000/-	UPI ऋषभ जैन
01.10.24	1,000/-	UPI आयुर्षी
02.10.24	25,000/-	IMPS गणेश
04.10.24	30,000/-	CH.1218 DCB
04.10.24	2,500/-	नकद
07.10.24	8,000/-	UPI हरीश
23.10.24	2,000/-	UPI महावीर
29.10.24	500/-	UPI मीना
30.10.24	10,000/-	UPI सिद्धार्थ
02.11.24	2,000/-	UPI महावीर
02.11.24	2,100/-	UPI मनोज
07.11.24	7,700/-	UPI भव्य पाली
17.11.24	6,000/-	UPI रौनक
20.11.24	1,000/-	UPI पंकज
21.11.24	1,000/-	UPI नरेंद्र
22.11.24	1,000/-	UPI मनोज
25.11.24	21,000/-	UPI नम्रता
ए.यू. बैंक		
16.11.24	2,400/-	UPI शशांक जैन
26.11.24	1,150/-	UPI शांतिलाल जैन
एच.डी.एफ.सी. बैंक		
17.11.24	6,500/-	UPI
28.11.24	1,500/-	UPI

उपरोक्त भेंटदाताओं का श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा आभार व्यक्त किया जाता है। आप इसी तरह संघ के उत्थान में अपना योगदान बनाए रखें। -जय जिनेंद्र!

भावभीनी श्रद्धांजलि

जितना भुलाना चाहें,
उतनी ही याद आती है।
कुछ यादें हमसे कभी,
दूर नहीं जाती हैं।।

कभी हँसाती है हमें,
कभी आँखें नम कर जाती हैं।
कुछ यादें परछाई की तरह,
हमारा साथ निभाती हैं।।

सुश्राविका वीर माता धापू बाई जारोली, मंगलवाड़ चौराहा

धर्मनिष्ठ सुश्राविका वीर माता धापू बाई जारोली धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी निवासी मंगलवाड़ चौराहा का **88 वर्ष** की आयु में संथारा-संलेखना सहित **दिनांक 8 नवंबर 2024** को महाप्रयाण हो गया। आप सरल स्वभावी, धर्मनिष्ठ, चारित्रात्माओं की सेवा में निरंतर तत्पर रहने वाली प्रज्ञावान महिला थीं। पूर्वाचार्यों से लेकर वर्तमान आचार्य श्री रामेश के प्रति आप अटूट श्रद्धावान थीं। आप प्रत्येक वर्ष पर्युषण महापर्व में सजोड़े आचार्य श्री नानेश के दर्शनार्थ जाती थीं। स्थानक के पास ही आपका निवास होने से आपको गोचरी-पानी बहराने का लाभ सहज ही प्राप्त हो जाता था। आपने आचार्य श्री गणेशलाल जी म.सा. के कानोड़ चातुर्मास में चौका लगाकर सेवा लाभ लिया। कई वर्षों से आपके सामायिक व प्रतिक्रमण करने तथा रात्रि भोजन व जमीकंद त्याग आदि नियम थे। आपकी संसारपक्षीय सुपुत्रियाँ साध्वी श्री विशाखा श्री जी म.सा. एवं साध्वी श्री प्रगति श्री जी म.सा. आचार्य श्री रामेश की सुखद छाया में जिनशासन की प्रभावना कर रही हैं। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधू, 6 पुत्रियों, पौत्र-पौत्री, दोहिता-दोहिती सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। शासनदेव से यही प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शाश्वत सुख प्रदान करें।

:: श्रद्धानवत ::

मांगीलाल-शोभना (पुत्र-पुत्रवधू), **पराग** (पौत्र), **रुचि-दर्शन** (पौत्री-दामाद), **विजया देवी-करणमल, चंदा देवी-शांतिलाल, कला देवी-दौलत, ऊषा देवी-धनपाल, गुड्डी-किशन, माया-राजेश** (पुत्रियाँ-दामाद), **लक्ष्मी देवी, सोहन देवी** (देवरानी), **शंकरलाल पठानिया** (भाई), **यशोदा देवी, कमला देवी, कंचन देवी** (बहनें), **शांतिलाल** (बहन-कंवर सा.), **भंवरी देवी** (भाभी), **प्रकाश-शोभा, अलका, रोशन-मधु, साधना, रमेश-सीमा, उमेश-अन्नू** (भतीजा-भतीजावधू)
एवं समस्त जारोली व पठानिया परिवार, मंगलवाड़ चौराहा/अहमदाबाद ।

भावभीनी श्रद्धांजलि

जिनके शुभ कर्मों से महकता है घर-आँगन।

उनके स्मरणमात्र से दिल सम्मान से भर जाता है।।

सुश्रावक श्री मोहनलाल जी लालाणी, बीकानेर

धर्मनिष्ठ सुश्रावक स्व. श्री मोहनलाल जी लालाणी सुपुत्र स्व. श्री सोहनलाल जी लालाणी का जीवन धार्मिक गुणों से परिपूर्ण था। आप बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। देव, गुरु, धर्म के प्रति आपकी अटूट श्रद्धा व समर्पणा थी। आपको आचार्य श्री गणेशलाल जी म.सा., आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. एवं वर्तमान शासन नायक आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. के दर्शन-वंदन एवं सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आप दिन का शुभारंभ परम पूज्य आचार्य श्री नानेश एवं परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. तथा नवकार महामंत्र के पावन स्मरण से करते थे।

लंबे समय से आपका स्वास्थ्य अनुकूल नहीं होने के कारण आप सांसारिक प्रपंचों से मुक्त होकर धर्म में स्थिर हो गए थे। 27 सितंबर 2024 को आपका बीकानेर में निधन हो गया। आपके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर गतिशील आपका संपूर्ण परिवार हमेशा ही धार्मिक संस्कारों व सामाजिक सरोकारों से अपने जीवन को संघ व गुरुनिष्ठा में सर्वोपरि रखता है।

आपके पावन गुणों का स्मरण करते हुए शासनदेव से यही प्रार्थना है कि वे शीघ्र ही आपकी गुणमयी आत्मा को सिद्ध-बुद्ध-मुक्त बनाकर परम लक्ष्य मोक्ष प्रदान करें।

:: श्रद्धानवत ::

सरोज देवी (धर्मपत्नी), **विजय कुमार-बबीता** (भतीजा-भतीजावधू), **मनोज कुमार-संगीता, जितेंद्र कुमार-अंजू, पुखराज-मनीषा** (पुत्र-पुत्रवधू), **कुमुद-मिलाप जी बरमेचा, अभिलाषा-प्रशांत जी सेठिया** (पौत्री-दामाद), **ऋषभ, चिराग, मोनित, धीरज, अभिषेक** (पौत्र), **रिद्धि, हर्षा** (पौत्रियाँ) ।

:::::::::: प्रतिष्ठान ::::::::::

जे.के. टाईल्स इंडस्ट्रीज • लालाणी टाईल्स इंडस्ट्रीज • पी.के. टाईल्स इंडस्ट्रीज
बीकानेर मो. : 9828165511, 9460174004, 9352836007

विनम्र श्रद्धांजलि

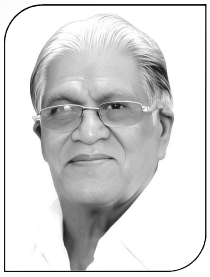

शिरपुर। सुश्रावक मिश्रीलाल जी सुपुत्र स्व. श्री बंशीलाल जी बुरड़ का 76 वर्ष की आयु में 15 अक्टूबर को देहावसान हो गया। आपका जीवन सरलता, सादगी, मृदुभाषिता, व्यवहार कुशलता एवं आत्मीयता से परिपूर्ण था। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट आस्था थी। धार्मिक कार्यों में आप हमेशा तत्पर रहते थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

गंगाशहर। सुश्राविका किसना देवी धर्मपत्नी मेघराज जी डागा बेंगलुरु प्रवासी का 76 वर्ष की आयु में 20 अक्टूबर को देहावसान हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा व आस्था थी। आपने मासखमण के साथ अनेक छोटी-बड़ी तपस्याएँ त्याग आदि ग्रहण कर जीवन भावित बनाया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

गंगाशहर। सुश्रावक मुनित जी सुपुत्र महेंद्र कुमार जी बोथरा का 27 अक्टूबर को सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। हँसमुख, मिलनसार, सेवाभावी व्यक्तित्व के धनी मुनित जी देव, गुरु, धर्म के प्रति पूर्ण समर्पित थे। सेवा कार्यों में अग्रणी रहते हुए धर्म-कर्म को जीवन की पूँजी मानते थे। संपूर्ण बोथरा परिवार संघ व शासन के प्रति अटूट श्रद्धावान है। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

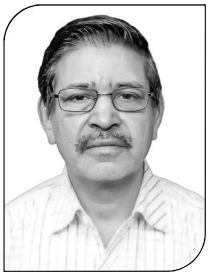

गंगाशहर। सुश्रावक शांतिलाल जी सुपुत्र स्व. श्री हेमराज जी छल्लाणी का 6 नवंबर को देवलोकगमन हो गया। आपका जीवन सादगी, सरलता व मधुरता से परिपूरित था। आप प्रतिदिन सामायिक करने व चारित्रात्माओं की सेवा का लक्ष्य रखते थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

गंगाशहर। सुश्रावक धनराज जी सुपुत्र स्व. श्री भंवरलाल जी डागा अंबिकापुर प्रवासी का 8 नवंबर को देहावसान हो गया। आपने मासखमण एवं अन्य अनेक तपों से जीवन सजाया हुआ था। हँसमुख, मिलनसार होने के साथ-साथ आप सेवा कार्यों में अग्रणी रहते थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

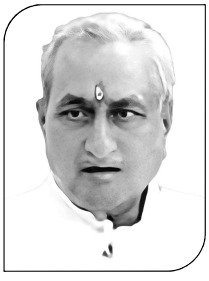

दल्लीराजहरा। सुश्रावक अन्नराज जी सुपुत्र स्व. श्री मेघराज जी बाँठिया का 82 वर्ष की आयु में 13 नवंबर को देहावसान हो गया। आप धर्मनिष्ठ, संघ समर्पित, सरल स्वभावी,

मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। आचार्य श्री नानेश-रामेश के प्रति आपकी गहरी निष्ठा व श्रद्धा थी। आपके अनेक वर्षों से रात्रिभोजन त्याग, उभयकाल प्रतिक्रमण, प्रतिदिन सामायिक करने सहित अनेक नियम थे। चारित्रात्माओं की सेवा में सदैव अग्रणी रहते थे। आपने स्थानीय संघ सहित अनेक संस्थाओं में विभिन्न पदों का निर्वहन किया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

गीदम। सुश्रावक भूरचंद जी सुपुत्र स्व. श्री कौजमल जी बुरड़ का 60 वर्ष की आयु में 15 नवंबर को

देहावसान हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश-रामेश के प्रति अटूट आस्था थी। आप साध्वी श्री सुसौम्या श्री जी म.सा. एवं साध्वी श्री सुदक्षा श्री जी म.सा. के संसारपक्षीय चाचाजी थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

कालधड़। रामाधार जी साकले का 88 वर्ष की आयु में 19 नवंबर को निधन हो गया। आप आचार्य

श्री रामलाल जी म.सा. के प्रति प्रगाढ़ श्रद्धावान थे। आप कहार समाज के मछुआरे थे, किंतु आपने जीवहत्या के कर्म को त्यागकर कृषि कार्य किया। पाँच वर्ष पूर्व डॉक्टरों द्वारा उत्तर दिए जाने के पश्चात् समस्त परिजनों ने निश्चित कर प्रतिदिन सामायिक की आराधना के साथ नवकार महामंत्र का जाप सुनाया। आपके पुत्र-पुत्रियों को सामायिक सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र आदि कंठस्थ हैं। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

जावरा। संथारा साधिका सुश्राविका सुधा जी धर्मपत्नी अशोक जी दजलाणी का चौविहार संथारे सहित 70 वर्ष की आयु में 21 नवंबर को महाप्रयाण हो

गया। आप आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति पूर्ण श्रद्धानिष्ठ थीं। प्रतिदिन सामायिक, प्रतिक्रमण आदि करने का लक्ष्य रखती थीं। आपने सरलता, धर्मनिष्ठा के साथ लालसा रहित जीवन जीया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

गोगेलाव (नागौर)। सुश्रावक भैरुदान जी सुपुत्र स्व. श्री शिरेमल जी बोथरा का 83 वर्ष की आयु

में 22 नवंबर को देहावसान हो गया। सेवाभावी, मिलनसार बोथरा जी ने अपना जीवन पूर्ण सादगी व सरलता से व्यतीत किया। प्रतिदिन सामायिक का लक्ष्य रखते थे। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अनन्य श्रद्धा व भक्ति थी। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

कंजार्ड़ा। सुश्रावक तेजमल जी सुपुत्र स्व. श्री नाथूलाल जी भंडारी का 73 वर्ष की आयु में

24 नवंबर को देहावसान हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा थी। आप व्यवहार कुशल, मृदुभाषी व सादगी से ओत-प्रोत थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

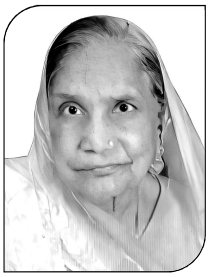

रतलाम। संथारा साधिका सुश्राविका कमला बाई धर्मपत्नी स्व. श्री कांतिलाल जी सियाल का 90 वर्ष की आयु में 4 दिवसीय संथारा संलेखना सहित 25 नवंबर को महाप्रयाण हो गया। आपको

साध्वी श्री सरिश्मा श्री जी म.सा. ने संथारे के प्रत्याख्यान कराए। परिजनों द्वारा अखंड नवकार मंत्र का जाप व धर्म ध्यान सुनाया गया। आपका जीवन धर्म-ध्यान, तप-त्याग से ओत-प्रोत था। आचार्य श्री रामेश के प्रति आपकी अटूट श्रद्धा व निष्ठा थी। आपने अठाई 8, 9, 11, 13, 14, 15, 16, 17 उपवास, मासखमण, 5 वर्षीतप, 600 आयम्बिल, चक्रवर्ती तेले 13, सिद्धि तप, धर्मचक्र सहित अनेक त्याग-प्रत्याख्यान व नियमों से जीवन धन्य बनाया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

भीनासर। सुश्रावक सुंदरलाल जी सुपुत्र स्व. श्री रेवंतमल जी चौरड़िया का 26 नवंबर को देहावसान

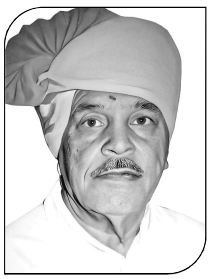

हो गया। आप सरल स्वभावी, हंसमुख एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। देव, गुरु, धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा व निष्ठा बेजोड़ थी। आपने कठोर मेहनत से जीवन में फर्श से अर्श तक का सफर तय कर संपूर्ण परिवार को धर्म का मार्ग दिखाया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

गंगाशहर/दिल्ली। सुश्राविका सुभाष देवी धर्मपत्नी देवेंद्र जी सोनावत का 27 नवंबर को 66

वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया। आपका जीवन सादगी, सरलता, मधुरता से परिपूर्ण था। प्रतिदिन सामायिक का लक्ष्य रखती थीं। आप आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश की परमभक्त थीं। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

पुणे। वीर माता सुश्राविका विमला बाई धर्मपत्नी केवलचंद जी लुणिया का 78 वर्ष की आयु में 29 नवंबर को निधन हो गया। आप साध्वी श्री सन्मतिशीला जी

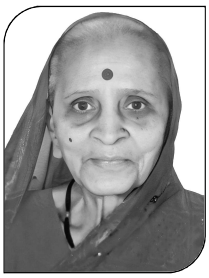

म.सा. की संसारपक्षीय माताजी थीं। आप सरल स्वभावी, प्रशांतमना, हँसमुख व्यक्तित्व की धनी थीं। अपनी इकलौती सुपुत्री की दीक्षा के पश्चात् आप लगभग 35 वर्षों से एकासन की तपस्या कर रही थीं। आपकी इच्छा अनुसार परिजनों ने देहदान कर पुण्यार्जन किया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

बेंगलुरु। सुश्राविका चंद्रकला जी धर्मपत्नी कांतिलाल जी गुलगुलिया देशनोक निवासी का 69

वर्ष की आयु में 5 दिसंबर को प्रवास स्थल बेंगलुरु में निधन हो गया। आप आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धावान रहते हुए सामायिक, प्रतिक्रमण करने का लक्ष्य रखती थीं। आप स्मृतिशेष महासती श्री चांदकँवर जी म.सा. की संसारपक्षीय भानजी थीं। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

गंगाशहर। सुश्रावक शिखरचंद जी सुराना का 66 वर्ष की आयु में 6 दिसंबर को देहावसान हो गया। आप

आचार्य श्री रामेश के अनन्य भक्त थे एवं चारित्रात्माओं की सेवा में सदैव अग्रणी रहते थे। आपने सजोड़े श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की महाप्रभावक सदस्यता ग्रहण की हुई थी। संघ के साथ-साथ आप अन्य अनेक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। आप द्वारा प्रदत्त सुसंस्कारों की राह पर चलकर आपका संपूर्ण परिवार संघ सेवा, धर्म-ध्यान व तप-दान के माध्यम से आपके सद्भावों को आगे बढ़ा रहा है। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

चिंतन की कड़ियाँ

सज्जन की पहचान व्यवहार से

सज्जन पुरुष की पहचान उसके व्यवहार से होती है। वह कितना ज्ञानी है, कितना तपस्वी है, कितना श्रेष्ठ वक्ता है, उससे सज्जनता का कोई लेना देना नहीं है। सज्जनता का सीधा संबंध व्यवहार से है। व्यक्ति का व्यवहार कैसा है? मिलने से भी बढ़कर जिसका विछोह कठिन होता है। जैसा कि कहा जाता है– **'बिछरत एक प्राण हरि लेहि'**। एक व्यक्ति का मिलना अच्छा होता है और विछोह भी अच्छा होता है। दूसरे व्यक्ति का मिलना तो अच्छा होता ही है, किंतु विछोह प्राण हरण जैसा होता है। यह सज्जन पुरुषों की पहचान है। उनके व्यवहार से लोग इतने प्रभावित हो जाते हैं कि उनका अलगाव असह्य हो जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम वन में रहे, किंतु उनका व्यवहार वनवासियों को इतना भाया कि उनका विछोह सहना उनके लिए कठिन हो गया था। प्रश्न होगा कि सज्जन पुरुष के व्यवहार में ऐसी क्या खासियत होती है कि लोग उनका विछोह सह नहीं पाते। इसका उत्तर यह है कि उनका व्यवहार अद्भुत होता है। उनके व्यवहार में महत्त्वपूर्ण बात यह होती है कि उनमें आत्मीयता व वात्सल्य भरा रहता है। वे व्यवहार वात्सल्य से इतना स्निग्ध होता है कि अन्य जन सहज ही उनसे आकर्षित एवं प्रभावित हो जाते हैं। (ब्रह्माक्षर)

–परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.

केसरिया कार्यशाला

केसरिया कार्यशाला... एक अनूठा धार्मिक सफर है, जिसमें श्राविकाएँ ज्ञानवर्धक क्रियाकलापों द्वारा आगमवर्णित विषयों पर अपने ज्ञानकोष को समृद्ध कर रही हैं। आचार्य की आठ संपदाओं में से अभी सातवीं संपदा '**प्रयोगमति संपदा**' का ज्ञानार्जन चल रहा है। अब तक सभी सातों संपदाओं को क्रमश: प्रत्येक माह एक-एक करके उदाहरणों सहित समझाया गया। तत्पश्चात् रोचक गतिविधि, वाद-विवाद, क्रॉसवर्ड, मेमोरी गेम्स, ऑन द स्पॉट वक्तव्य आदि अनेक प्रतियोगिताएँ करवाकर प्रायोगिक जानकारी दी गई। आचार्य भगवन् की कृपादृष्टि तथा आंचलिक व स्थानीय संयोजिकाओं के अथक पुरुषार्थ से पिछली संपदा में लगभग 1800 श्राविकाओं ने भाग लिया। श्राविकाएँ प्रत्येक माह केसरिया कार्यशाला के नए-नए क्षेत्र से जुड़ रहे हैं।

जयंती बाई श्रमणोपासिका पुरस्कार

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति आपके लिए विशेष अवसर उपस्थित कर रही है, जिसमें आप '**जयंती बाई श्रमणोपासिका पुरस्कार**' से अलंकृत हो सकती हैं। यह पुरस्कार जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में कौशाम्बी नगरी की शय्यातर जयंती बाई श्रमणोपासिका, जो उदायन नरेश की बुआ थीं, के नाम पर प्रारंभ किया गया है। संघ सेवा में संलग्न होकर

कर्मनिर्जरा करने का अभूतपूर्व अवसर हमें मिला है। जितना समय संघ सेवा में अर्पित करेंगे उतनी ही हमारे कर्मों की निर्जरा होगी। इस पुरस्कार में इस वर्ष (तृतीय) विजेता **ज्योति जी भूरा, भीलवाड़ा** तथा युवती शक्ति के अंतर्गत इस पुरस्कार की विजेता **जयश्री जी दस्साणी, विश्वनाथ चाराली** रहे। ज्ञातव्य है कि यह पुरस्कार महिला समिति एवं युवती शक्ति द्वारा अलग-अलग प्रदान किया जाता है।

धार्मिक कार्य

तप-त्याग

:: मेवाड़ अंचल ::		:: छत्तीसगढ़-ओड़िशा अंचल ::	
छोटी सादड़ी	प्रिशा जी कालिया (उम्र मात्र 3 साल) ने संवर का मासखमण किया।	**बेरला**	**30 उपवास -** रजनी जी लोढ़ा।
भीलवाड़ा	**30 उपवास -** कुसुम जी नागौरी।	**बालाघाट**	**15 उपवास -** आस्था जी कांकरिया।

वीर निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में संपन्न तेला तप

क्र.	अंचल	तेले तप की संख्या	क्र.	अंचल	तेले तप की संख्या
1.	मेवाड़	438	7.	तमिलनाडु	60
2.	बीकानेर-मारवाड़	72	8.	मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई.	14
3.	जयपुर-ब्यावर	37	9.	महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश	160
4.	मध्य प्रदेश	44	10.	बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान	16
5.	छत्तीसगढ़-ओड़िशा	176	11.	पूर्वोत्तर	31
6.	कर्नाटक-आंध्र प्रदेश	7	12.	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरी	5
				कुल	1060

धार्मिक शिविर- विभिन्न क्षेत्रों में चारित्रात्माओं के पावन सान्निध्य में आयोजित विविध विषयों पर शिविरों का विवरण -

क्र. विषय - क्षेत्र - चारित्रात्माओं का नाम

1. आओ जानें प्रतिक्रमण - **ब्यावर** - पर्याय ज्येष्ठ श्री अनंत मुनि जी म.सा., शासन दीपक श्री छत्रांक मुनि जी म.सा.
2. अरिहंत वंदावली, नरकावास की वेदना - **बड़ीसादड़ी** - शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा.
3. माउथ थेरेपी - **ब्यावर** - साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा.
4. समवसरण की संरचना - **छोटी सादड़ी** - शासन दीपिका साध्वी श्री चंचल कँवर जी म.सा.
5. हमारी उपासना, हमारी आराधना - **उदयपुर** - शासन दीपिका साध्वी श्री मधुबाला जी म.सा.
6. मोक्ष आराधना शिविर - **भीलवाड़ा** -
7. एक पैगाम खुद के नाम, You turn Youth - **उदयपुर** - शासन दीपिका साध्वी श्री सुसौम्या श्री जी म.सा.
8. समवसरण की सैर - **दुर्ग** - शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा.
9. 84 लाख जीव योनि, प्रतिक्रमण, 64 इंद्र, 170 देवाधिवदेव, 14 प्रकार, 15 भेद का ज्ञान, इहभविक-परभविक का थोकड़ा - **कुसुमकसा** - शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिला श्री जी म.सा.

॥ जय गुरु नाना ॥ ॥ जय महावीर ॥ ॥ जय गुरु राम ॥

राम चमकते भानु समाना

सज्झायम्मि रओ सया

(सदा स्वाध्याय में रत रहो)

नाम : .....

पिता/पति का नाम : .....

क्षेत्र/संघ : ..... Whatsapp No. : .....

स्थायी पता : .....

..... **पिन कोड :** .....

जन्म दिनांक : ..... **लिंग :** .....

राज्य : ..... **अंचल :** .....

आपको कौनसे आगम कंठस्थ हैं?

1 : ..... **2 :** ..... **3 :** .....

4 : ..... **5 :** ..... **6 :** .....

:::::::: निवेदक ::::::::

• श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ •

• श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति • श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ •

नियमावली ::::::::::::::::::::::::::::

1) प्रत्येक श्रावक-श्राविका प्रतिदिन लगभग 100 या 100 से अधिक गाथाओं का स्वाध्याय करें।
2) स्वाध्याय की हुई ये 100 गाथाएँ प्रतिदिन संपूर्ण संघ में संचालित 26 आगमों के स्वाध्याय की एक कड़ी होंगी।
3) प्रत्येक श्रावक-श्राविका को उनके द्वारा किए जाने वाले स्वाध्याय की पुस्तिका भेजी जाएगी।
4) इन गाथाओं की वाचनी चारित्रात्माओं से लेने का लक्ष्य रखें। जिन क्षेत्रों में ऐसा संभव न हो तो वहाँ वरिष्ठ श्रावक-श्राविकाओं से ले सकते हैं।
5) स्वाध्याय के पश्चात् '**आगमे तिविहे**' का पाठ अवश्य करें।
6) अस्वाध्याय के 32 कारण जो स्वाध्याय पुस्तिका में दिए जाएँगे, उनका यथोचित रीति से पालन करें।
7) जिन्होंने पहले 100 गाथाओं के स्वाध्याय का रजिस्ट्रेशन कर रखा है, उन्हें पुन: रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

नोट : कृपया आप इस फॉर्म को भरकर 6375633109 नंबर पर वॉट्सऐप द्वारा भेजें, ताकि आपको शीघ्रातिशीघ्र पुस्तक भेजी जा सके। जिन्होंने ऑनलाइन फॉर्म भर दिया है वे पुन: फार्म न भरें।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

रतलाम। समता युवा संघ द्वारा आयुर्वेदिक औषधालय का शुभारंभ 21 नवंबर को किया गया। गुरु पुष्य नक्षत्र पर शुभारंभ के अवसर पर 6 माह से 16 वर्ष तक के बच्चों के स्वर्ण प्राशन दवा पिलाई गई। यहाँ विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु आयुर्वेद पद्धति से उपचार की व्यवस्था की गई, साथ ही विशेष उपचार हेतु पारुल आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, वड़ोदरा के सहयोग से ऑपरेशन एवं पंचकर्म की निःशुल्क व्यवस्था भी की गई। इस हेतु प्रत्येक 15-20 दिनों में रतलाम से वड़ोदरा हेतु बस की व्यवस्था प्रदान की जाएगी। **- समता युवा संघ, रतलाम**

उत्क्रांति कार्यक्रम

हुक्मसंघ के नवम नक्षत्र, सिरीवाल प्रतिबोधक परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. द्वारा समाज में व्याप्त कुरीतियों, फिजूलखर्ची, दिखावे और बढ़ती आर्थिक विषमता के उन्मूलन के लिए उद्घोषित उत्क्रांति आयाम के अंतर्गत अक्टूबर-नवम्बर माह में उत्क्रांति नियम ग्रहण करने वाले परिवारों का विवरण – 1. उदयपुर निवासी विनोद जी जारोली का नूतन गृह-प्रवेश 6 अक्टूबर को संपन्न हुआ। 2. मैसूर निवासी उत्तमचंद जी दक परिवार में बालक दिवित का मुंडन संस्कार 10 अक्टूबर को संपन्न हुआ। 3. मैसूर निवासी लादूलाल जी देसरला का नूतन गृह प्रवेश 12 अक्टूबर को संपन्न हुआ। 4. छोटी सादड़ी निवासी राजमल जी मुड़िया का नूतन गृह प्रवेश 13 अक्टूबर को संपन्न हुआ। 5. नोखा निवासी मुंबई प्रवासी नरेंद्र जी बोथरा का नूतन गृह प्रवेश 3 नवंबर को मुंबई में संपन्न हुआ।

रविवारीय समता आराधना - आंचलिक रिपोर्ट (नवंबर 2024)

क्र.सं.	अंचल का नाम	आंचलिक गतिविधि	03-11		10-11		17-10		24-10	
1	मेवाड़	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	2675	93	2971	87	2196	83	1358	91
2	बीकानेर-मारवाड़	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	636	41	749	42	677	40	517	43
3	जयपुर-ब्यावर	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	364	24	388	23	352	23	345	25
4	मध्य प्रदेश	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	809	75	967	74	1005	74	957	75
5	छत्तीसगढ़-ओड़िशा	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	1532	142	1560	131	1735	139	1748	133
6	कर्नाटक-तेलंगाना-आंध्र प्रदेश	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	291	29	312	30	333	30	287	32
7	तमिलनाडु	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	234	14	260	13	197	13	174	12
8	मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई.	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	410	21	479	21	369	13	507	16
9	महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	442	51	483	49	450	41	446	48
10	बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-झारखंड-आंशिक ओड़िशा	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	247	31	304	32	348	32	312	32
11	पूर्वोत्तर	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	194	29	171	29	212	30	216	29
12	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरी	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	99	8	211	10	99	7	69	7
13	अंतरराष्ट्रीय शाखा	आंचलिक उपस्थिति एवं क्षेत्र	15	6	14	5	13	5	13	6
संयुक्त रिपोर्ट - कुल उपस्थिति एवं क्षेत्र			7948	564	8869	546	7986	530	949	549

परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के नेश्राय में सभी चारित्रात्माओं की विचरण सूची

दिनांक : 16-11-2024

3. जयपुर-ब्यावर अंचल

क्र. स.	चारित्रात्माओं के नाम	ठाणा	विराजने का स्थान	सक्रिय व्यक्ति का नाम व नंबर	क्र. स.	चारित्रात्माओं के नाम	ठाणा	विराजने का स्थान	सक्रिय व्यक्ति का नाम व नंबर
1	**परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.**	4	सोहन जी माली का निवास, महादेव होटल, मंडी चौराहा, रास, ब्यावर (राज.)	कमल जी चौपड़ा 8875793937 टी.के. जी ढेलावत 9214337204 कुशल जी सांखला 9214037064 महेश नाहटा 9406201351, 7977370892	2	पर्याय ज्येष्ठ श्री अनंत मुनि जी म.सा. शासन दीपक श्री नीरज मुनि जी म.सा.	5	समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, खटीकान हथाई के पास, ब्यावर (राज.)	विनयचंद जी रांका 9414008974 उत्तमचंद जी लोढ़ा 9352772477
3	शासन दीपक श्री मनीष मुनि जी म.सा.	2	राजकुमार जी कुमावत का निवास, रामथला, टोंक (राज.)	दिनेश जी जैन 9251550847	4	शासन दीपक श्री हर्षित मुनि जी म.सा.	4	समता भवन, नागेलाव, ब्यावर (राज.)	महेंद्र जी लोढ़ा 9828054903 9214552100 टीकमचंद जी कोठारी 9982095353
5	शासन दीपक श्री श्रुतप्रभ मुनि जी म.सा.	3	गौतम जी नीलम जी विनायकिया का कार्यालय परिसर, मनवा जी का बाग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर (राज.)	ज्ञानचंद जी मूथा 9414054971 अभय जी नाहर 9829165897 मुकेश जी जारोली 9351149600	6	श्री मंयक मुनि जी म.सा.	2	जैन स्थानक, कुशालपुर, ब्यावर (राज.)	अशोक जी तातेड़ 9460690911 महेंद्र जी लोढ़ा 9828054903 9214552100
7	श्री नमन मुनि जी म.सा.	4	समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, खटीकान हथाई के पास, ब्यावर (राज.)	विनयचंद जी रांका 9414008974 उत्तमचंद जी लोढ़ा 9352772477	8	शासन दीपिका साध्वी श्री रोशन कँवर जी म.सा.	10	कांकरिया डेलान, नयाबास, ब्यावर (राज.)	विनयचंद जी रांका 9414008974 उत्तमचंद जी लोढ़ा 9352772477
9	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियलक्षणा श्री जी म.सा.	4	बंद गली स्थानक, नया बास, ब्यावर (राज.)	विनयचंद जी रांका 9414008974 उत्तमचंद जी लोढ़ा 9352772477	10	शासन दीपिका साध्वी श्री चंद्रप्रभा जी म.सा.	6	हनुमान सिंह जी राजपूत का निवास, पालू खुर्द, जयपुर (राज.)	हनुमान सिंह जी राजपूत 8955743866 मुकेश जी जारोली 9351149600
11	शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमा श्री जी म.सा.	4	अक्षर लाइब्रेरी 21, एवरेस्ट कॉलोनी, लालकोठी, जयपुर (राज.)	ज्ञानचंद जी मूथा 9414054971 अभय जी नाहर 9829165897 मुकेश जी जारोली 9351149600	12	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रतिभा श्री जी म.सा.	3	जैन स्थानक भवन, मसूदा, ब्यावर (राज.)	जितेंद्र जी गांग 9982308968
13	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणा श्री जी म.सा. (कानोड़ वाले)	3	सुरेंद्र जी चौधरी का निवास, बमोर, टोंक (राज.)	सुरेंद्र जी चौधरी 9214979102 विशाल जी मेहता 7597965590	14	शासन दीपिका साध्वी श्री वरण श्री जी म.सा.	3	जैन स्थानक भवन, सारोठ, ब्यावर (राज.)	केवल जी बोहरा 9414419304

15	शासन दीपिका साध्वी श्री समया श्री जी म.सा.	3	पप्पू जी सब्जीवालों का निवास, खाटू, सीकर (राज.)	पप्पू जी सब्जीवाला 9785430104	16	शासन दीपिका साध्वी श्री समीहा श्री जी म.सा.	4	शिवसिंह जी राजपुरोहित का निवास, गोला, ब्यावर (राज.)	महेंद्र जी लोढ़ा 9828054903 9214552100 अशोक जी कोठारी 7014632446
17	शासन दीपिका साध्वी श्री चंद्रिका श्री जी म.सा.	3	किशन जी गुर्जर का निवास, समौखी, ब्यावर (राज.)	महेंद्र जी लोढ़ा 9828054903 9214552100 किशन जी गुर्जर 8955533386	18	शासन दीपिका साध्वी श्री खंतिप्रिया श्री जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, बाबरा, ब्यावर (राज.)	दौलतराज जी खिंवसरा 9381033202 मुकनराज जी खींचा 8426935434
19	शासन दीपिका साध्वी श्री रिभिता श्री जी म.सा.	9	जैन स्थानक भवन, मसूदा, ब्यावर (राज.)	जितेंद्र जी गांग 9982308968	20	साध्वी श्री कौमुदी श्री जी म.सा.	3	जैन स्थानक भवन, निमाज, ब्यावर (राज.)	महावीर जी बाबेल 7014882252
21	साध्वी श्री यतना श्री जी म.सा.	3	जयमल जैन धर्मशाला, रायपुर मारवाड़, ब्यावर (राज.)	अशोक जी तातेड़ 9460690911	22	साध्वी श्री माधुर्य श्री जी म.सा.	8	रामदेव जी जाट का निवास, लोरड़ी, ब्यावर (राज.)	देवकरण जी जाट 9950850149 जितेंद्र जी गांग 9982308968
1. मेवाड़ अंचल									
1	**बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेश मुनि जी म.सा.**	5	प्राज्ञ स्वाध्याय भवन, संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676	2	शासन दीपक श्री प्रकाश मुनि जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, भीम, राजसमंद (राज.)	तरुण जी गन्ना 9772080401 पंकज जी दक 9414256492
3	शासन दीपक श्री आदित्य मुनि जी म.सा.	4	प्रकाश जी चौरड़िया का निवास, पालड़ी, भीलवाड़ा (राज.)	प्रकाश जी चौरड़िया 9982905226 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676	4	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (उदयपुर वाले)	5	218, निर्मल जी भंडारी का निवास, सुभाष नगर, उदयपुर (राज.)	मुकेश जी पगारिया 9413286163 प्रकाश जी सुराणा 9414166014 संजय जी डूंगरवाल 9352501324
5	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलता जी म.सा. (राजनांदगाँव वाले)	8	समता भवन, शास्त्री नगर, चित्तौड़गढ़ (राज.)	रोशन जी लोढ़ा 9414109331 आदित्य जी सेठिया 9829244305 बलवंत जी बाघमार 9414395990	6	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (बीकानेर वाले)	5	जैन उपाश्रय भवन, सोनियाणा, चित्तौड़गढ़ (राज.)	बंटी जी बाहेती 9829298692
7	शासन दीपिका साध्वी श्री समता श्री जी म.सा.	5	गौतम जी दलाल का निवास, किशोर नगर, राजसमंद (राज.)	सागरमल जी मारू 9414232337 गौतम जी दलाल 7956293729	8	शासन दीपिका साध्वी श्री निरंजना श्री जी म.सा.	3	51, अशोक जी सरूपरिया का निवास, पी.जी.कॉलेज के सामने, प्रतापनगर, चित्तौड़गढ़ (राज.)	रोशन जी लोढ़ा 9414109331 आदित्य जी सेठिया 9829244305 बलवंत जी बाघमार 9414395990

9	शासन दीपिका साध्वी श्री किरणप्रभा जी म.सा.	4	मिट्ठू लाल जी सुशील जी लोढ़ा का निवास, होलीथड़ा निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ (राज.)	रतनलाल जी पोरवाल 9461273789 सुशील जी नागौरी 9799999595	10	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुला श्री जी म.सा. (देशनोक वाले)	4	अमरचंद जी बाबेल का निवास, संजय कालोनी, भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676
11	पर्याय जेष्ठा साध्वी श्री साधना श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री चंचल कँवर जी म.सा.	10	समता भवन, काशीपुरी, भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676	12	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (छ.ग. वाले)	3	जी–288/3, धर्मचंद जी भूरा का निवास, सालासर बालाजी के सामने, वैभव नगर (शास्त्री नगर), भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676
13	शासन दीपिका साध्वी श्री मधुबाला श्री जी म.सा.	8	कोठारियों की हवेली, भड़भूजा घाटी, उदयपुर (राज.)	पारस जी डागा 9413300423 अर्जुन जी लोढ़ा 8949942495 हितेश जी जारोली 8852957690	14	शासन दीपिका साध्वी श्री गुणसुन्दरी श्री जी म.सा.	3	मुकेश जी पारीक का निवास, हमीरगढ़ स्टेशन, भीलवाड़ा (राज.)	मुकेश जी पारीक 9602225560 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676
15	शासन दीपिका साध्वी श्री अरुणा श्री जी म.सा.	3	मांगी मेडम का निवास, तखतपुरा, भीलवाड़ा (राज.)	मांगी मेडम 9079975911 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676	16	शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावती जी म.सा.	4	शंकर समता भवन, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676
17	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रज्ञा श्री जी म.सा. (चिकारडा वाले)	4	महावीर भवन, आयड़, उदयपुर (राज.)	पारस जी डागा 9413300423 अर्जुन जी लोढ़ा 8949942495 हितेश जी जारोली 8852957690	18	शासन दीपिका साध्वी श्री समीक्षा श्री जी म.सा.	3	समता भवन, गुडली, उदयपुर (राज.)	किरण जी कोठारी 8087083344
19	साध्वी श्री सुरुचि श्री जी म.सा.	4	जोगनिया होटल, रामसिंहपुरा, भीलवाड़ा (राज.)	अशोक जी लसोड़ 6375940299 धनपत जी नाहर 9414262235 दीपक जी बेताला 9462595676	20	शासन दीपिका साध्वी श्री सुसौम्य श्री जी म.सा.	3	जैन भवन, भीम, राजसमंद (राज.)	तरुण जी गन्ना 9772080401 पंकज जी दक 9414256492
21	शासन दीपिका साध्वी श्री पूर्वी श्री जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, खैरोदा, उदयपुर (राज.)	सुनील जी कुकड़ा 9414165615	22	शासन दीपिका साध्वी श्री अक्षिता श्री जी म.सा.	4	महेश जी बंब का निवास, पोलो ग्राउंड, उदयपुर (राज.)	पारस जी डागा 9413300423 अर्जुन जी लोढ़ा 8949942495 हितेश जी जारोली 8852957690

2. बीकानेर-मारवाड़ अंचल									
1	शासन दीपक श्री रमेश मुनि जी म.सा.	8	सेठिया कोटड़ी, मरोठी सेठिया मोहल्ला, ठंठेरा बाजार, बीकानेर (राज.)	राजेंद्र कुमार जी गोलछा 9571840310 सुरेंद्र जी पारख 9414142109	2	शासन दीपक श्री गौतम मुनि जी म.सा.	3	बाँठिया पैलेस, भीनासर, बीकानेर (राज.)	कौशल जी दुग्गड़ 9414137121 सुरेंद्र जी सेठिया 8302383399
3	शासन दीपक श्री विनय मुनि जी म.सा.	2	रूपा समता भवन, रानी बाजार, बीकानेर (राज.)	कौशल जी दुग्गड़ 9414137121 सुरेंद्र जी सेठिया 8302383399	4	शासन दीपक श्री चंद्रेश मुनि जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, रियाबड़ी, नागौर (राज.)	लोकपाल जी भंडारी 9799068968
5	शासन दीपक श्री संजय मुनि जी म.सा.	4	हजारीमल जी भूरा का निवास, पानी की टंकी के पास, नोखामंडी, बीकानेर (राज.)	मदनलाल जी लुणिया 9636200496 बाबूलाल जी कांकरिया 9460452789	6	शासन दीपक श्री आदर्श मुनि जी म.सा.	2	तेरापंथ भवन, हनुमानगढ़ (राज.)	पूनमचंद जी सुराणा 9351092281
7	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री पारस कँवर जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभा जी म.सा.	14	समता साधना भवन, मालू कोटड़ी, रांगडी चौक, बीकानेर (राज.)	राजेंद्र कुमार जी गोलछा 9571840310 सुरेंद्र जी पारख 9414142109	8	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याण कँवर जी म.सा.	4	आध्यात्मिक आरोग्यम्, पुरानी लेन, गंगाशहर, बीकानेर (राज.)	कौशल जी दुग्गड़ 9414137121 सुरेंद्र जी सेठिया 8302383399
9	शासन दीपिका साध्वी श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा.	9	नेमीचंद जी पारख का निवास, अरिहंत नगर, गुरों का तालाब रोड, जोधपुर (राज.)	गुलाब जी चौपड़ा 9414196356 नेमीचंद जी पारख 9414133188	10	शासन दीपिका साध्वी श्री वंदना श्री जी म.सा.	3	वर्धमान जैन स्थानक, फलौदी (राज.)	देवेंद्र जी बैद 9413509550
11	शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेता श्री जी म.सा.	4	अभयचंद जी भूरा का निवास, रामदेव कॉलोनी, भीनासर, बीकानेर (राज.)	कौशल जी दुग्गड़ 9414137121 सुरेंद्र जी सेठिया 8302383399	12	शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभा जी म.सा.	3	नथमल जी संकलेचा का निवास, गाँधी चौक, नोखामंडी, बीकानेर (राज.)	मदनलाल जी लुणिया 9636200496 बाबूलाल जी कांकरिया 9460452789
13	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रभावना श्री जी म.सा.	7	जैन जवाहर मंडल, देशनोक, बीकानेर (राज.)	आशीष जी बुच्चा 9024085290	14	शासन दीपिका साध्वी श्री मनीषा श्री जी म.सा.	3	संतों की ढाणी, नागौर (राज.)	घेवरराज जी 7296883723 राकेश जी जैन 9414769676
15	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री प्रभात श्री जी म.सा. पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री चंद्रकला श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री काव्ययशा श्री जी म.सा.	6	कांकरिया जैन स्थानक, लक्ष्मीनगर, जोधपुर (राज.)	गुलाब जी चौपड़ा 9414196356 नेमीचंद जी पारख 9414133188	16	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री मैनासुंदरी श्री जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री अभिप्सा श्री जी म.सा.	4	अशोक जी श्रीश्रीमाल का निवास, वी.डी.नगर, पाली (राज.)	पदम जी लोढ़ा 9414120315
17	शासन दीपिका साध्वी श्री निखार श्री जी म.सा.	4	बोथरा जी का निवास, नई लेन, गंगाशहर, बीकानेर (राज.)	सुरेंद्र जी सेठिया 8302383399					

4. मध्य प्रदेश अंचल									
1	शासन दीपक श्री हेमंत मुनि जी म.सा.	3	समता भवन, काटजू नगर, रतलाम (म.प्र.)	अशोक जी पिरोदिया 9424529214	2	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूर कँवर जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री चंदनबाला जी म.सा. (पिपलिया मंडी वाले)	8	समता सदन, पुलिस कंट्रोल रूम के सामने, रोम टॉवर वाली गली नं. 2, नई आबादी, मंदसौर (म.प्र.)	बाबूलाल जी पितलिया 9425369562 नरेंद्र कुमार जी चौधरी 9425369547
3	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (महाराष्ट्र वाले)	4	रामेश समता भवन, एल्कोलाइड कॉलोनी के सामने, नीमच (म.प्र.)	शोकिन जी मुणोत 9425106189 6261923732 अशोक जी मोगरा 9329444345	4	शासन दीपिका साध्वी श्री शकुंतला श्री जी म.सा.	3	जैन घर, काटजू नगर, रतलाम (म.प्र.)	अशोक जी पिरोदिया 9424529214
5	शासन दीपिका साध्वी श्री विमला कँवर जी म.सा.	7	जैन स्थानक भवन, जीरण, नीमच (म.प्र.)	विजय जी भामावत 9424041105	6	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकांता जी म.सा.	17	समता भवन, यशवंत निवास रोड, इंदौर (म.प्र.)	तेज कुमार जी तातेड़ 9826033624 ललित जी दुग्गड़ 9827013200
7	शासन दीपिका साध्वी श्री चेतन श्री जी म.सा.	4	गोपाल जी टेलर का निवास, नयागाँव, नीमच (म.प्र.)	अभय कुमार जी डूंगरवाल 8305368611	8	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांता जी म.सा. (जावरा वाले)	3	समता भवन, हरिपुरम् कॉलोनी, जावद, नीमच (म.प्र.)	संजय जी गाँधी 9424041561 नरेंद्र जी गाँधी 9425108224
9	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधा जी म.सा.	8	समता सदन, घास बाजार, रतलाम (म.प्र.)	अशोक जी पिरोदिया 9424529214	10	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञा जी म.सा.	4	जैन पौषधशाला भवन, रामनगर, देवास (म.प्र.)	गिरीश जी जैन 7000861578 अनिल जी मेहता 9826677314
11	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोद श्री जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, जानकी नगर, इंदौर (म.प्र.)	तेज कुमार जी तातेड़ 9826033624 ललित जी दुग्गड़ 9827013200	12	शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शना श्री जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, जानकी नगर, इंदौर (म.प्र.)	तेज कुमार जी तातेड़ 9826033624 ललित जी दुग्गड़ 9827013200
13	शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभा जी म.सा.	3	समता भवन, खोर, नीमच (म.प्र.)	मुकुंद जी गांग, 7898331992 अशोक जी गांग 9425922773	14	शासन दीपिका साध्वी श्री करुणा श्री जी म.सा.	4	महावीर भवन, जमुनियाकलां, नीमच (म.प्र.)	कमलेश जी जैन 9754407427
15	शासन दीपिका साध्वी श्री वैभवप्रभा जी म.सा.	5	समता भवन, जावरा चौपाटी, रतलाम (म.प्र.)	अशोक जी छजलाणी 9424591173 मनीष जी पोखरना 9893482863	16	शासन दीपिका साध्वी श्री संयति श्री जी म.सा.	3	महेश जी सोनी का निवास स्थान, खलघाट, धार (म.प्र.)	महेश जी सोनी 9893357060
17	साध्वी श्री मणामगंधा श्री जी म.सा.	3	गणेश जी गुर्जर का निवास, नामली से 2 किमी. आगे, रतलाम (म.प्र.)	अशोक जी पिरोदिया 9424529214 ललित जी कटारिया 9407151009					

5. छत्तीसगढ़-ओड़िशा अंचल									
1	शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी म.सा.	2	जैन स्थानक भवन, मुंगेली (छ.ग.)	रिखब जी जैन 9770587209	2	शासन दीपक श्री दिव्यदर्शन मुनि जी म.सा.	2	हजारीमल जी भूरा का निवास, रलास एन्क्लेव, रोहनीपुरम्, रायपुर (छ.ग.)	अजय जी पारख 9827161006 रूपेश जी जैन 9300812321
3	शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभा जी म.सा.	6	समता भवन, शिवपारा, दुर्ग (छ.ग.)	प्रकाश जी सांखला 8819811008 9009611008 ज्ञानचंद जी रांका 9131359770 9425558427	4	शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणि जी म.सा.	4	जैन स्थानक भवन, बागबाहरा, महासमुंद (छ.ग.)	हेमंत जी सांखला 9425521368
5	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिला श्री जी म.सा.	8	जैन भवन, संबलपुर, भानुप्रतापपुर, बालोद (छ.ग.)	प्रमोद जी चौपड़ा 9425259557	6	शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशा श्री जी म.सा.	5	अशोक जी मुकीम का निवास, वाल्फोर्ड सिटी, भाटागाँव, रायपुर (छ.ग.)	अजय जी पारख 9827161006
7	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंका श्री जी म.सा.	4	अरिहंत हाइट्स, भैरव सोसायटी, रायपुर (छ.ग.)	इंदरचंद जी जैन 9300255141					
6. कर्नाटक-आंध्र प्रदेश अंचल									
1	शासन दीपक श्री विदेह मुनि जी म.सा.	2	आकाश जी हुंडिया का निवास, फ्लैट नं. 405, फीलखाना, हैदराबाद (तेलं.)	दिलीप जी भंसाली 9246999310 प्रवीण जी पालरेचा 9177998231	2	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चना श्री जी म.सा.	4	स्कूल भवन, मुगरुर, मैसूर (कर्ना.)	नवल कुमार जी कोठारी 9449323126
3	शासन दीपिका साध्वी श्री भावना श्री जी म.सा.	4	महावीर जैन भवन, कार स्ट्रीट रोड, हलसूर, बेंगलुरु (कर्ना.)	नेमीचंद जी चौरड़िया 9845013016	4	शासन दीपिका साध्वी श्री करिश्मा श्री जी म.सा.	3	नेमीचंद जी पालरज का निवास, बेगम बाजार, हैदराबाद (तेलं.)	नेमीचंद जी पालरज 9177998231
5	शासन दीपिका साध्वी श्री स्वागत श्री जी म.सा.	4	रमेश जी कटारिया का निवास, शमशाबाद, हैदराबाद (तेलं.)	रमेश जी कटारिया 9394707057					
7. तमिलनाडु अंचल									
1	शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशना श्री जी म.सा.	3	K.L.P Appartment 'F' Block, Flat No 04 Perambur Barracks Road, Chennai (T.N.)	कल्पतराज जी भंडारी 9043788589 चिराग जी ललवानी 9884513567					
8. मुंबई-गुजरात अंचल									
1	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीला कँवर जी म.सा. (मोड़ी वाले)	8	जैन उपासरा, प्रेम सोसायटी, शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज.)	दिलीप जी मेहता 9376117175	2	शासन दीपिका साध्वी श्री सुमन प्रभा जी म.सा.	4	महावीर भवन, बसेरा सोसायटी, कामरेज, सूरत (गुज.)	राकेश जी दलाल 9724192478
3	शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्ति श्री जी म.सा.	3	तेरापंथ भवन, शांति नगर, मीरा रोड (ईस्ट), मुंबई (महा.)	कमलेश जी नागौरी 9892110628 विजय जी ओस्तवाल 9820157682	4	शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिला श्री जी म.सा.	3	सुरेश जी कोठारी का निवास, ग्रीन विला, टंकी के पास, वेसमा, सूरत (गुज.)	विनोद जी कोठारी 9824094178

5	शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धि श्री जी म.सा.	3	समयसार बंगला, स्टार गैलेक्सी के पास, एंपायर रेजिडेंसी के सामने, वेसू, सूरत (गुज.)	हुलास जी सुराणा 9825198522 प्रेम जी पारख 9426865679					
9. महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल									
1	शासन दीपक श्री पदम मुनि जी म.सा.	3	शासकीय स्कूल, नांदवन, धुलिया (गुज.)	राजेंद्र जी टाटिया 9423494671	2	शासन दीपक श्री निश्चल मुनि जी म.सा.	3	जैन स्थानक भवन, चांदवड़, नासिक (महा.)	जवरीलाल जी चंपालाल जी सकलेचा 9422263474 किशोर जी बाफना 9689363311
3	शासन दीपक श्री सुबाहु मुनि जी म.सा.	2	भैयासाहब जी देशमुख का निवास, हिस्वल, नासिक (महा.)	कमलेश जी पारख 9423483959	4	शासन दीपक श्री सुमित मुनि जी म.सा.	3	जैन स्थानक भवन, बरखेडी, जलगाँव (महा.)	विनोद जी बोथरा 7588352645
5	शासन दीपिका साध्वी श्री वनिता श्री जी म.सा.	4	संजय सुभाष जी चौधरी का निवास, करजकुपा, नंदुरबार (महा.)	नगिनचंद जी कांकरिया 9422789137	6	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभा जी म. सा.	4	जैन मंदिर परिसर, शिवाजी मार्केट, कराड़, सतारा (महा.)	अशोक जी भंडारी 9423826872
7	शासन दीपिका साध्वी श्री आदर्शप्रभा जी म.सा.	3	जैन स्थानक, शिरूड़, धुलिया (महा.)	प्रकाश जी ललवानी 8788366058	8	पर्याय ज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभा जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री साक्षी श्री जी म.सा.	3	पौषधशाला भवन, समर्थ नगर, शिरपुर, धुलिया (महा.)	अनिल जी बाफना 9423288471
9	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रुतशीला श्री जी म.सा.	3	अशोक जी बरड़िया का निवास, सालेकसा, गोंदिया (महा.)	अशोक जी बरड़िया 9326633312	10	शासन दीपिका साध्वी श्री रश्मि श्री जी म.सा.	4	जीवराज भवन, महावीर सोसायटी, नांदेड़ (महा.)	महावीर जी भंडारी 9823297111
11	शासन दीपिका श्री समीक्षणा श्री जी म.सा.	3	स्वास्तिक लोन्स, डोंगरगाँव फाटा, औरंगाबाद (महा.)	विरतेश अमरचंद ओस्तवाल 9422455479 स्वास्तिक लोन्स 9765909065	12	शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुता श्री म.सा.	3	जैन दादाबाडी, अमलनेर रोड, जलगाँव (महा.)	निलेश जी पगारिया 9329421008
13	शासन दीपिका साध्वी श्री सुमेरु श्री जी म.सा.	3	संत श्री नानाजी महाराज देवस्थान, कापशी, वर्धा (महा.)	मंदार जी कुलकर्णी 9322858253					
10. बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-झारखंड एवं आंशिक ओड़िशा अंचल									
1	शासन दीपिका साध्वी श्री समिया श्री जी म.सा.	4	समता भवन, विवेक विहार, हावड़ा, कोलकाता (प.बं.)	बिरेंद्र जी गेलड़ा 9831440699 महावीर जी धारीवाल 9903958977					
11. पूर्वोत्तर अंचल									
1	शासन दीपिक साध्वी श्री सुरीली श्री जी म.सा.	4	शुभम एलाइट, सिल्फुखुरी, गुवाहाटी (असम)	सुरेंद्र जी चौड़रिया 9531284804					

राम चमकते भानु समाना

महत्तम महोत्सव - महत्तम शिखर

आचार्य श्री रामेश सुवर्ण दीक्षा महा महोत्सव का चरम स्वरुप

जीवदया

जीवदया - मनुष्यता से प्रभुता.....

जीवदया सप्ताह : 5 जनवरी से 14 जनवरी 2025

भगवान महावीर का संदेश

जीओ और जीने दो...'अहिंसा परमो धर्मः'...

आयोजक : श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

निवेदक-महत्तम शिखर आयोजन समिति

अंतर्गत श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

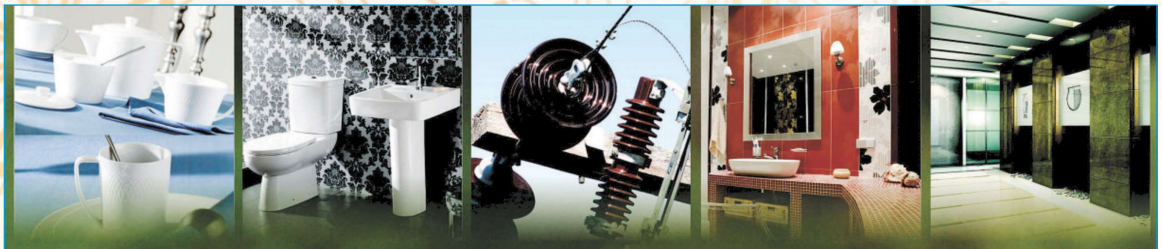

Serving Ceramic Industries Since 1965

हु शि उ चौ श्री ज ग नाना, राम चमकते भानु समाना।
तरुण तपस्वी, प्रशांतमना आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा.
एवं समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में कोटिश: वंदन

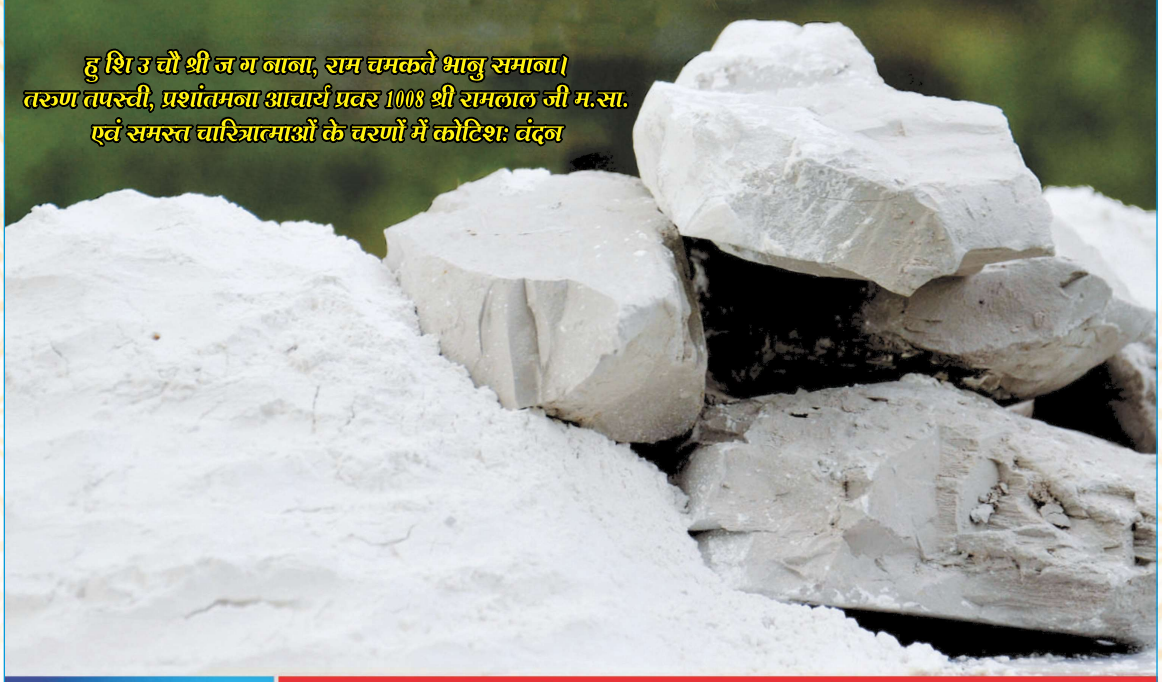

A Premier Clay Specialists in The Country...

- 48 years of experience with efficient processing technology and high-quality deposits of raw materials.
- Extraction, Processing and Refining of industrial minerals, particularly Ball Clay, China Clay, Bentonite, Silica Sand, Quartz, Potassium & Sodium Feldspar.
- In-depth knowledge of the market and understands the need for high-grade raw materials in the ceramic industries.
- Extraction of raw materials to the final delivery of the finished product, all of our procedures are subjected to ongoing quality monitoring.
- Export good quantity of minerals to various countries.
- Import of many others minerals and raw materials for Indian ceramics industries.

JLD MINERALS
Jaichand Lal Daga group

Corporate Office :
1st Floor, Labhuji Ka Katla,
Bikaner-334001, Rajasthan, INDIA

Phone : +91-151-2220380 / 2521624 / 3294234
FAX : +91-151-2522768, Mobile No. 09829217944
Email : wbcclay@yahoo.com

www.jldminerals.com

SIPANI

सिपानी सेवा सदन - 1

सिपानी समूह ने मानव सेवा के क्षेत्र में एक ऐसा हस्ताक्षर अंकित किया है, जो सदियों तक स्मरण किया जाता रहेगा। समूह ने अपने प्रथम चरण में सिपानी सेवा सदन-1 - बंदापुरा विलेज मडिवाला ग्राम, मर्सुर पोस्ट, अनेकल तालूक, बेंगलूरु - 562106 में 12 वर्ष पूर्व जिस योजना को क्रियान्वित किया उसके अंतर्गत सदन की बहुमंजिला इमारत में 400 मरीजों एवं उनकी देखरेख करने वाले नर्स, कर्मचारी आदि की व्यवस्था रखी गई है।

सिपानी सेवा सदन - 2

सेवा के कदम आगे बढ़ाते हुए सिपानी समूह ने सिपानी सेवा सदन - 2 का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवा दिया है। इस भवन में उपरोक्त के अतिरिक्त 500 मरीजों एवं उनके लिए आवश्यक डॉक्टर, नर्स कर्मचारी एवं एम्बुलेंस आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

SIPANI

Sipani Seva Sadan-2
Address No. 149/1 & 150/1 Bandapura village, Madivala grama, Marsur post Anekal taluk, Bangalore 562106
Phone number +91 8431 888 000 & +91 9513 361 335

हु शि उ चौ श्री ज ग नाना,
राम चमकते भानु समाना।
तरुण तपस्वी, प्रशांतमना आचार्य प्रवर
1008 श्री रामलाल जी म.सा.
एवं समस्त चारित्रात्माओं के चरणों में
कोटिशः वंदन!

SIPANI MARBLES

STRONG - STYLISH - SOPHISTICATED

Royal Italian Marbles

AS PER ISI STANDARDS

WWW.SIPANIMARBLES.COM

संघ से संबंधित विभिन्न जानकारियां

प्रकाशक

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

प्रधान कार्यालय

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग,
नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401
(राज.) फोन : 0151-2270261
helpdesk@sadhumargi.com

अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक

नरेन्द्र गांधी, जावद

सह संपादिका

श्रीमती मोनिका जय ओस्तवाल, ब्यावर

श्रमणोपासक सदस्यता

केवल भारत में	1,000/- (15 वर्ष के लिए)
विदेश हेतु	15,000/- (10 वर्ष के लिए)

वाचनालय हेतु (केवल भारत में)

वार्षिक	50/-

संघ सदस्यता

साधारण सदस्यता	500/-
आजीवन सदस्यता	5,000/-

साहित्य सदस्यता

15 वर्ष	(केवल भारत में)	3,000/-

संघ केन्द्रीय कार्यालय के विभिन्न विभागों से कार्य सम्पादन हेतु सम्पर्क करें :-

E-mail : ho@sadhumargi.com

बैंक खाता विवरण

Shree Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh, Bikaner

State Bank of India

SCAN & PAY

Account No. : 31264126681
IFSC Code : SBIN0003401
Branch : G.S. ROAD, Bikaner
Mob. : 7073311108
E-mail : **accounts@sadhumargi.com**

व्हाट्सएप और ई-मेल आईडी

श्रमणोपासक	: 9799061990	news@sadhumargi.com
श्रमणोपासक समाचार	: 8955682153	
साहित्य	: 8209090748	: sahitya@sadhumargi.com
महिला समिति	: 6375633109	: ms@sadhumargi.com
समता युवा संघ	: 7073238777	: yuva@sadhumargi.com
धार्मिक परीक्षा	: 7231933008	examboard@sadhumargi.com
कर्म सिद्धांत	: 7976519363	
परिवारांजलि	: 7231033008	: anjali@sadhumargi.com
विहार	: 8505053113	: vihar@sadhumargi.com
पाठशाला	: 9982990507	: pathshala@sadhumargi.com
शिविर	: 7231833008	: udaipur@sadhumargi.com
ग्लोबल कार्ड अपडेशन	: 6265311663	: globalcard@sadhumargi.com
सामाजिक, संघ सदस्यता, सहयोग, समृद्धि, जन सेवा, जीव दया आदि अन्य प्रवृत्तियाँ	: 9602026899	
शैक्षणिक, आध्यात्मिक, धार्मिक, साहित्य संबंधी प्रवृत्तियाँ	: 7231933008	
संघ हेल्पलाइन (WhatsApp only)	: 8535858853	

-: सूचना :-

निवेदन है कि किसी भी कार्य के लिए संबंधित विभाग से ही संपर्क करें। इससे आपका कार्य सुगम और त्वरित गति से हो सकेगा।
कार्यालय समय – प्रातः 10:00 से सायं 6:30 बजे तक
लंच – दोपहर 1:00 से 1.45 बजे तक

आवश्यक सूचना

सभी संघ सदस्यों से निवेदन है कि कृपया कोई भी नकद भुगतान (Cash Payment) श्री संघ के किसी भी सदस्य, कार्यालय अधिकारी को किसी भी प्रवृत्ति में करें तो केन्द्रीय कार्यालय के लेखा विभाग (Accounts Department) को सूचना जरूर देवें। इससे आपको पक्की रसीद शीघ्र ही भिजवाई जा सकेगी। मो.न. 7073311108 पर व्हाट्सएप करें।

रचनाकारों अथवा लेखकके विचारों से संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र बीकानेर ही रहेगा।

प्रधान संपादक, प्रकाशक, मुद्रक नरेन्द्र गांधी के लिए जैन आर्ट प्रेस, बीकानेर के लिए साक्षी प्रिंटर्स, जयपुर (राज.) में मुद्रित प्रतियाँ 24700

प्रेषक : श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.), फोन नं.: 0151-2270261

www.facebook.com/HOSadhumargi @absjainsangh